NA
Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 30 अगस्त, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-242

भिखमंगा पाकिस्तान भी डाल रहा जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में बाधा

वाघा बॉर्डर पर पाकिस्तान ने टांगा गद्दार गिलानी का पोस्टर

अटारी, 29 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका और वहां के कुछ पूंजीपशु तत्व भारत के नस्लदूषित नेताओं के साथ मिल कर देश को अस्थिर करने में लगातार लगे हैं। इन तत्वों ने लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी को सत्ता से बेदखल करने की सारी कोशिशें की, लेकिन नाकाम रहे। इसके बाद अब वे जम्मू कश्मीर में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को बाधित कर वहां पुरानी स्थितियां वापस लाने का षडयंत्र रच रहे हैं। इसमें पाकिस्तान की तरफ से भी लगातार शैतानियां हो रही हैं। उधर से आतंकवाद को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। अब पाकिस्तान जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव को प्रभावित करने के लिए अलगाववादी तत्वों को उकसा रहा है।

पाकिस्तान ने वाघा बॉर्डर पर भारतीय सीमा की ओर रुख करते हुए गद्दार हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के नेता सैयद अली शाह गिलानी का एक बड़ा पोस्टर टांग दिया है। आप जानते ही हैं कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का आज तक विरोध करते रहे अलगाववादी और राष्ट्रविरोधी सब विधानसभा चुनाव में शामिल होकर भितरघात करने की कोशिश कर रहे हैं।

आतंकवाद का प्रायोजक और जेहाद के उत्पादक देश पाकिस्तान द्वारा वाघा बॉर्डर पर लगाए गए गद्दार सैयद अली शाह गिलानी के पोस्टर का स्पष्ट संदेश है जम्मू कश्मीर बैठे अलगाववादियों और पाकिस्तानपरस्तों को उकसाना और चुनाव को बाधित कराना। भारत और पाकिस्तान के बीच अटारी (भारत) तथा वाघा (पाकिस्तान) की सीमा है जहां दोनों तरफ लोहे के बड़े गेट लगे हैं। यही जगह है जहां हर शाम दोनों देशों के ध्वज उतारे जाते हैं और उसे देखने के लिए दोनों तरफ सैकड़ों लोग जमा होते हैं। यहीं पर पाकिस्तान ने अपनी तरफ गिलानी का पोस्टर टांगा है जो दोनों ओर के लोगों का ध्यान बरबस खींच रहा है।

पाकिस्तान की यह हरकत निश्चित तौर पर भारत को उकसाने के लिहाज से की गई है। सैयद गिलानी बदनाम कश्मीरी अलगाववादी नेता रहा था जिसने हमेशा घाटी में आतंकवाद को जिंदा रखने और उस प्रांत को भारत से काटे रखने की वकालत और कोशिश दोनों ही की थी। उसका हर बयान भारत विरोधी और नफरत फैलाने वाला ही होता था। बातचीत और समन्वय के नाम पर वह पाकिस्तान के इशारे पर भारत सरकार को धोखा देने में लगा रहता था। ऐसे विवादित व्यक्ति का पोस्टर उस जगह पर लगाना जहां भारत और पाकिस्तान के सैकड़ों लोग हर शाम इकट्ठे होते हैं, यह पाकिस्तान सरकार की शैतानियत का ज्वलंत उदाहरण है।

अलगाववादियों की तो छोड़िए आतंकी का भाई भी लड़ रहा चुनाव

श्रीनगर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है। इस चुनाव में जमात-ए-इस्लामी जैसी कट्टरपंथी संगठनों के नेता भी चुनाव मैदान में उतर रहे हैं, जिसने 1987 के बाद से लगातार लोकतांत्रिक कार्यकलापों का बहिष्कार किया है। यही नहीं, इस चुनाव में आतंकवादी अफजल गुरु का भाई एजाज गुरु भी अपनी किस्मत आजमा रहा है। पूर्व अलगाववादियों ने तहरीक-ए-आवाम नाम की राजनीतिक पार्टी भी बनाई है। कश्मीर में आतकंवाद और अलगाववाद की जननी और पोषक कही जाने वाले प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी के चार पूर्व नेताओं ने चुनावी दंगल में उतरते हुए बतौर निर्दलीय अपना-अपना नामांकन जमा कराया। इसमें पुलवामा विधानसभा सीट से जमात-ए-इस्लामी के पूर्व नेता तलत मजीद, कुलगाम विधानसभा क्षेत्र से जमात-ए-इस्लामी से जुड़े सयार अहमद रेशी, देवसर विधानसभा क्षेत्र से जमात-ए-इस्लामी से जुड़े रहे नजीर अहमद बट ने नामांकन कराया है। इसके अलावा सरजन अहमद बागे उर्फ सरजन बरकती उर्फ आजादी चाचा ने शोपियां के जेनपोरा विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय पर्चा भरता है। वो टेरर फंडिंग के मामले में जेल में है। तो संसद हमले में फाँसी की सजा पाने वाले आतंकी अफजल गुरु का भाई एजाज गुरु भी उत्तरी कश्मीर में ▶10 पर

भारतीय बिजली कंपनियों का बांग्लादेश पर 9500 करोड़ से अधिक बकाया

भारत ने बिजली काट दी तो बांग्लादेश में छा जाएगा घुप्प अंधेरा

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। भारत बिजली काट दे तो बांग्लादेश घुप्प अंधेरे में खो जाएगा। वैसे भी प्रायोजित हिंसा और तख्तापलट के बाद से बांग्लादेश का भविष्य अंधेरे सुरंग की तरफ ही उन्मुख हो गया है। बांग्लादेश में जो बिजली जल रही है, वह भारत की तरफ से मिलती है, वह भी उधार में। भारत की बिजली कंपनियों का बांग्लादेश पर 9500 करोड़ से अधिक बकाया हो गया है। बांग्लादेश में हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद यह पैसा लटक गया है। बांग्लादेश पर सबसे बड़ा बकाया अडाणी पावर का है। इतने बड़े बकाये के बावजूद भारतीय कंपनियों की तरफ से बांग्लादेश को उधार की बिजली दी जा रही हैं। बांग्लादेश पर अडाणी पावर, पीटीसी इंडिया, एनटीपीसी, एसईआईएल और पावर ग्रिड जैसी कंपनियों के लगभग 1.15 बिलियन डॉलर (9600 करोड़) बकाया हैं। इनमें से सबसे बड़ा बकाया अडाणी पावर का है। उसके लगभग 800 मिलियन डॉलर (लगभग 6700 करोड़) बांग्लादेश पर बाकी हैं। अडाणी पावर के बाद सबसे अधिक पैसा एसईआईएल एनर्जी का हैं। इसके बांग्लादेश पर लगभग 150 मिलियन (लगभग 1200 करोड़) बाक़ी हैं। इसी तरह पीटीसी इंडिया के 84.5 मिलियन डॉलर (लगभग 600 करोड़) और एनटीपीसी की तीन यूनिट के कुल 100 मिलियन डॉलर (लगभग 800 करोड़) बाकी हैं।

अडाणी पावर समेत 5 कंपनियों का 1.15 बिलियन डॉलर बकाया

पुराने रिश्तों पर बांग्लादेश को उधार की बिजली दे रहा है भारत

बांग्लादेश पर भारतीय बिजली कंपनियों के यह बकाए 30 जून 2024 तक के हैं। ▶10 पर

अमेरिका के दबाव में या प्रभाव में हुआ रक्षा सौदा? उठ रहे सवाल

अमेरिकी कंपनी भारतीय सेना को बेचेगी 73 हजार असॉल्ट राइफलें

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने अमेरिकी हथियार निर्माता फर्म सिग सॉर को 73,000 अत्याधुनिक असॉल्ट राइफल का आर्डर दिया है। यह राइफल सीमा पर तैनात भारतीय सेना के सैनिकों को दी जाएंगी। इससे पहले भी इसी कंपनी को 72,000 राइफल का ऑर्डर 2019 में दिया जा चुका है। राइफल का ऑर्डर दोबारा मिलने पर एक तरफ अमेरिकी फर्म ने खुशी जताई है तो दूसरी तरफ भारतीय हथियार निर्माता निराशा व्यक्त कर रहे हैं और आत्मनिर्भर भारत के नारे पर कटाक्ष कर रहे हैं। हथियार बनाने वाली एक भारतीय कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने कहा, हम अपने बनाए सामान पर गर्व करना भूल चुके हैं। भारत और अमेरिका के बीच हुए शस्त्र-करार के बारे में खुद अमेरिकी राइफल निर्माता कंपनी सिग सॉर ने बाकायदा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दुनिया को जानकारी दी। प्रेस रिलीज में कंपनी ने बताया है कि उसे भारतीय सेना की तरफ से 73,000 राइफल का ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर सिग सॉर कंपनी में बनने वाली सीग-716 राइफलों के लिए दिया गया है। फर्म ने बताया है कि वह भारत और अमेरिकी रक्षा एजेंसियों के लिए हथियार बनाती है।

⇨ 2019 में भी इसी अमेरिकी कंपनी ने दी थी 72 हजार राइफलें

⇨ भारतीय कंपनियां आत्मनिर्भर-भारत के नारे का उड़ा रहीं मजाक

फर्म ने बताया है कि वह ऐसी ही 72,400 राइफल पहले ही भारतीय सेना को बेच चुकी है और नया ऑर्डर पूरा होने पर 1.45 राइफल भारतीय सेना के पास होंगी। फर्म ने कहा है कि वह भारतीय सेना के आधुनिकीकरण प्रोग्राम में हिस्सा बनने पर काफी प्रसन्न हैं। 7.62÷51 मिलीमीटर कैलिबर वाली राइफलों के इस ऑर्डर की कुल कीमत 837 करोड़ है। इन राइफलों को एलओसी और एलएसी पर तैनात भारतीय सेना के जवानों को दिया जाएगा। अभी भारत के सैनिक पुरानी इंसास राइफलें या एके-47 असॉल्ट राइफलों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ▶10 पर

• जम्मू कश्मीर में तीन जगहों पर आतंकियों से मुठभेड़

कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकी मारे

जम्मू, 29 अगस्त (ब्यूरो)। कुपवाड़ा में दो अलग-अलग मुठभेड़ में तीन आतंकवादियों के मारे जाने की खबर है। सुरक्षाबलों ने माछिल में दो और तंगधार में एक आतंकी के मार गिराया है। कुपवाड़ा में अभी मुठभेड़ जारी है। वहीं, राजौरी में भी सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो रही है। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर रखा है। बताया जा रहा है कि इलाके में दो से तीन आतंकी छिपे होने की आशंका है। मुठभेड़ खेड़ी मोहरा लाठी और दंथल इलाके में बुधवार (28 अगस्त) देर रात शुरू हुई। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस बात की जानकारी दी है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, 28 अगस्त को रात 9.30 बजे सुरक्षाबलों ने राजौरी के खेड़ी मोहरा लाठी और दंथल क्षेत्र के इलाकों में एक तलाशी अभियान शुरू किया।

इस दौरान लगभग 11.45 बजे आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हुआ। जिसके बाद खेड़ी मोहरा इलाके के पास आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। ▶10 पर

छत्तीसगढ़ में तीन महिला नक्सली मुठभेड़ में ढेर

कांकेर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर और कांकेर जिलों की सीमा पर माढ़ में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में अब तक तीन वर्दीधारी महिला नक्सली ढेर हुई हैं। मौके से भारी मात्रा में हथियार सहित नक्सल सामग्री बरामद की गई है। ▶10 पर

वाईएसआरसीपी के दो राज्यसभा सांसदों का इस्तीफा

टीडीपी में शामिल होंगे जगन के कई साथी

अमरावती, 29 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में सत्ता परिवर्तन होने के बाद से वहां का राजनीतिक और सियासी घटनाक्रम तेजी से बदल रहा है। क्योंकि अब राज्य की सत्ता जगन नहीं, बल्कि उनके चिर प्रतिद्वंद्वी और टीडीपी के चीफ चंद्रबाबू नायडू के हाथों में है। जो केंद्र की मोदी सरकार में सहयोगी की भूमिका में हैं। यही वजह है कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के दो राज्यसभा सांसदों मोपीदेवी वेंकटरमण राव और बीधा मस्थान राव के उच्च सदन की सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद ऐसा माना जा रहा है कि कम से कम छह और वाईएसआरसीपी सांसद राज्यसभा से बाहर हो सकते हैं। वेंकटरमण और मस्तान ने हाल ही में टीडीपी प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात की। कयास लगाए जा रहे हैं कि वो जल्द ही टीडीपी में शामिल होंगे। ▶10 पर

कई और सांसद जगन को झटका देने की तैयारी में

• यूपीएस में संशोधन के लिए पीएम के समक्ष रखी गई पांच मांगें

91 लाख सरकारी कर्मचारियों ने लगाई पीएम से गुहार

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। नई पेंशन योजना यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) पर सरकारी कर्मचारी सवाल उठा रहे हैं। अधिकांश कर्मचारी संगठनों ने यूपीएस का विरोध किया है। वे ओपीएस बहाली की मांग कर रहे हैं। इस बीच नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत सिंह पटेल ने प्रधानमंत्री मोदी को एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने 91 लाख सरकारी कर्मियों का हवाला देते हुए यूपीएस में कई सुधारों की मांग की है। 29 अगस्त को लिखे पत्र में मुख्य तौर पर पांच मांगों का जिक्र किया गया है। इनमें अंतिम वेतन के 50 प्रतिशत एश्योर्ड पेंशन की गारंटी के लिए न्यूनतम सेवा 25 वर्ष के स्थान पर 20 वर्ष करना और रिटायरमेंट/वीआरएस पर कर्मचारी अंशदान की ब्याज सहित वापसी करना, शामिल है।

डॉ. मंजीत सिंह पटेल ने अपने पत्र में कहा है, एनपीएस रिव्यू कमेटी द्वारा एनपीएस में कुछ बदलाव कर यूपीएस का जो ब्यौरा प्रस्तुत किया गया है, वह काफी अतार्किक और असंगत है। इसके चलते पूरे देश में एक बार फिर कर्मचारियों के मन में सरकार के प्रति नकारात्मक भाव पैदा हो गया है। देश के समस्त कर्मचारी जगत को उस वक्त यह विश्वास हुआ था, जब आपके द्वारा स्टाफ साइड की राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) को बातचीत के लिए बुलाया गया। कर्मचारियों को यह यकीन था कि सरकार, ओपीएस के संबंध में कोई ऐतिहासिक फैसला लेगी। जब वित्त सचिव (बाद में कैबिनेट सचिव नियुक्त) ने देश के सामने यूपीएस का मसौदा रखा तो ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 23°

सीआरपीएफ के साथ गृह मंत्रालय क्यों कर रहा सौतेला व्यवहार?

अफसरों के पद खाली, कमांडरों को वर्षों से नहीं दी तरक्की

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। सबसे बड़े अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ के साथ गृह मंत्रालय सौतेला और बेजा व्यवहार कर रहा है, इसे लेकर देशभर में सीआरपीएफ में निंदा हो रही है। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ में ग्राउंड कमांडर यानी सहायक कमांडेंट को 14 साल बाद भी पहली पदोन्नति नहीं मिल पा रही है। हैरानी की बात है कि सीआरपीएफ में करीब डेढ़ सौ डिप्टी कमांडेंट के पद रिक्त हैं, लेकिन इसके बावजूद ग्राउंड कमांडरों को आगे नहीं बढ़ाया जा रहा। कैडर अधिकारियों के मुताबिक, बल मुख्यालय द्वारा कोर्ट केस का हवाला देकर ग्राउंड कमांडरों को शांत कर दिया जाता है। ऐसा आरोप है कि बल मुख्यालय इस मामले में कोई विधिक उपाय भी नहीं कर रहा। न ही डीसी के रिक्त पदों पर अगेंस्ट द वैकेंसी ऑफ डीसी की पोस्टिंग मिल रही है। समय पर पदोन्नति न मिलने से अफसरों के मनोबल पर विपरीत असर पड़ता है। यही ग्राउंड कमांडर, बल में टेररिस्ट/नक्सली ऑपरेशन के अलावा चुनावी ड्यूटी और आपदा के दौरान कंपनी कमांड करते हैं। अगर जल्द ही इस मुद्दे का समाधान नहीं तलाशा गया तो रिक्तियां बढ़ती रहेंगी और बल का कामकाज भी प्रभावित होगा। पिछले दिनों सीआरपीएफ डीजी ने ग्राउंड कमांडरों के साथ संवाद किया था। उस दौरान अन्य बातों के अलावा कैडर अफसरों ने अपनी पदोन्नति का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। एक अधिकारी ने तो भावुक होकर स्वयं को अभिशापित अधिकारी बता दिया था। संवाद के दौरान कई दूसरे ग्राउंड कमांडर भी पदोन्नति को लेकर हतोत्साहित नजर आए थे। ग्राउंड कमांडरों से संवाद के बाद डीजी सीआरपीएफ ने उन्हें आश्वासन दिया था कि जल्द ही उनकी समस्या को हल किया जाएगा। डीजी ने इस मसले पर कैडर अधिकारियों की एक कमेटी भी गठित की थी। उसे 30 जून तक अपनी रिपोर्ट देनी थी। वह रिपोर्ट बल मुख्यालय द्वारा गृह मंत्रालय को भेजी जानी थी। सूत्र बताते हैं कि ऐसी रिपोर्ट कई बार बन चुकी हैं। समस्या क्या है और उसका हल क्या है, ये बात गृह मंत्रालय और बल मुख्यालय के शीर्ष अधिकारी जानते हैं। इसके बावजूद ग्राउंड कमांडरों की डिप्टी कमांडेंट बनने की फाइल आगे नहीं बढ़ पा रही है। ▶10 पर

7 राज्यों के 16 ठिकानों पर एनआईए का छापा

लीक हो रही थी रक्षा संबंधी खुफिया जानकारियां

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने रक्षा संबंधी खुफिया जानकारी लीक करने के मामले में सात राज्यों में छापेमारी की है। एनआईए की टीम ने कई ठिकानों में छापे मारे, जहां भारत में जासूसी गतिविधियां चलाने के लिए गद्दारों को पाकिस्तान से पैसा मिला था।

एनआईए के मुताबिक, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के जरिए रक्षा संबंधी खुफिया जानकारी लीक होने से जुड़े मामले में गुजरात, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, बिहार और हरियाणा में 16 स्थानों पर छापे मारे गए। इस दौरान 22 मोबाइल फोन और कई संवेदनशील दस्तावेज जब्त किए गए। एनआईए ने जुलाई 2023 में मामले को अपने हाथ में लिया था, जिसे मूल रूप से जनवरी 2021 में आंध्र प्रदेश के काउंटर-इंटेलिजेंस सेल ने दर्ज किया था। जांच एजेंसी ने कहा कि मामला सीमा पार से रची गई ▶10 पर

सर्वोच्च नेता खामेनेई ने कहा–दुश्मन से बात करने में बुराई नहीं, लेकिन...

तेहरान, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

इजरायल–हमास युद्ध और अपने राष्ट्रपति और कई अन्य अहम सैन्य अफसरों को खोने के बाद लगता है कि ईरान बैकफुट पर है। तभी ईरान अमेरिका के साथ बातचीत करना चाहता है।

हालांकि, उसके सर्वोच्च नेता अयोतुल्लाह अली खामेनेई ने अपने राष्ट्रपति से कहा है कि वैसे अपने दुश्मन देश से बातचीत करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। दरअसल, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पाजेस्कियन की सरकार देश के परमाणु कार्यक्रमों को लेकर बार फिर अमेरिका से साथ बातचीत की संभावना देख रही है। राष्ट्रपति पाजेस्कियन की पहचान एक सुधारवादी नेता की है। यह देखकर सर्वोच्च नेता ने उनके सामने एक लक्ष्मण रेखा खींच दी है। वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की वजह से ईरान की अर्व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

इसके पहले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय 2015 में ईरान के साथ परमाणु समझौता हुआ था, इस समझौते को 2018 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने समाप्त कर दिया था। इस समझौते के खत्म होते ही फिर ईरानी पर गंभीर प्रतिबंध लगा दिए गए थे। इस वक्त अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव होने जा रहे हैं। वह नेतृत्व परिवर्तन होना है। अगले राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप और कमला हैरिस में से किसी एक का चुनाव हो सकता है। इसके बाद ईरान को एक नए नेतृत्व के साथ डील करना होगा। राष्ट्रपति पाजेस्कियन चाहते हैं कि ईरान पर प्रतिबंधों में कुछ ढील मिले। इसके लिए वह बातचीत का रास्ता तलाश रहे हैं। इसमें मध्य पूर्व के दो देश ओमान और कतर मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। एक दिन पहले ही कतर के प्रधानमंत्री ने ईरान का दौरा पूरा किया है।

ईरान से जुड़े सभी विदेशी मामलों में अंतिम फैसला खामेनेई लेते हैं। इस बीच ईरानी सरकार की बातचीत की पेशकश पर अमेरिका ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि हम हमेशा से कहते आ रहे हैं कि ईरान के विवादित परमाणु कार्यक्रम के स्थायी समाधान के लिए बातचीत ही एकमात्र जरिया है। लेकिन, मौजूदा स्थिति बहुत गंभीर है। ईरान तेजी से अपना परमाणु कार्यक्रम बढ़ा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

मध्य अमेरिकी देश अल साल्वाडोर में 6.1 तीव्रता का भूकंप

सैन साल्वाडोर। मध्य अमेरिकी देश अल साल्वाडोर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.1 मापी गई। अल साल्वाडोर के पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय ने एक्स पर यह सूचना साझा की है। मंत्रालय ने लिखा है कि स्थानीय समयानुसार बुधवार शाम 03ः57 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.1 आंकी गई। भूकंप का केंद्र मिजाटा बीच से 70 किलोमीटर दक्षिण में, ला लिबर्टाड के तट से 13 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। भारतीय समयानुसार इस भूकंप का समय तड़के सुबह 3 बजकर 27 मिनट रहा। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे ने इसकी पुष्टि की है। कहा गया है कि अल साल्वाडोर में आए भूकंप से घर–इमारतें हिलने लगे। इससे लोग डरकर बाहर भागने को मजबूर हो गए। कुछ घरों–इमारतों की दीवारों में मामूली दरारें भी आ गई। भूकंप का झटका प्रभावित क्षेत्र के साथ ही आसपास के कुछ इलाकों में भी महसूस किया गया। हालांकि इस भूकंप की वजह से कोई भी हताहत नहीं हुआ। वहीं दूसरी दक्षिणी यूनान के क्रेते में बुधवार को रिएक्टर स्केल पर 5.2 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया। इसमें किसी के घायल होने या नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'एथेंस जियोडायनामिक इंस्टीट्यूट' ने बताया कि समुद्र के अंदर भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 7ः29 बजे क्रेते और गावडोस द्वीप के बीच आया। इसकी गहराई 11.6 किलोमीटर थी। अग्निशमन विभाग ने कहा कि उसे किसी के घायल होने या इमारतों को नुकसान पहुंचने की कोई प्रारंभिक रिपोर्ट नहीं मिली है।

पाकिस्तान में भी कांपी धरती इस्लामाबाद से लाहौर तक लगे झटके

इस्लामबाद। पाकिस्तान में गुरुवार सुबह 10ः56 बजे राजधानी इस्लामाबाद समेत देश के कई हिस्सों में भूकंप के तीव्र झटके महसूस किए गए। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.4 मापी गई। डॉन अखबार के मुताबिक भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान का हिंदूकुश क्षेत्र रहा। इसकी गहराई 215 किलोमीटर थी। भूकंप के झटके इस्लामाबाद, रावलपिंडी और लाहौर में भी महसूस किए गए। सबसे तेज झटका खैबर पख्तूनख्वा में महसूस किया गया। इसके अलावा भूकंप के झटके मर्दन, मलकंद, हंगू, बुनेर, शांगला, दीर और चारसद्दा समेत विभिन्न शहरों में महसूस किए गए। अभी तक किसी जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। पंजाब में प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि भूकंप का झटका लाहौर, मुल्तान, इस्लामाबाद, गुजरांवाला और सरगोधा सहित कई शहरों में भी महसूस किया गया।

मिस यूनिवर्स 2023 का पहला नेपाल भ्रमण

काठमांडू। मिस यूनिवर्स नेपाल कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए मौजूदा मिस यूनिवर्स शेनिस पलासियोस गुरुवार को काठमांडू पहुंची हैं। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आयोजकों ने उनका स्वागत किया। जिम्बाब्वे से काठमांडू पहुंची पलासियोस की टीम में तीन अन्य सदस्य हैं। अपनी पहली नेपाल यात्रा पर पहुंची पलासियोस ने हवाई अड्डे पर मीडिया को संक्षिप्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह नेपाल आकर खुश हैं। यह पहली बार है कि विश्व प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता की वर्तमान विजेता नेपाल पहुंची हैं। मिस यूनिवर्स नेपाल की प्रवक्ता रोशिका गिरी के मुताबिक पलासियोस की टीम तीन दिन तक नेपाल में रहेंगी। पलासियोस एक प्रसिद्ध निकारागुआ मॉडल और मिस यूनिवर्स 2023 की विजेता हैं। मिस यूनिवर्स नेपाल का फिनाले शनिवार 30 अगस्त को हयात होटल में होने जा रहा है। इस साल मिस यूनिवर्स नेपाल का संस्करण पहली बार ग्लोबल ग्लैमर द्वारा आयोजित किया जा रहा है। 22 फाइनलिस्ट खिताब के लिए लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

इजराइल ने किया संयुक्त राष्ट्र टीम पर हमला, बाल–बाल बचे कार्यकर्ता

डब्ल्यूएफपी ने कहा– इजराइल सेना का यह कदम अस्वीकार्य

गाजा, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र के बख्तरबंद वाहन में सवार दो कार्यकर्ता गाजा में इजरायली हमले में बाल–बाल बचे गए। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने इजराइल पर आरोप लगाया कि राहत सामग्री ले जा रहे संयुक्त राष्ट्र के वाहन पर इजराइल की आईडीएफ सेना ने हमला कर दिया। वाहन के फ्रंट विंडोज को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने कहा कि डब्ल्यूएफपी टीम पर गोलीबारी के बाद वह अगली सूचना तक गाजा में अपने कर्मचारियों की आवाजाही को रोक रहा है। यह घटना वाडी गाजा पुल पर एक इजरायली चेकपॉइंट से कुछ मीटर की दूरी पर हुई जब यूएन की टीम गाजा में राहत सामाग्री ले जाने वाले ट्रकों के एक काफिले को एस्कॉर्ट करने के बाद दो बख्तरबंद वाहनों में केरेम शालोम/करम अबू सलेम के एक मिशन से लौट रही थी।

यूएन की खाद्य एजेंसी ने कहा कि चेकपॉइंट तक पहुंचने के लिए इजरायली अधिकारियों से मंजूरी मिलने के बाद जब वाहन चेकपॉइंट की ओर बढ़ रहा था तो उस पर सीधे हमला किया गया। कार पर गोलियां बरसाई गई। डब्ल्यूएफपी ने सफेद एसयूवी वाहन के की तस्वीर जारी की है, जिस पर बड़े काले अक्षरों में यूएन लिखा है और ड्राइवर और बाएं यात्री की बुलेट–प्रूफ खिड़कियों पर गोलियों के निशान दिखाए गए हैं। जो इजराइली सेना की गोली बारी के हैं।

डब्ल्यूएफपी के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि इजराइल का कदम पूरी तरह से अस्वीकार्य है और उन अनावश्यक घटनाओं में से एक है जिसने गाजा में डब्ल्यूएफपी की टीम की जिंदगी खतरे में डाल दी है। जैसा कि बीते मंगलवार रात की घटनाओं से पता चलता है, वर्तमान विघटन प्रणाली विफल हो रही है और यह अब और नहीं चल सकता। मैं इजरायली अधिकारियों और संघर्ष के सभी पक्षों से सभी सहायता कर्मियों की सुरक्षा देने के लिए तुरंत कार्रवाई करने का आह्वान करता हूं।

पाकिस्तान में अगवा सैन्य अधिकारियों का अब तक पता नहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इन दिनों आतंकियों के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने अब सीधे सेना के अफसरों को ही अपना निशाना बनाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान से एक और सैनिक अफसर फहाद आमिर को भी किडनैप किया गया है। खबरों के मुताबिक इसके पहले आतंकियों ने सेना में काम करने वाले 3 भाइयों का एक साथ अपहरण किया था। खबरों के मुताबिक एक सेवारत सैन्य अधिकारी और उसके दो भाइयों का उनके पैतृक स्थान डेरा इस्माइल खान से अपहरण कर लिया गया था। इन अगवा सैन्य अधिकारियों के संबंध में पुलिस भी कोई जानकारी नहीं दे पा रही है। ये सभी भाई अपने दिवंगत पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अपने गृहनगर में गए थे। फातिहा की नमाज के ठीक बाद उनका अपहरण किया गया। सूत्रों ने डेरा इस्माइल खान में दो सैन्य अधिकारियों और उनके तीसरे भाई के अपहरण की पुष्टि की है। जो एक सरकारी कर्मचारी भी है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिबंधित आतंकी संगठन टीटीपी ने अपहरण की जिम्मेदारी ली है। लेकिन स्थानीय पुलिस की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई। गौरतलब है कि तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और उसके दो सहयोगी समूहों के खिलाफ सुरक्षा बलों द्वारा खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए बड़े अभियान में एक टॉप आतंकवादी कमांडर सहित 25 आतंकवादी मारे गए थे, जबकि 11 अन्य घायल हो गए। पाकिस्तान की सेना ने बताया कि आतंकियों ने इन हमले का बदला लेने के लिए संभवतः सेना के 4 अधिकारियों को अगवा किया है।

हसीना के पूर्व सलाहकार रहमान और पूर्व कानून मंत्री सादिख को कोर्ट ने पुलिस रिमांड पर भेजा

ढाका, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट नुरुल हुदा चौधरी ने हालिया छात्र आंदोलन के दौरान बड्डा में एक युवक की गोली मारकर हत्या के मामले में शेख हसीना के पूर्व सलाहकार सलमान एफ रहमान और पूर्व कानूनमंत्री अनीसुल हक को आज सुबह हिरासत में लेकर पूछताछ करने के लिए पुलिस को पांच दिन का और समय दिया है। ढाका ट्रिब्यून अखबार के अनुसार, अदालत ने दोनों को चौथी बार एजेंसी को पुलिस रिमांड पर सौंपा है। पुलिस आज रिमांड की अवधि खत्म होने पर दोनों को कोर्ट लेकर पहुंची।

इसके अतिरिक्त, अदालत ने राजधानी के रूबेल हत्याकांड केस में पूर्व विधायक मोहम्मद सादेक खान और पूर्व वरिष्ठ सैन्य अधिकारी जियाउल अहसन को पांच दिन के रिमांड पर भेजा। जांच एजेंसी ने पूर्व सांसद अनीसुल हक और राष्ट्रीय दूरसंचार निगरानी केंद्र के पूर्व महानिदेशक जियाउल अहसन को भी सुबह 7 बजे अदालत में पेश किया। पुलिस ने प्रत्येक के लिए 10 दिन की रिमांड का अनुरोध किया। मगर अदालत ने सभी को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा।

रिमांड सुनवाई के दौरान पूर्व सांसद अनीसुल ने अदालत को बताया कि सलमान और उन्होंने (दोनों) कोटा सुधार आंदोलन का समर्थन किया था। 'हम निर्दोष हैं, घटना से अनजान हैं। हम अदालत से न्याय चाहते हैं।' उल्लेखनीय है कि पुलिस ने दोनों 13 अगस्त को गिरफ्तार किया था। पुलिस का दावा है कि दोनों राजधानी के सदरघाट इलाके से जलमार्ग के रास्ते देश से भागने की कोशिश कर रहे थे।

बलूचिस्तान में आतंकी हमले की गाज आईजी अब्दुल खालिक शेख पर गिरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सर्वाधिक अशांत प्रांत बलूचिस्तान में हाल में हुए आतंकी हमले की गाज पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) अब्दुल खालिक शेख पर गिरी है। संघीय सरकार ने बुधवार को उन्हें बलूचिस्तान से हटा दिया। उनके स्थान पर मोअज्जम जाह अंसारी को नया आईजी नियुक्त किया गया है। डॉन अखबार के अनुसार, स्थापना प्रभाग ने इस आशय की अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना के अनुसार पाकिस्तान पुलिस सेवा के बीएस–21 अधिकारी अब्दुल खालिक शेख को पद से हटा दिया गया है।

स्वास्थ्य सलाहकार का दावाः बांग्लादेश में हालिया छात्र प्रदर्शन के दौरान 1000 से अधिक लोग मारे गए

ढाका, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के अपदस्थ होने बाद गठित अंतरिम सरकार ने छात्र आंदोलन के समय हताहत लोगों की संख्या को लेकर बड़ा दावा किया है। स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहा बेगम ने कहा है कि हाल के छात्र प्रदर्शन के दौरान 1,000 से अधिक लोग मारे गए। यही नहीं 400 से अधिक लोग अंधेपन का शिकार हुए। इनमें से कई की एक या दोनों आंखों की रोशनी चली गई। ढाका ट्रिब्यून अखबार के अनुसार यह बात उन्होंने बुधवार को राजारबाग स्थित केंद्रीय पुलिस अस्पताल के दौरे के दौरान कही। मंत्रालय ने गुरुवार को उनके बयान की विज्ञप्ति जारी की। स्वास्थ्य सलाहकार ने कहा, हम अमेरिका में सेवा फाउंडेशन के संपर्क में हैं। जिन लोगों ने अपनी दृष्टि खो दी है या आंखों की समस्या है, हमने उनकी सूची फाउंडेशन को भेज दी है। उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि वे जल्द से जल्द डॉक्टर भेजेंगे। मरीजों का इलाज इस्फहानी इस्लामिया आई इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी एंड हॉस्पिटल के साथ–साथ चटगांव आई हॉस्पिटल और दिनाजपुर में किया जाएगा। उन्होंने कहा, सरकार ने मरने वालों के परिवारों की जिम्मेदारी लेने और घायलों को मुफ्त इलाज मुहैया कराने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के पैर में गंभीर चोटें आई हैं और यहां तक कि उनके पैर भी काटने पड़े हैं।

अमेरिका को लगा झटका : जब रूस ने जेलेंस्की के प्लान को बताया बकवास

क्रेमलिन ने कहा- यूक्रेन के खिलाफ 'स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन' जारी रहेगा

मास्को, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

रुस–यूक्रेन को लड़ते हुए ढाई साल हो गए हैं दोनों ही देशों को भारी नुकसान हुआ है लेकिन दोनों ही समझौता करने को तैयार नहीं हो रहे हैं। एक दूसरे की शर्तें मानने को तैयार नहीं हैं। वहीं दुनिया इस जंग खत्म कराने की कोशिश में जुटी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की चाहते हैं कि बातचीत से युद्ध का अंत हो लेकिन हकीकत यह है कि अभी यह जंग लंबी चलेगी। जेलेंस्की के पास भले ही युद्ध खत्म करने का प्लान हो, लेकिन उसके प्लान को रूस बर्बाद करने पर तुला है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के युद्ध खत्म करने के प्लान को क्रेमलिन ने बकवास बताया है। पुतिन ने साफ कह दिया है कि रूस यह लड़ाई अभी जारी रखेगा। बता दें फरवरी 2022 से ही रूस और यूक्रेन के बीच जंग जारी है। रूस ने अब जब जेलेंस्की के प्लान को बकवास बताकर खारिज कर दिया है। ऐसे में यह अमेरिका के लिए बड़ा झटका है। जेलेंस्की ने कहा था कि रूस–यूक्रेन जंग खत्म करने के लिए उनके पास एक प्लान है. यह प्लान वह जो बाइडन, कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप से शेयर करने वाले थे। अब पुतिन ने कहा कि जेलेंस्की युद्ध खत्म करने का जो प्लान बना रहे हैं, वह बकवास है। रूस यूक्रेन में अपने 'स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन' को जारी रखेगा। ये पहली बार नहीं है, जब हमने कीव सरकार की ओर से ऐसे बयान सुने हैं। हम यूक्रेन सरकार के इस रवैये से वाकिफ हैं। हम अपना स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन जारी रखे हुए हैं और अपने सभी लक्ष्यों को हासिल करेंगे।

दरअसल जेलेंस्की अपनी शर्तों पर रूस को झुकाकर बातचीत के जरिए युद्ध खत्म करना चाहते हैं। जेलेंस्की के प्लान का मुख्य मकसद रूस को युद्ध समाप्त करने के लिए मजबूर करना है। जेलेंस्की सितंबर में अमेरिका जाने वाले हैं, जहां वह संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेंगे। हालांकि, रूस का बातचीत से इनकार करना अमेरिका के लिए झटका है। रूस के तेवर से लग रहा है कि जंग अभी खत्म नहीं होगी। माना जा रहा है कि यूक्रेनी अटैक से पुतिन तिलमिला गए हैं और अब इसका बदला लेने वह जंग को और नेक्स्ट लेवल पर ले जाना चाहते हैं।

वहीं दूसरी तरफ रूस ने 92 अमेरिकी नागरिकों को अपने देश में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इनमें वॉल स्ट्रीट जर्नल, न्यूयॉर्क टाइम्स और वाशिंगटन पोस्ट के पत्रकारों सहित कई वकील और नामी व्यवसायी भी शामिल हैं। यूक्रेन के साथ युद्ध के बीच रूस और अमेरिका के बीच शीत युद्ध जारी है, इससे दोनों देशों के बीच संबंध काफी खराब हो गए हैं। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जवाबी कार्रवाई करने पर एक बयान जारी करते हुए कहा कि वह रूसी हस्तियों के खिलाफ प्रतिबंधों का जवाब दे रहा है।

महिलाओं को कम उम्मीदवार बनाने पर उठे सवाल

पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने कई दलों के नेताओं को किया तलब

इस्लामाबाद, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने आम चुनाव में महिला उम्मीदवारों को कम प्रतिनिधित्व देने पर कई दलों के नेताओं को तलब किया है। ज्ञात रहे कि पाकिस्तान में हर पार्टी को कम से कम पांच प्रतिशत पार्टी टिकट महिला उम्मीदवारों के लिए आवंटित करना जरूरी है। इस संबंध में विभिन्न दलों के नेताओं को अपना पक्ष रखने के लिए चार सितंबर को पेश होने के लिए निर्देश जारी किए हैं।

जानकारी के अनुसार पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने जमात–ए–इस्लामी (जेआई), अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी), बलूचिस्तान नेशनल पार्टी (बीएनपी), तहरीक–ए–लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) और 10 अन्य पार्टियों के प्रमुखों को नियमों का पालन नहीं करने के लिए नोटिस जारी किया।

पाकिस्तान में राजनीतिक दलों को चुनाव अधिनियम की धारा 206 के तहत नेशनल असेंबली और प्रांतीय विधानसभाओं में सामान्य सीट के लिए न्यूनतम पांच प्रतिशत महिला उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारना आवश्यक है।

खबर के अनुसार पार्टी नेताओं को इस मुद्दे पर चर्चा के लिए चार सितंबर को निर्वाचन आयोग के समक्ष उपस्थित होने को कहा गया है।

आठ फरवरी को हुए चुनाव में व्यापक धांधली के आरोप लगे थे, जिनमें जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी पर आरोप लगे थे।

निर्दलीय उम्मीदवारों ने 265 नेशनल असेंबली सीट में से 93 पर जीत हासिल की थी। इन निर्दलीय उम्मीदवारों में से ज्यादातर को खान की 'पीटीआई' पार्टी का समर्थन प्राप्त था।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) को 75 सीट पर जीत मिली थी, जबकि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) 54 सीट हासिल कर तीसरे स्थान पर रही थी।

भुखमरी से बेहाल पाक फिर भी सेना को 20 अरब डॉलर दिए

बलूचिस्तान। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने उग्रवादियों से निपटने के लिए सेना को 20 अरब डॉलर दिए जाने की मंजूरी दी है। उनके इस पैसले को पाकिस्तान की कैबिनेट से भी मंजूरी मिल गई है। कैबिनेट से सेना के लिए इतनी बड़ी रकम पास होने पर सरकार पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जहां एक तरफ पाकिस्तान की जनता लगातार भुखमरी और महंगाई झेल रही है, वहीं दूसरी ओर उसकी सेना आतंक का डर दिखाकर मालामाल हो रही है।

देश की दूसरी परमाणु पनडुब्बी अरिघात नौसेना के बेड़े में शामिल

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

अरिहंत श्रेणी की दूसरी परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिघात गुरुवार को विशाखापतनम में नौसेना के बेड़े में शामिल हो गई जिससे नौसेना की मारक क्षमता कई गुना बढ गई है। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अनेक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी तथा सुरक्षा क्षेत्र से जुड़े अधिकारी भी मौजूद थे।

श्री सिंह ने अपने संबोधन में विश्वास जताया कि अरिघात देश की परमाणु तिकड़ी यानी परमाणु ट्रायडंट को और मजबूत करेगी, परमाणु प्रतिरोध को बढ़ाएगी, क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन और शांति स्थापित करने में मदद मिलेगी और देश की सुरक्षा में निर्णायक भूमिका निभाएगी। उन्होंने इसे राष्ट्र के लिए उपलब्धि और सरकार के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के अटूट संकल्प का प्रमाण बताया। रक्षा मंत्री ने इस क्षमता को हासिल करने में कड़ी मेहनत और तालमेल के लिए भारतीय नौसेना, डीआरडीओ और उद्योग की सराहना की। उन्होंने इस आत्मनिर्भरता को आत्मशक्ति की नींव बताया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से देश के औद्योगिक क्षेत्र, विशेषकर एमएसएमई को भारी बढ़ावा मिला है और रोजगार के अधिक अवसर पैदा हुए हैं।

अरिहंत श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी अरिघात अरिहंत का उन्नत स्वरूप है और यह अत्याधुनिक हथियार प्रणाली तथा उपकरणों से लैस है। इसे कठिन तथा निरंतर परीक्षणों की सफलता के बाद नौसेना को सौंपा गया है। अरिघात की लंबाई 112 मीटर, चौड़ाई 11 मीटर तथा इसका वजन 6 हजार टन है । पनडुब्बी में घातक के-15 मिसाइलें लगी हैं जो 750 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम हैं। इसकी विश-ेषता यह है कि यह दुश्मन को चकमा देकर उसकी पकड़ में आये बिना हमला करने में सक्षम है। पनडुब्बी डेढ हजार फुट से भी अधिक गहराई तक पानी में जा सकती है। देश में तीसरी परमाणु पनडुब्बी अरिदमन भी बनायी जा रही है और कुछ वर्षो में यह भी नौसेना के बेड़े में शामिल हो जायेगी।

अरिहंत और अरिघात में 83 मेगावाट के लाइट वाटर रिएक्टर हैं जिनसे इनका संचालन किया जाता है। परमाणु रिएक्टरों के कारण ये पनडुब्बी परंपरागत पनडुब्बियों की तुलना में महीनों तक पानी के भीतर रह सकती हैं। श्री सिंह ने पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की राजनीतिक इच्छाशक्ति को याद करते हुए, जिसने भारत को एक परमाणु हथियार संपन्न देश के बराबर खड़ा किया, रक्षा मंत्री ने कहा, आज, भारत एक विकसित देश बनने के लिए आगे बढ़ रहा है। विशेषकर आज के भू-राजनीतिक परिदृश्य में रक्षा सहित हर क्षेत्र में तेजी से विकास करना हमारे लिए आवश्यक है। हमें आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ मजबूत सेना की भी जरूरत है. हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए मिशन मोड पर काम कर रही है कि हमारे सैनिकों के पास भारतीय धरती पर बने उच्च गुणवत्ता वाले हथियार और प्लेटफॉर्म हों। आईएनएस अरिघात के निर्माण में उन्नत डिजाइन और विनिर्माण प्रौद्योगिकी, विस्तृत अनुसंधान और विकास, विशेष सामग्रियों का उपयोग, जटिल इंजीनियरिंग और अत्यधिक कुशल कारीगरी का उपयोग शामिल था। इसे स्वदेशी सिस्टम और उपकरण होने का गौरव प्राप्त है, जिनकी संकल्पना, डिजाइन, निर्माण और एकीकरण भारतीय वैज्ञानिकों, उद्योग और नौसेना कर्मियों द्वारा किया गया था।

भारत और दक्षिण अफ्रीका की नौसेनाओं ने परस्पर सहयोग बढाने की जताई प्रतिबद्धता

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत और दक्षिण अफ्रीका की नौसेनाओं ने परस्पर सहयोग बढाने तथा संचालन तालमेल को मजबूत करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

नौसेना के प्रवक्ता ने गुरूवार को बताया कि 27 और 28 अगस्त को यहां हुई 12वीं भारत-दक्षिण अफ्रीका नौसेना स्टाफ वार्ता से दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच सहयोग और मजबूत हुआ। सहायक नौसेना प्रमुख रियर एडमिरल निर्भय बापना और दक्षिण अफ्रीकी नौसेना में समुद्री रणनीति के मुख्य निदेशक रियर एडमिरल डेविड मनिंगी मखोंटो की सह-अध्यक्षता में हुई वार्ता में नौसेना संबंधों और परिचालन तालमेल को मजबूत करने के लिए आपसी प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया।

दोनों नौसेनाओं के बीच भविष्य में सहयोग के लिए आधार तैयार करने में इस वर्ष की वार्ता में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें तत्परता और दक्षता में सुधार के लिए परिचालन प्रशिक्षण और प्लेटफार्मों के बीच सुरक्षित सूचना विनिमय प्रोटोकॉल शामिल है। इसके अतिरिक्त, वार्ता में निरंतर आदान-प्रदान और अभ्यासों, जैसे कि भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका समुद्री अभ्यास (आईबीएसएएमएआर) के माध्यम से समुद्री क्षेत्र में उभरती जटिलताओं से निपटने के लिए परिचालन बातचीत की खोज की गई। बैठक में विषय वस्तु विशेषज्ञ आदान-प्रदान (एसएमईई) के माध्यम से परमाणु, जैविक, रासायनिक रक्षा सहित क्षति नियंत्रण (एनबीसीडी) और गोताखोरी सहायता में सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान के अवसर शामिल थे। इसमें कार्मिक आदान-प्रदान पर विशेष जोर दिया गया और संबंधित प्रशिक्षण सुविधाओं में उन्नत प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का लाभ उठाने की संभावना पर भी विचार-विमर्श किया गया। यह वार्ता समुद्री सुरक्षा और परिचालन सहयोग के लिए साझा दृष्टिकोण का उदाहरण है, तथा यह दक्षिण अफ्रीकी नौसेना और भारतीय नौसेना के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है।

देश की संस्कृति को गौरव के साथ आगे बढ़ाएं विदेश सेवा के अधिकारी : मोदी

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विदेश सेवा के अधिकारियों से देश की संस्कृति को गौरव के साथ आगे बढाने तथा औपनिवेशिक मानसिकता से निजात पाने को कहा है।

भारतीय विदेश सेवा के 2023 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। इस बैच में 15 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 36 अधिकारी प्रशिक्षु हैं। प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विदेश नीति की सफलता की सराहना की और उनसे सुझाव तथा मार्गदर्शन मांगा। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि उन्हें हमेशा गर्व और गरिमा के साथ देश की संस्कृति को अपने साथ रखना चाहिए और जहां भी वे तैनात हों, इसे प्रदर्शित करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने व्यक्तिगत आचरण सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में औपनिवेशिक मानसिकता पर काबू पाने और इसके बजाय खुद को देश के गौरवान्वित प्रतिनिधि के रूप में आगे बढ़ाने की बात की।

प्रधानमंत्री ने बताया कि विश्व मंच पर देश के प्रति धारणा बदल रही है। उन्होंने कहा कि अब हम दुनिया के साथ समान स्तर पर, परस्पर सम्मान और गरिमा के साथ जुड़ते हैं। उन्होंने बताया कि भारत ने अन्य देशों की तुलना में कोविड महामारी को कैसे संभाला। उन्होंने देश के तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ने का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने प्रशिक्षु अधिकारियों को विदेश में तैनात होने पर भारतीय प्रवासियों के साथ अपने संबंधों को मजबूत बनाने का भी सुझाव दिया।

महिलाओं के लिए शी-बॉक्स पोर्टल आरंभ

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज करने और उनकी निगरानी के लिए एक केंद्रीकृत मंच नया शी-बॉक्स पोर्टल का शुभारंभ किया है।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने गुरुवार को यहां एक समारोह में पोर्टल शी बाक्स का शुभारंभ किया।

उन्होंने इस कार्यक्रम के दौरान मंत्रालय की नयी वेबसाइट का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर महिला और बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नया शी-बॉक्स पोर्टल देश भर में गठित आंतरिक समितियों (आईसी) और स्थानीय समितियों (एलसी) से संबंधित सूचनाओं के केंद्रीकृत भंडार के रूप में कार्य करेगा जिसमें सरकारी और निजी दोनों क्षेत्र शामिल हैं। यह शिकायत दर्ज करने, उनकी स्थिति को ट्रैक करने और आईसी की शिकायत पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए एक साझा मंच प्रदान करेगा।

यह पोर्टल शिकायतों का सुनिश्चित निवारण और सभी पक्षों के लिए सुव्यवस्थित प्रक्रिया प्रदान करेगा।यह नामित नोडल अधिकारी के माध्यम से शिकायतों की वास्तविक समय पर निगरानी करने की सुविधा प्रदान करेगा।

मंत्रालय ने सरकार की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एक विकसित की गई नई वेबसाइट भी शुरू की है।

अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि यह पहल कार्यस्थल से संबंधित यौन उत्पीड़न की शिकायतों का समाधान करने के लिए पहले से अधिक कुशल और सुरक्षित मंच उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सम्पूर्ण भारत में महिलाओं के लिए सुरक्षित और अधिक समावेशी कामकाज का वातावरण बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पोर्टल सुनिश्चित करेगा कि व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक किए बिना सुरक्षित रूप से शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं।

निजी क्षेत्र देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम करे: संजय सेठ

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने उद्योग क्षेत्र के भागीदारों से देश को रक्षा उत्पादन में न केवल पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाने बल्कि एक शुद्ध निर्यातक बनने के लिए काम करने का आग्रह किया।

श्री सेठ गुरूवार को गोवा में पहले स्वदेश निर्मित प्रदूषण नियंत्रण जहाज (समुद्र प्रताप) के लॉन्च के अवसर पर बोल रहे थे। भारतीय तट रक्षक के लिए गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने यह जहाज बनाया है। यह देश के समुद्री तट पर तेल रिसाव को रोकने में मदद करेगा। समुद्र प्रताप को रक्षा राज्य मंत्री उपस्थिति में नीता सेठ द्वारा लॉन्च किया गया।

रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा, यह जानकर खुशी हो रही है कि देश रक्षा जरूरतों के लिए जहाज निर्माण में आत्मनिर्भर बन गया है और अन्य देशों के लिए जहाज बनाना शुरू कर दिया है। प्रमुख भारतीय शिपयार्ड जीएसएल ने 583 करोड़ रुपये की लागत से भारतीय तटरक्षक बल के लिए दो प्रदूषण नियंत्रण जहाजों के निर्माण के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यह पहली बार है कि इन जहाजों का डिजाइन और निर्माण स्वदेशी स्तर पर किया जा रहा है। जहाज को आईसीजी की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा इन-हाउस डिजाइन और निर्माण किया गया है। जहाज की लंबाई 114.5 मीटर, चौड़ाई 16.5 मीटर है और वजन 4170 टन है।

वाइस एडमिरल प्रवीण नायर ने आईएनए कमांडर का पदभार संभाला

कन्नूर, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

वाइस एडमिरल सीआर प्रवीण नायर ने गुरुवार को केरल के एझिमाला में आयोजित एक समारोह में भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए) के नये कमांडर का पदभार संभाला।

आईएनए की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि वह वाइस एडमिरल विनीत मैक्कार्टी का स्थान लेंगे। इससे पहले, बतौर वह फ्लैग ऑफिसर नौसेना के पश्चिमी बेड़े की कमान संभाल रहे थे। फ्लैग ऑफिसर नायर को एक जुलाई 1991 को भारतीय नौसेना में नियुक्त किया गया था। वह एक भूतल युद्ध अधिकारी थे, उन्होंने संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में विशेषज्ञता हासिल की थी। उन्होंने विभिन्न आईएन जहाजों पर सिग्नल संचार अधिकारी के रूप में, फ्लीट इलेक्ट्रॉनिक युद्ध अधिकारी के रूप में और उसके बाद पश्चिमी बेड़े के फ्लीट संचार अधिकारी के रूप में कार्य किया है।

वह 2018 - 2019 तक पूर्वी बेड़े के बेड़े संचालन अधिकारी भी थे। उन्होंने मिसाइल कार्वेट आईएनएस किर्च, गाइडेड मिसाइल विध्वंसक आईएनएस चेन्नई और भारतीय नौसेना के सबसे बड़े युद्धपोत, विमान वाहक आईएनएस विक्रमादित्य की कमान संभाली है। फ्लैग ऑफिसर स्टाफ की नियुक्तियों में नेवल वॉर कॉलेज गोवा में निर्देशन स्टाफ, कार्मिक निदेशालय, नौसेना मुख्यालय में प्रभारी अधिकारी सिग्नल स्कूल और कमोडोर (कार्मिक) शामिल हैं। वह तीन वर्षो से अधिक समय तक नौसेना रणनीतिक और परिचालन परिषद (आईएनएसओसी) के सदस्य भी रहे हैं। जनवरी 2022 में रियर एडमिरल के पद पर पदोन्नति पर, उन्हें नौसेना मुख्यालय में नौसेना स्टाफ (नीति और योजना) के सहायक प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया था।

शिवाजी महाराज की प्रतिमा को नुकसान की जांच के लिए संयुक्त समिति का गठन

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र में सिंधुदुर्ग के राजकोट किले में स्थापित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा को असाधारण मौसम की स्थिति के कारण हुई दुर्भाग्यपूर्ण क्षति की जांच के लिए नौसेना के अधिकारी की अध्यक्षता में महाराष्ट्र सरकार के प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों की एक संयुक्त तकनीकी समिति का गठन किया जा रहा है। नौसेना के प्रवक्ता ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि इस प्रतिमा का अनावरण गत 04 दिसंबर को नौसेना दिवस समारोह के हिस्से के रूप में किया गया था। यह आयोजन पहली बार सिंधुदुर्ग के राजकोट किले में किया गया था। इसका उद्देश्य समुद्री रक्षा और सुरक्षा के प्रति मराठा नौसेना और छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत एवं आधुनिक भारतीय नौसेना के साथ इसके ऐतिहासिक संबंधों का सम्मान करना था। इस परियोजना की परिकल्पना और संचालन नौसेना ने राज्य सरकार के साथ मिलकर किया था। इसके लिए राज्य सरकार ने धन भी उपलब्ध कराया था। नौसेना शिवाजी महाराज की प्रतिमा की मरम्मत, पुनरुद्धार और यथाशीघ्र उसकी पुनःस्थापना के लिए सभी उपायों में सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री जनधन खाता योजना के 10 साल

उत्तर प्रदेश नंबर वन, सर्वाधिक रूपे कार्ड भी जारी किए

लखनऊ, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री जनधन खाता योजना ने बुधवार को दस वर्ष पूर्ण कर लिए। पूरे देश में इन दस वर्षों में अब तक 53 करोड़ से ज्यादा प्रधानमंत्री जनधन खाते खुल-वाए गए हैं। वहीं उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री जनधन खाते खोलने वाले राज्यों में शीर्ष पर है। प्रदेश में 9.46 करोड़ से ज्यादा पीएम जनधन अकाउंट खोले गए हैं, जो देश भर में खोले गए कुल अकाउंट का 18 फीसदी है। सबसे सुखद बात यह है कि इसमें भी लगभग 5 करोड़ पीएम जनधन खाताधारक महिलाएं हैं। वहीं, पीएम जनधन अकाउंट के माध्यम से रूपे कार्ड वितरित करने में भी उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार केंद्र की योजन-ाओं को प्राथमिकता के आधार पर लागू कर रही है, जिसके चलते विभिन्न योजनाओं को लागू करने में यूपी नंबर वन पर है। प्रधानमंत्री जनधन खाता योजना इसी की बानगी है।

उत्तर प्रदेश में विगत दस वर्षों में गरीबों के जनधन खाते खोलने को प्राथमिकता दी गई है, जिसका परिणाम है कि 21 अगस्त तक प्रदेश में कुल 9,46,62,464 लाभार्थियों के जनधन खाते खोले जा चुके हैं। खाता खुलवाने वालों में सर्वाधिक संख्या ग्रामीण और सेमी अर्बन क्षेत्रों की है, जहां 6,81,66,123 लोगों का खाता खोला गया है। इसी तरह शहरी और मेट्रो बैंक ब्रांच के माध्यम से 2,64,96,341 खाते खोलने में सफलता मिली है। प्रदेश में सभी खोले गए जनधन खातों में 21 अगस्त तक कुल मिलाकर 48,525.75 करोड़ रुपए की धनराशि जमा है जो कुल धनराशि का 21 प्रतिशत से ज्यादा है। अन्य राज्यों की बात करें तो यूपी के बाद बिहार का नंबर आता है, जहां 6,06,80,517 खाते खोले गए हैं। वहीं इसके बाद पश्चिम बंगाल (5,18,88,115), मध्य प्रदेश (4,38,81,099), राजस्थान (3,57,41,553), महाराष्ट्र (3,54,81,136) और ओडिशा (2,19,54,863) जैसे राज्यों का नंबर आता है। ताजा आंकड़ों के अनुसार यूपी में रूपे कार्डधारकों की संख्या 6 करोड़ 24 लाख 23 हजार 540 है, जो देश में सर्वाधिक है। बीते वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रदेश में 65 लाख के करीब नए प्रधानमंत्री जनधन अकाउंट खोले गए हैं। इनमें से 91 प्रतिशत से अधिक जनधन खातों के आधार सीडिंग का भी कार्य पूरा हो चुका है।

दरअसल, प्रधानमंत्री जनधन योजना एक राष्ट्रीय मिशन है। इसमें प्रत्येक परिवार के लिए कम से कम एक मूल बैंकिंग खाता, वित्तीय साक्षरता, ऋण की उपलब्धता, बीमा तथा पेंशन सुविधा सहित सभी बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा, लाभार्थियों को रूपे डेबिट कार्ड भी प्रदान किया जाता है, जिसमें एक लाख रुपए का दुर्घटना बीमा कवर भी शामिल है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें। आज आपसे कोई पैसे उधार मांग सकता है पिता का तल्ख़ बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें। इससे आपको फ़ायदा होगा। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे। आपकी बातें आज आपके करीबियों को समझ नहीं आएंगी जिसकी वजह से आप परेशानी महसूस करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अगर आज आप ख़रीदारी के लिए निकलेंगे अपने जीवनसाथी के साथ सही भाषा में बात करना चाहिए । छोटे भाई के साथ आप के रिश्तों में प्रगाढ़ता आएगी। भगवती को गुलाब का फूल अर्पित करें जिससे दिन भर की दिक़्क़तें और मुश्किल से मुश्किल हालात भी आसानी से सुलझाते हुई दिखाई देंगें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आपकी शाम कई जज़्बातों से घिरी रहेगी और इसलिए तनाव भी दे सकती है। लेकिन ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि आपकी ख़ुशी आपकी निराशाओं के मुक़ाबले आपको ज़्यादा आनंद देगी। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, किसी कन्या को मिठाई खिलाए आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आप के घर में आज शाम के वक्त स्वादिष्ट भोजन बन सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएं हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आप बच्चों के साथ में कहीं घूमने–फिरने जा सकते हैं जिससे जीवन में नयी ऊर्जा का संचार होगा आप के व्यक्तित्व मे ऐसा बदलाव देखकर परिवार मे आप का प्रभाव और भी बढ़ जाएगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

लाभ लेने के लिए बड़ों को अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है।
किसी भी चीज़ को अंतिम रूप देने से पहले अपने परिवार की राय लीजिए। महज़ आपका अपना फ़ैसला कुछ दिक़्क़त खड़ी कर सकता है। बेहतर परिणाम पाने के लिए परिवार में तालमेल पैदा करें। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। काम की अधिकता आज आपको मानसिक रुप से परेशान कर सकती है। हालांकि शाम के वक्त थोड़ी देर ध्यान करके आप अपनी ऊर्जा वापस पा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। जीवनसाथी के ख़राब व्यवहार का नकारात्मक असर आपके ऊपर पड़ सकता है। किसी दोस्त की सहायता करके आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं। मंदिर मे नारियल का भोग अर्पित करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए अपना समय बर्बाद करने से बचे । बाहरी लोगों का हस्तक्षेप आपके वैवाहिक जीवन में परेशानी उत्पन्न कर सकता है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी। बंदरों को केला और चना डालें रुका हुआ पैसा आने लगेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने काम के लिए दूसरों पर दबाव न डालें। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। किसी दूर के रिश्तेदार से अचानक मिली ख़बर आपका दिन बना सकती है। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

कई लोग आज आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है । लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे। आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। दिन अच्छा है दूसरों के साथ–साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को खुशी देगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ख़ुद को शारीरिक व्यायाम का मज़ा लेने दें आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर–ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है।
ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं। आपके बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कर सकते हैं यदि आप उनका सहयोग करें तो।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 30 अगस्त 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 02:28 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु सायं 05:56 तक
योग : व्यतीपात सायं 05:46 तक
करण : कौरव दोपहर 02:00 तक
चन्द्रराशि : मिथुन प्रातः 11:34 तक
सूर्योदय : 06:0, सूर्यास्त 06:36 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:36 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:26 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : वत्स द्वादशी–बछ बारस , पूर्वाफाल्गुनी में रवि दोपहर 03:46 से

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कानून व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सशक्त बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : भजनलाल

जयपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कानून व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सशक्त बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा है कि प्रदेश की आठ करोड़ जनता का पुलिस पर विश्वास है और यह इसी विश्वास को कायम रखते हुए राज्य में अपराध को नियंत्रित कर रही है जिससे राजस्थान के शांति प्रिय राज्य के दर्जे को दोबारा कायम किया जा सके।

श्री शर्मा गुरुवार को राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय पुलिस अधिकारियों के सम्मेलन के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने शुरू से ही कानून व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है तथा आगे भी आमजन की अपेक्षा के अनुरूप पुलिस तंत्र को और मजबूत बनाया जाएगा जिससे कानून व्यवस्था सुदृढ़ तथा मजबूत बन सकें। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर इस वर्ष जयपुर में जनवरी में आयोजित हुए अखिल भारतीय डीजीपी–आईजीपी कॉन्फ्रेंस की देश भर में तारीफ की गई। इस कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों की पूर्ण पालना एवं समयबद्ध रूप से मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। इसी दिशा में आज आयोजित हो रहे इस सम्मेलन से प्रदेश में पुलिसिंग की कार्यप्रणाली बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार द्वारा गठन के अगले दिन ही एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स तथा पेपरलीक प्रकरणों को रोकने के लिए एसआईटी का गठन जैसे निर्णय यह दर्शाते है कि राज्य सरकार कानून व्यवस्था का इकबाल बुलन्द करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अपराध का स्वरूप बदल गया है साइबर क्राइम से लेकर संगठित अपराध जैसी चुनौतियों का सामना करते हुए पुलिस को अधिक सशक्त बनकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा प्रदेश में ऑपरेशन एंटीवायरस के तहत साइबर क्राइम को रोकने के लिए अच्छा काम किया जा रहा है। इसे तेज गति देते हुए साइबर क्राइम को पूर्ण समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं में नशे की प्रवृति पर रोकथाम अतिआवश्यक है। साथ ही भ्रष्टाचार पर जीरो टोलरेंस की नीति अपनाते हुए पुलिस निष्पक्ष एवं ईमानदारी से काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस राज्य का सबसे महत्वपूर्ण तंत्र होता है तथा कोई भी राज्य बिना दंड के नहीं चल सकता लेकिन दंड की परिभाषा सुनिश्चित करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कार्मिकों को पुरस्कार तथा अपराधियों पर शिथिलता बरतने वाले पुलिसकर्मियों को चिह्नित करेगी। उन्होंने कहा कि महिला अपराध को कम करने एवं महिला सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएं। उन्होंने आश्वस्त किया कि पुलिस विभाग को किसी भी तरह के साधन–संसाधन में कमी नहीं होने दी जायेगी। साथ ही पुलिस महकमे में महिला संख्या बल को बढ़ाया जायेगा तथा पुलिस भर्ती की जायेगी। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए राजस्थान पुलिस सदैव तत्पर रहती है। राज्य को 'अपराध मुक्त राजस्थान' बनाने के लिए पुलिस निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पुलिस विभाग का मनोबल ऊंचा है तथा मुख्यमंत्री सदैव विभाग को प्रोत्साहित करते रहते है।

इस मौके पर मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि अपराध नियंत्रण में राजस्थान जिस गति से कार्य कर रहा है उससे देश में प्रदेश की अच्छी छवि बनी है। उन्होंने अपराध नियंत्रण के लिए परम्परागत पुलिसिंग को भी बढ़ावा देने तथा नये कानूनों के प्रशिक्षण के लिए पुलिस कार्मिकों को आइगोट मिशन कर्मयोगी जैसे डिजीटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक यू आर साहू ने बताया कि दो दिवसीय राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन में 'पुलिसिंग विद एक्सीलेंस–द वे फॉरवर्ड' थीम पर दर्जनभर सत्र आयोजित होंगे। इनमें न्यू क्रिमिनल लॉ, आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस टूल्स, डीप फेक, साइबर सिक्योरिटी, मादक पदार्थों की स्मगलिंग की रोकथाम जैसे सत्रों का आयोजन किया जायेगा। इससे बेहतर पुलिसिंग का रोडमैप तैयार होगा।

जींद से विधानसभा चुनाव का आगाज करेगी भाजपा

बांगर की धरती से जाटलैंड को साधने का किया जाएगा प्रयास

जींद, 29 अगस्त (एजेंसियां)। बांगर की धरती जींद से भाजपा अपने विधानसभा चुनाव का आगाज करने जा रही है। 1 सितंबर को जींद के एकलव्य स्टेडियम में भाजपा की बड़ी रैली होगी। इस रैली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आने की भी संभावना है। इनके अलावा मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ–साथ केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान, मनोहर लाल समेत छह से ज्यादा केंद्रीय मंत्री आएंगे। भाजपा बांगर की धरती से जाटलैंड के साथ–साथ पूरे प्रदेश को साधने का प्रयास करेगी। रैली के आयोजक पूर्व सांसद संजय भाटिया होंगे।

हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर अभी तक सभी नेता टिकट के लिए भागदौड़ कर रहे हैं। सबसे पहले भाजपा की सूची आने वाली है। 1 सितंबर से पहले भाजपा अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर सकती है। 1 सितंबर को जींद में भाजपा बड़ी रैली करने जा रही है। इस रैली में हर क्षेत्र और हर वर्ग को साधने के लिए भाजपा के दिग्गज मैदान में उतरेंगे। मुख्यमंत्री नायब सैनी प्रदेश में जन आशीर्वाद रैली कर रहे हैं। जींद में अभी तक यह रैली नहीं हुई है। अब चुनावी समय में इस रैली को और बड़े स्तर पर किया जा रहा है। रैली में छह से अधिक केंद्रीय मंत्रियों के साथ–साथ प्रदेश का पूरा नेतृत्व हुंकार भरेगा। भाजपा बांगर की धरती से जाटलैंड को साधने का बड़ा प्रयास करेगी। इस रैली में दुष्यंत चौटाला का साथ छोड़ चुके जजपा के तीन विधायक इसी दिन भाजपा में शामिल हो सकते हैं। इनके अलावा कुछ और बड़े नेता भी शामिल हो सकते हैं। जींद में लगातार दो बार से भाजपा विधायक हैं। जुलाना और उचाना जाटलैंड सीट हैं। वहीं नरवाना सुरक्षित सीट है। इसके अलावा सफीदों में जाटों का भी अच्छा प्रभाव है, इसलिए इन पांचों सीट पर भाजपा की नजर है। इन पांचों सीटों के अलावा भाजपा जींद की धरती से पूरे प्रदेश में सियासी संदेश देना चाह रहा है।

हरियाणा में चुनाव से पहले ईडी की बड़ी कार्रवाई, 834 करोड़ की संपत्ति जब्त

चंडीगढ़, 29 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में चुनाव से पहले ईडी की बड़ी कार्रवाई देखने को मिली है। प्रवर्तन निदेशालय ने अनंतिम रूप से 401.65479 एकड़ में फैली अचल संपत्तियों को जब्त किया है। इसकी कीमत 834.03 करोड़ रुपये बताई जा रही है। अटैच की गई संपत्ति ईएमएआर इंडिया लिमिटेड (501.13 करोड़) और एमजीएफ डेवलपमेंट्स लिमिटेड (332.69 करोड़) से संबंधित हैं। कुर्क की गई संपत्तियां जमीन के रूप में हैं, जो हरियाणा के गुरुग्राम और दिल्ली के 20 गांवों में स्थित है। ईडी ने हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, डीटीसीपी के तत्कालीन निदेशक त्रिलोक चंद गुप्ता, ईएमएएआर एमजीएफ लैंड लिमिटेड और 14 अन्य कॉलोनाइजर कंपनियों के खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की।

एंटी रोमियो अभियान के तहत सात मनचले गिरफ्तार

भरतपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में धौलपुर के कस्बा बाडी थाना क्षेत्र में पुलिस ने शैक्षणिक संस्थानों के आसपास मोटरसाइकिलों से छात्राओं को तंग करने और उन पर फब्तियां कसने वाले सात मनचलों को गिरफ्तार करके उनकी मोटरसाइकिलें जब्त कर ली हैं।

पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि थानाधिकारी शिवलहरी के नेतृत्व में 'एन्टी रोमियो अभियान' के तहत कस्बा बाडी में पुराना बाजार, बटवालपाडा, बालिका विद्यालय के पास एवं तुलसीवन रोड पर स्थित शैक्षणिक संस्थानों के आसपास की गयी कार्रवाई में अन्सार (23), गुलुआ गुर्जर (20), रंजीत गुर्जर (22), बन्टी सिंह गुर्जर (22), दीपक गोयल (19), प्रतीक गोयल (19) और हासिम (20) शान्ति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

बजट के अभाव में नहीं हो पा रहा रेलवे अंडरपास का निर्माण

कैथल, 29 अगस्त (एजेंसियां)। शहर के रामनगर में प्रस्तावित रेलवे अंडरपास का निर्माण बजट नही मिलने से लटक गया है। अब प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लग गई है तो अभी इसके निर्माण के लिए और अधिक इंतजार करना पड़ेगा। बता दें कि इसके निर्माण कार्य के लिए रेलवे ने अनुमति तो दे दी है। परंतु राज्य सरकार की ओर से बजट जारी नहीं हो पाया है। बता दें कि केंद्र सरकार नगर परिषद ने साढ़े चार करोड़ रुपये का बजट का एस्टिमेट सरकार के पास भेजा है, लेकिन बजट नहीं मिला है। अब आचार संहिता लग गई है तो अभी और अधिक इंतजार इसके लिए लोगों को करना होगा।

वर्ष 2022 की फरवरी में फाटक के रेलवे स्टेशन के यार्ड में आने के कारण इसे बंद कर दिया गया था। इस पर रेलवे स्टेशन के समीप स्थित कॉलोनियों के लोगों ने रोष जताया था। इसके बाद उस समय के कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल एवं मुख्यमंत्री नायब सैनी व भाजपा विधायक लीला राम के आग्रह पर रेलवे ने निर्माण को लेकर सर्वे करवाया था। सर्वे के बाद यहां पर फाटक का निर्माण न कर रेलवे अंडरपास निर्माण की फिजिबिलिटी सही पाई गई थी। इसके बाद ही रेलवे ने इस परियोजना के बजट को राज्य सरकार को जारी करने की गुजारिश की थी। अब तक इसके लिए केवल बजट का एस्टीमेट ही भेजा गया है,

लोगों को सांसद नवीन जिंदल से निर्माण की आस

लेकिन यह पास नहीं हो पाया है। इसके पास होने का इंतजार है।

रेलवे फाटक बंद होने के कारण इस समय शहर की 25 से अधिक कॉलोनियों के 30 हजार से अधिक लोगों को समस्या हो रही है। इस फाटक के बंद होने से इन लोगों को दो किलोमीटर का अतिरिक्त रास्ता तय करके अनाज मंडी और कुतुबपुर रोड वाली फाटक से इस पार से उस पार जाना पड़ रहा है। फाटक बंद होने के बाद नई अनाज मंडी, रामनगर, रजनी कॉलोनी, चंदाना गेट, शक्ति नगर, जींद रोड मॉडल टाउन, रेलवे गेट कॉलोनी, वाल्मीकि धर्मशाला बस्ती, भगत सिंह चौक, प्रताप गेट, डकौत बस्ती, भाट बस्ती, रेलवे गेट, भगत सिंह चौक, जनता मार्किट, सब्जी मंडी सहित अन्य कॉलोनी के लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर जेके अरोड़ा ने बताया कि रेलवे स्टेशन के यार्ड में इस फाटक के आने के बाद इसे बंद किया गया था। रेलवे ने यह परियोजना राज्य सरकार को दी है। अभी तक इसका बजट नहीं मिल पाया है।

विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा पर दुष्कर्म का केस दर्ज, एमएलए बोले– साजिश है

जींद, 29 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में चुनाव से पहले विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा पर दुष्कर्म का केस दर्ज किया गया है। विधायक ने इसे साजिश बताया है। नरवाना से विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज हो गया है। इस बारे में पुलिस कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। सूत्रों के अनुसार यह मामला दो दिन पहले ही दर्ज हो चुका है, लेकिन पुलिस मामले को पूरी तरह से दबाए हुए है।

अब खुद विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा ने अपनी सोशल साइट पर लिखा है कि उनके खिलाफ कुछ असामाजिक तत्वों ने मामला दर्ज करवाया है। रामनिवास सुरजाखेड़ा ने लिखा है कि बड़े दुख की बात है कि चुनाव से ठीक पहले मुझे कमजोर करने की साजिश रची गई है। सुरजाखेड़ा ने लिखा है कि राजनीति इतने नीचे स्तर पर गिर जाएगी, कभी सोचा नहीं था। सुरजाखेड़ा ने लिखा है कि मैं अग्निपरीक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हूं। कानून से अपील है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाए। मैं सहयोग के लिए पूरी तरह और हर समय तैयार हूं।

रामनिवास सुरजाखेड़ा ने 2019 में जजपा के टिकट पर जीत हासिल की थी। उन्होंने कुछ दिन पहले पार्टी को अलविदा कह दिया। जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला को इस्तीफा भेजकर उन्होंने लिखा कि पिछले दो साल से पार्टी की गतिविधियां उनकी राजनीति की विचारधारा से विपरीत रही हैं। इससे वह व्यथित होकर सभी पदों, दायित्वों और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं। सुरजाखेड़ा ने इस्तीफे के बाद कहा था कि वह जल्द ही वह भाजपा में शामिल होंगे। उनके साथ कुछ और साथी भी शामिल होंगे।

अपराध रोकने के लिए कटिबद्ध सरकार: यादव

अलवर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा है कि सरकार भिवाड़ी में अपराध रोकने के लिये कटिबद्ध है। श्री यादव ने राजस्थान में अलवर जिले के भिवाड़ी में पिछले दिनों आभूषण विक्रेता के शोरूम पर लूट एवं मालिक जयसिंह सोनी की हत्या के मामले के संदर्भ में गुरुवार को यहां पत्रकारों से कहा कि वह पीड़ित परिवार एवं प्रशासन के सम्पर्क में हैं और सभी आरोपियों को शीघ्र पकड़ने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में कुछ अपराधी पकड़े गये हैं और उनसे मिली जानकारी के आधार पर पुलिस प्रशासन कार्रवाई कर रहा है। श्री यादव ने कहा कि भिवाड़ी में पिछले दिनों हुये घटनाक्रम पर वह निरंतर निगरानी रखे हुये हैं।

12वीं कॉमनवेल्थ यूथ पार्लियामेंट में राजस्थान के युवा करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

जयपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के युवा अभिनव और उदय 12वीं कॉमनवेल्थ यूथ पार्लियामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसियेशन द्वारा न्यूजीलैंड में होने वाले हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव के लिए प्रदेश के दो युवाओं धौलपुर के अभिनव और अजमेर के उदय को नामित किया है जो 12वीं कॉमनवेल्थ यूथ पार्लियामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। श्री देवनानी ने 31 अगस्त से छह सितंबर तक आयोजित होने वाले 12वीं कॉमनवेल्थ यूथ पार्लियामेंट में भाग लेने के लिये दोनों युवाओं को बधाई और शुभकामनाओं के साथ गुरुवार को न्यूजीलैंड रवाना किया।

बारां जिले केलवाड़ा को नगर पालिका गठन करने का निर्णय निरस्त

बारां, 29 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में बारां जिले के केलवाड़ा को नगर पालिका घोषित किये जानें के पूर्व कांग्रेस सरकार के निर्णय को निरस्त कर लिया है। निदेशक एवं संयुक्त सचिव सुरेश कुमार ओला जयपुर द्वारा विभागीय अधिसूचना क्रमांक 10 खंड 2 एवं नगर पालिका अधिनियम 2009 के अधिनियम 18 की धारा 329 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये ग्राम पंचायत केलवाड़ा की सीमा में आने वाले राजस्व ग्राम केलवाड़ा के संपूर्ण सीमा क्षेत्र केलवाड़ा, दाता, छिछरोनी, ख्यावदा, ऊनी, पहाड़ी जागीर, कालोनिया एवं पेनवदा को सम्मिलित करते हुये नवगठित चतुर्थ श्रेणी नगर पालिका केलवाड़ा (बारां) के घोषित आदेश को संशोधित अधिसूचना को तत्काल प्रभाव से प्रत्याहारित किया है।

श्राद्ध पक्ष में कब खरीदें प्रॉपर्टी और वाहन, कब करें गृह प्रवेश

हिंदू धर्म में हर काम को करने से पहले शुभ मुहूर्त देखा जाता है। गृह प्रवेश, मुंडन और विवाह के साथ ही वाहन या प्रॉपर्टी की खरीदी मुहूर्त के अनुसार ही होती है। यहां हम आपको सितंबर माह के शुभ मुहूर्त के बारे में।

सितंबर माह इसलिए अहम है, क्योंकि गणेश–ोत्सव के ठीक बाद 16 दिन के श्राद्ध पक्ष (पितृ पक्ष) लग जाएंगे। पितृ पक्ष में कोई शुभ कार्य नहीं होता है। ये दिन पितरों को समर्पित माने जाते हैं।

मुंडन और विवाह के शुभ मुहूर्त हैं या नहीं

सितम्बर माह 2024 के शुभ मुहूर्त की लिस्ट

नामकरण के शुभ मुहूर्त: सितंबर में नामकरण के कुल 13 मुहूर्त हैं। पं. हर्षित मोहन शर्मा के अनुसार, 04, 05, 06, 08, 09, 13, 15, 18, 19, 20, 22, 23 और 27 सितंबर को शिशु का नामकरण किया जा सकता है।

अन्नप्राशन के शुभ मुहूर्त: 4 दिन अन्नप्राशन के शुभ मुहूर्त हैं। 04, 05, 06 और 16 सितंबर को यह संस्कार हो सकता है।

कर्णवेध के शुभ मुहूर्त: छोटे बच्चों में कर्णवेध के लिए 05, 06, 15 और 16 सितंबर के मुहूर्त हैं।

उपनयन के शुभ मुहूर्त: 04, 05, 06, 08, 13, 14 और 15 सितंबर को उपनयन संस्कार किए जा सकते हैं।

सितंबर महीने में कब खरीदें वाहन और प्रॉपर्टी

वाहन क्रय हेतु शुभ मुहूर्त: 05, 06, 08, 15, 16, 22, 23, 26 और 27 सितंबर

प्रॉपर्टी क्रय हेतु शुभ मुहूर्त: 02, 03, 08, 09, 13, 17, 18, 26, 27, 28 सितंबर

सितंबर माह में कब है सर्वार्थ सिद्धि योग

पं. हर्षित मोहन शर्मा के अनुसार, सितंबर माह में कुल 7 दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहे हैं। ये तिथियां हैं – 07, 09, 14, 19, 20, 23 और 26 सितंबर। वहीं, 23 और 26 सितंबर को अमृत सिद्धि योग बना रहा है।

इन कार्यों के लिए कोई मुहूर्त नहीं

सितंबर माह में विवाह, विद्यारम्भ, मुंडन और गृह प्रवेश का कोई मुहूर्त नहीं है।

इस मंत्र से करें गणेशजी की पूजा

बन जाएंगे बिगड़े काम

हिंदू धर्म में भगवान श्रीगणेश को प्रथम पूज्य माना गया है अर्थात सभी मांगलिक कार्योंथत्र में सबसे पहले श्रीगणेश की ही पूजा की जाती है। श्रीगणेश की पूजा के बिना कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता। जीवन में कभी भी परिस्तिथियां एक सामान नहीं रहती। किसी भी व्यक्ति को जीवन में कभी भी संकट का सामना करना पड सकता है। अत: निम्न स्तुति से भगवान श्रीगणेश का बडी ही सरलता से प्रसन्न किया जा सकता है।

गणपति स्तोत्र :

गणपति: विघ्नराजो लम्बतुन्डो गजानन:।
द्वै मातुरश्च हेरम्ब एकदंतो गणाधिप:।।
विनायक: चारूकर्ण: पशुपालो भवात्मज:।
द्वादश एतानि नामानि प्रात: उत्थाय य: पठेत्।।
विश्वम तस्य भवेद् वश्यम् न च विघ्नम् भवेत् ऋचित्।
विघ्नेश्वराय वरदाय शुभप्रियाय।
लम्बोदराय विकटाय गजाननाय।।
नागाननाय श्रूतियज्ञविभूषिताय।
गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते।।
शुक्लाम्बरधरं देवं शशिवणं चतुर्भुजं।
प्रसन्नवदनं ध्यायेतसर्वविघ्नोपशान्तये।।

सितंबर माह के व्रत–त्यौहार

सितंबर 2024 शुरू होने में बस अब कुछ ही दिनों का समय बाकी रह गया है। हिंदू पंचांग में सितंबर को भादो का माह या भाद्रपद महीना कहा जाता है। वहीं हिंदू पंचांग के अनुसार सितंबर माह में सोमवती अमावस्या, हरतालिका तीज, विश्वकर्मा पूजा, राधा अष्टमी व्रत, विनायक चतुर्थी जैसे कई व्रत–त्योहार आएंगे। ऐसे में पंचांग के अनुसार कौन सा व्रत और त्योहार सितंबर में कब है ये हम आपको बता रहे हैं। आइए जानते हैं सितंबर के महीने में कौन–कौन से बड़े पर्व मनाए जाएंगे।

सितंबर 2024 व्रत और त्यौहारों की सूची

01 सितंबर 2024 दिन रविवार – मासिक शिवरात्रि व्रत

02 सितंबर 2024 दिन सोमवार – सोमवती अमावस्या

06 सितंबर 2024 दिन शुक्रवार – हरतालिका तीज और वाराह जयंती

07 सितंबर 2024 दिन शनिवार – गणेश चतुर्थी और विनायक चतुर्थी

08 सितंबर 2024 दिन रविवार – ऋषि पंचमी

09 सितंबर 2024 दिन सोमवार – स्कंद षष्ठी व्रत

10 सितंबर 2024 दिन मंगलवार – ललिता सप्तमी और ज्येष्ठ गौरी आवाहन

11 सितंबर 2024 दिन बुधवार – राधा अष्टमी व्रत और महालक्ष्मी व्रत आरंभ

14 सितंबर 2024 दिन शनिवार – परिवर्तिनी एकादशी व्रत

15 सितंबर 2024 दिन रविवार – वामन जयंती, ओणम और भुवनेश्वरी जयंती

16 सितंबर 2024 दिन सोमवार – विश्वकर्मा पूजा और कन्या संक्रांति

17 सितंबर 2024, दिन मंगलवार को अनंत चतुर्दशी, पूर्णिमा श्राद्ध, भाद्रपद पूर्णिमा व्रत है।

18 सितंबर 2024 दिन बुधवार – पितृपक्ष की शुरुआत, प्रतिपदा श्राद्ध, चंद्रग्रहण आंशिक और भाद्रपद पूर्णिमा

19 सितंबर 2024 दिन गुरुवार को आश्विन मास प्रारंभ होगा।

21 सितंबर 2024 दिन शनिवार – विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी

24 सितंबर 2024 दिन मंगलवार को कालाष्टमी और मासिक कालाष्टमी मनाई जाएगी।

25 सितंबर 2024 दिन बुधवार – अश्विन कृष्ण नवमी नवमी श्राद्ध, जीवित्पुत्रिका व्रत

28 सितंबर 2024 दिन शनिवार – इंदिरा एकादशी व्रत

29 सितंबर 2024 दिन रविवार – आश्विन कृष्ण द्वादशी द्वादशी श्राद्ध, मघा श्राद्ध, प्रदोष व्रत

30 सितंबर 2024 दिन सोमवार – अश्विन कृष्ण त्रयोदशी, त्रयोदशी श्राद्ध, मासिक शिवरात्रि

शनि की महादशा है बहुत खतरनाक

19 साल तक पल–पल कष्ट झेलता है व्यक्ति

जिस तरह से हर व्यक्ति के कुंडली में शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या जरूर आती है । ठीक उसी तरह शनि महादशा भी आती है। शनि की महादशा व्यक्ति को साढ़ेसाती और ढैय्या से भी अधिक परेशान करती है। इस दौरान व्यक्ति खूब कष्ट पाता है और कई तरह की परेशानियां रहती हैं।

शनि देव की महादशा को इसलिए भी अधिक खतरनाक और कष्टकारी माना जाता है, क्योंकि एक ओर जहां शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव सात तक रहता है और ढैय्या का प्रभाव ढाई वर्ष तक रहता है। वहीं दूसरी ओर शनि महादशा का समय 19 वर्ष होता है। ऐसे में जिस व्यक्ति पर शनि की महादशी चलती है, वह लंबे समय तक कष्ट झेलता है।

शनि महादशा के कारण व्यक्ति के मान–सम्मान में कमी आती है, धन हानि होती है, अपमानित होना पड़ता है, तनाव में वृद्धि होती है, वाद–विवाद होते हैं, कीमती वस्तुएं गुम या चोरी होती हैं।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस सभी समस्याओं को शनि महादशा का संकेत माना जाता है। लेकिन इसी के साथ शनि महादशा के प्रभाव को कम करने के उपाय भी बताए गए हैं।

शनि की महादशा चल रही हो तो शनिवार के दिन पीपल वृक्ष के नीचे सरसों तेल का दीप जलाएं और वृक्ष की तीन बार परिक्रमा करें। साथ ही शनि देव के बीज मंत्र का 108 बार जाप करें।

शनिवार के दिन गरीब या जरूरतमंदों में शनि देव से संबंधित काले रंग की वस्तुएं जैसे उड़द दाल, वस्त्र, कंबल, काला तिल, सरसों तेल आदि का दान करना चाहिए। इन कार्यों से शनि महादशा का प्रभाव कम होता है।

ऋषि पंचमी 8 सितंबर को

जानें व्रत, मुहूर्त एवं महत्व

ऋषि पंचमी हरतालिका तीज के दो दिन बाद और गणेश चतुर्थी के एक दिन यानि भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाई जाती है। इस दिन व्रत रखने से व्यक्ति जन्म–मरण के मुक्त होने और रजस्वा के दोषों से मुक्ति पाने के लिए ऋषि पंचमी का व्रत किया जाता है। महिलाओं के लिए ये व्रत बहुत खास है। जानें ऋषि पंचमी 2024 में कब है, नोट करें डेट, पूजा मुहूर्त और महत्व।

ऋषि पंचमी व्रत 8 सितंबर 2024 रविवार को किया जाएगा। महिलाएं ऋषि पंचमी व्रत के दौरान गंगा स्नान करें तो इसकाफल कई गुना बढ़ जाता है। ऋषि पंचमी पर इस मंत्रों का जाप करना शुभ माना गया है।

कश्यपोत्रिर्भरद्वाजो विश्वामित्रोय गौतम:।
जमदग्निर्वसिष्ठश्च सप्तैते ऋषय: स्मृता:।।
गृह्णन्त्वर्ध्य मया दत्तं तुष्टा भवत मे सदा।।

पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 7 सितंबर 2024 को शाम 05 बजकर 37 मिनट पर शुरुआत होगी और इसका समापन 8 सितंबर 2024 को रात 07 बजकर 58 मिनट पर होगा।

ऋषि पंचमी पूजा मुहूर्त – सुबह 11.03 – दोपहर 01.34

ऋषि पंचमी व्रत का संबंध महिलाओं के मासिक धर्म से भी जुड़ा है। हिंदू धर्म में महिलाओं को महावारी के दौरान धार्मिक कार्य करने की मनाही है। मान्यता है कि अगर महिलाओं से महावारी के समय धर्म से जुड़े कार्य हो जाएं या अनजाने में कोई गलती हो जाए तो ऋषि पंचमी व्रत कर सप्त ऋषि की पूजा करने उन दोषों से मुक्ति पाई जा सकती है।

इस दिन सुबह स्नान कर अपने घर के शुद्ध स्थल में हरिद्रा आदि से चौकोर मण्डल बनाकर उसपर सप्तर्षियों की स्थापन करें और गंध, पुष्प, धूप, दीप तथा नैवेद्यादि से पूजन करें अर्घ्य दें। इसके बाद अकृष्ट (बिना बोयी हुई) पृथ्वी में पैदा हुए शाकादि का आहार करके ब्रह्मचर्य पालन पूर्वक व्रत करें। इस साल सात वर्ष कर के आठवें वर्ष में सप्तर्षियों की सुवर्णमय सात मूर्ति बनवाकर कलश–स्थापन करके यथाविधि पूजन कर सात गोदान और सात युग्मक ब्राह्मण– भोजन कराके उनका विसर्जन कर दें।

बेहद खुशकिस्मत होते हैं वे लोग जिनके शरीर के इन अंगों पर होता है तिल, क्या आप भी..

ज्योतिष शास्त्र में सामुद्रिक शास्त्र को विशेष स्थान दिया गया है। जिस तरह से ज्योतिष शास्त्र व्यक्ति की कुंडली देखकर उसके बारे में काफी कुछ जाना जा सकता है ठीक उसी प्रकार सामुद्रिक शास्त्र में भी व्यक्ति के रंग–रूप, तिल, मोल और निशानों के आधार पर उसके व्यक्तित्व, व्यवहार और भविष्य के बारे में अनुमान लगाया जाता है। ज्योतिष की तरह, सामुद्रिक शास्त्र भी जीवन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देता है। यूं तो शरीर पर कई सारे निशान और तिल होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शरीर पर मौजूद तिल भी व्यक्ति के जीवन में कई संकेत देते हैं? जी हां, आइए जानते हैं शरीर के किन अंगों पर तिल का होना शुभ माना जाता है और इसका हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है।

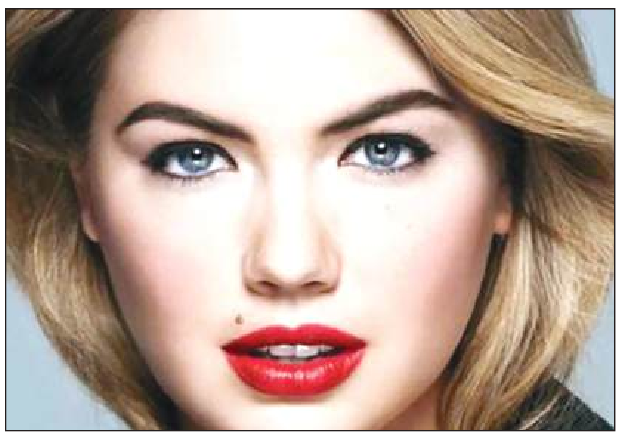

माथे पर तिल – सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, माथे पर तिल होना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा व्यक्ति धन संबंधी समस्याओं से दूर रहता है और अपने जीवन में किसी भी प्रकार की कमी महसूस नहीं करता। यह तिल जीवन में सुख और समृद्धि का संकेत देता है।

नाभि के ऊपर तिल – सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति की नाभि के ऊपर तिल होता है तो ऐसा व्यक्ति बहुत खर्चीला होता है। लेकिन साथ ही वह खूब धन भी कमाता है। उसे कभी भी आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ता। ये लोग हमेशा अपने जीवन में तरक्की करते हैं।

गाल पर तिल – दाएं गाल पर तिल होना बहुत शुभ माना जाता है। यह खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक है और ऐसा व्यक्ति जीवनभर खुशहाल रहता है। इसके विपरीत, बाएं गाल पर तिल का होना शुभ नहीं माना जाता।

सीने के बीचो–बीच तिल – यदि किसी व्यक्ति के सीने के बीचो–बीच तिल होता है तो वह बहुत भाग्यशाली होता है और उसे जीवन में बहुत मान–सम्मान प्राप्त होता है। ऐसे व्यक्ति को किस्मत का धनी माना जाता है।

गले पर तिल – गले के पास तिल होना भी बहुत शुभ और लाभकारी माना गया है। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, ऐसे व्यक्ति जीवन में खूब सारा धन कमाते हैं और सुख–समृद्धि का आनंद लेते हैं।

यहां आज भी गूंजती है जादुई बांसुरी की धुन

दिव्यता और रहस्य का होता है अद्वितीय अनुभव

मथुरा से लगभग 45 किलोमीटर दूर स्थित वंशीवट वह स्थल है, जहां भगवान श्री कृष्ण ने अपनी लीलाएं की थीं। ये स्थान यमुना के किनारे बसा है और यहां श्री कृष्ण ने गायों को एकत्रित करने के लिए अपनी बांसुरी बजाई थी। वंशीवट पर एक विशेष वृक्ष है, जिसके बारे में मान्यता है कि इस पर बैठकर श्री कृष्ण ने गायों को अपनी बांसुरी की धुन से बुलाया था।

ये वृक्ष आज भी मौजूद है और इसकी छांव में कृष्ण की मुरली की धुन सुनाई देती है। इस वट वृक्ष के बारे में कहा जाता है कि इसमें दिव्य ऊर्जा है। श्रद्धालुओं का मानना है कि अगर कान लगाकर सुनें, तो बांसुरी की मधुर तान महसूस की जा सकती है।

ये धुन कृष्ण की मुरली बजाने की निशानी मानी जाती है। आज भी सैकड़ों श्रद्धालु प्रतिदिन वंशीवट पर दर्शन के लिए आते हैं। वे यहां आकर खुद को धन्य मानते हैं और कृष्ण की दिव्यता का अनुभव करते हैं।

इस वट वृक्ष पर ध्यान लगाकर और कान लगाकर बांसुरी की आवाज सुनी जा सकती है। ये आवाज पेड़ में दिव्य ऊर्जा के कारण उत्पन्न होती है।

मध्य प्रदेश से आए श्रद्धालु हरिदास ने भी पुष्टि की कि पेड़ में कान लगाकर बांसुरी की आवाज सुनी जा सकती है। उन्होंने बताया कि भगवान श्री कृष्ण की कृपा से ही ये धुन सुनाई देती है और दर्शन के बाद भक्त कभी खाली नहीं लौटते हैं।

वंशीवट पर दर्शन करने के बाद भक्तों का मानना है कि यहां भगवान श्री कृष्ण के वास की अनुभूति होती है। इस पेड़ की अनूठी धुन और दिव्य अनुभव से श्रद्धालु अपनी आत्मा को संतुष्ट महसूस करते हैं।

ध्वनि भानुशाली की पहली फिल्म कहां शुरू कहां खतम का मोशन पोस्टर रिलीज़

बॉलीवुड के ऑन-स्क्रीन सनसनी के लिए मंच प्रदान करते हुए भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और कठपुतली क्रिएशन्स ने अपने आगामी युवा फैमिली एंटरटेनर फिल्म कहां शुरू कहां खतम का मोशन पोस्टर आज रिलीज किया। इस फिल्म के जरिए पॉप स्टार ध्वनि भानुशाली म्यूजिक से सिल्वर स्क्रीन की ओर रुख कर रहीं हैं। अपने रिकॉर्ड-ब्रेकिंग चार्टबस्टर्स से लोगों का दिल जीतने के बाद, ध्वनि अब फिल्म डेब्यू कर दर्शकों का दिल जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सौरभ दासगुप्ता द्वारा निर्देशित और लुका छुपी और मिमी फेम लक्ष्मण उतेकर और ऋषि विरमानी द्वारा लिखित, यह फिल्म ह्यूमर, हार्ट और अप्रत्याशितता के मोड़ का एक आकर्षक मिश्रण होगा। छावा के साथ, लक्ष्मण उतेकर की कहानी कहने का जादुई अंदाज फिल्म कहां शुरू कहां खतम में एक बार फिर से नजर आयेगा जो यह सवाल पूछता है, क्या अंत वास्तव में शुरुआत है? मस्ती से भरा यह मोशन पोस्टर फिल्म के लीडिंग जोड़ी को दर्शकों से इंट्रोड्यूस करता है जिसमें ध्वनि भानुशाली दुल्हन के अवतार में और उनके साथ आशिम गुलाटी, जिन्हें आखिरी बार जी करदा और मर्डर मुबारक में देखा गया था। उनकी वाईब्रेंट केमिस्ट्री और प्लेफुल टेंशन भरपूर लाइफ एक अरेंज एक्सीडेंटल लव स्टोरी में बदलने लगती है। फिल्म में सुप्रिया पिलगांवकर, राकेश बेदी, सोनाली सचदेव, राजेश शर्मा, अखिलेंद्र मिश्रा, चितरंजन त्रिपाठी, विक्रम कोचर, हिमांशु कोहली और विकास वर्मा जैसे दिग्गज भी शामिल हैं।कहां शुरू कहां खतम लोगों को सरप्राइस और मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार है क्योंकि प्यार हमेशा मोस्ट अन एसपेक्टेड ट्विस्ट के साथ अपना रास्ता खुद खोज लेता है। लक्ष्मण उतेकर की कहां शुरू कहां खतम में ध्वनि भानुशाली और आशिम गुलाटी अहम भूमिका में नजर आयेंगे, सौरभ दासगुप्ता द्वारा निर्देशित यह फिल्म 20 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और कठपुतली क्रिएशन्स प्रोडक्शन की इस यंग म्यूजिकल फैमिली एंटरटेनर फिल्म को विनोद भानुशाली, लक्ष्मण उतेकर, करिश्मा शर्मा और कमलेश भानुशाली द्वारा प्रोड्यूस किया गया है।

सलमान खान और अग्नि का गाना यू आर माइन का टीजर रिलीज

भांजे संग वाइब मैच करते दिखे भाईजान

बॉलीवुड के भाईजान यानि सलमान खान अपनी फिल्मों को लेकर तो सुर्खियों में बने ही रहते हैं। साथ ही उनको पेंटिंग और सिंगिंग का भी काफी शौक है। सलमान खान के गाने की झलक तो आप पहले ही देख चुके हैं, कुछ वक्त पहले सलमान ने अपने हाथ की कलाकारी की झलक भी पेंटिंग में दिखाई थी। अब सलमान खान और उनके भांजे अग्नि के एक गाने यू आर माइनळ का टीजर वीडियो जारी किया गया है। यह गाना इसलिए भी खास है, क्योंकि गाने में सलमान खान पहली बार अपने भांजे अग्नि अग्निहोत्री के साथ नजर आने वाले हैं।सलमान खान ने हाल ही में यू आर माइन का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें भाईजान को उनके भांजे अग्नि के साथ मस्ती करते हुए दिखाया गया है। क्लिप में देखा जा सकता है कि सलमान खान पेंटिंग में बिजी हैं, तभी अग्नि उनके पास आते हैं और मस्ती में उनके आर्टवर्क के बारे में सवाल पूछते हैं। वीडियो देखने से पता चलता है कि सलमान और अग्नि की जोड़ी एक रोमांचक प्रोजेक्ट लेकर आ रही है, जिसे लेकर फैंस काफी उत्साहित नजर आ हैं। सलमान ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर इसका वीडियो भी पोस्ट किया है।सलमान खान का यह वीडियो एक मस्ती भरी बातचीत पर आधारित है, जिसमें अग्नि की रैपिंग और सलमान के हल्के-फुल्के कॉमेंट्स हैं, जो कि देखने में काफी दिलचस्प है। यू आर माइनळ गाने में सलमान खान ने अपनी आवाज दी है और अग्नि ने इसमें रैप किया है। इस गाने के बोल संजीव चतुर्वेदी के साथ मिलकर सलमान खान ने लिखे हैं। गाने को विशाल मिश्रा ने कंपोज किया है। बता दें ति अग्नि ने कुछ वक्त पहले अपना एक और गाना और म्यूजिक वीडियो पार्टी फीवर रिलीज किया था।

अग्नि ने इस गाने को पायल देव के साथ मिलकर गाया था।सलमान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान की अगली फिल्म सिकंदर है। सिकंदर अगले साल यानि ईद के मौके पर 2025 में रिलीज की जाएगी। इस फिल्म में सलमान खान रश्मिका मंदाना के साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला द्वारा प्रोड्यूस किया गया है और एआर मुरुगदास ने डायरेक्ट किया है।

द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल की तैयारी के लिए अर्शिन मेहता ने की कड़ी मेहनत

फिल्म द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल में मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री अर्शिन मेहता ने सुहासिनी भट्टाचार्य की भूमिका के लिए की गई तैयारी के बारे में खुलकर बात की।अर्शिन इसमें बांग्लादेश की एक हिंदू ब्राह्मण लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो अपने देश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों को देखने के बाद भारत के पश्चिम बंगाल में शरण लेती है।अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री ने कई व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना किया।बजरंगी भाईजान से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अर्शिन ने इस बारे में बताया, मैं किरदार में रहना चाहती थी, इसलिए मैंने सुहासिनी की भूमिका को अपनाया, जो एक शरणार्थी है, जिसके पास विलासिता की चीजों की पहुंच नहीं है। मैंने कुर्सियों पर बैठने से परहेज किया और जमीन पर बैठना पसंद किया, किसी से ज्यादा बात न करके अपने किरदार की मानसिकता में रहना पसंद किया। सुहासिनी ने इतने सारे अनुभव किए थे कि वह हमेशा अपने दायरे में रहती थी, और मैंने भी उसी दायरे में रहने की कोशिश की।उन्होंने कहा, मैंने हमेशा अपने दायरे में रहना सुनिश्चित किया। मैं लगातार संगीत सुनती, किसी से बात करने से बचती और शूटिंग खत्म होने के बाद भी चुपचाप घर चली जाती और किरदार की मानसिकता में रहती। सुहासिनी के किरदार को ईमानदारी और प्रामाणिकता के साथ निभाने के लिए मेरे लिए उस दायरे में रहना महत्वपूर्ण था, ताकि लोग उससे सही मायने में जुड़ सकें।अर्शिन की भूमिका उनकी आवाज को बुलंद करती है क्योंकि वह मानवाधिकार परिषद, भारत सरकार और विभिन्न मंत्रालयों को इस तथ्य के प्रति सचेत करने का प्रयास करती है कि भारत में हिंदू भी सुरक्षित नहीं हैं।उन्होंने कहा, वहां पहुंचने पर उन्हें यह जानकर झटका लगा कि बंगाल में हिंदुओं की स्थिति बांग्लादेश जितनी ही खराब है। यह अहसास उनके लिए बहुत बड़ा है, खासकर तब जब उन्हें हिंदू बहुल देश में सुरक्षित रहने की उम्मीद थी।मैं राजकपूर हो गया फेम अभिनेत्री ने आगे कहा, यह फिल्म सुहासिनी की यात्रा को दर्शाती है, जिसमें वह लव जिहाद का शिकार बनने के साथ कई बाधाओं से जूझती है। एक मुस्लिम व्यक्ति उसे शरण देता है, लेकिन यह नहीं बताता कि उसने उसकी जान बख्श दी है, जबकि उसके दोस्तों ने अन्य शरणार्थियों को मार डाला है। सुहासिनी की जीवन यात्रा और न्याय के लिए उसकी लड़ाई फिल्म के केंद्र में है।अर्शिन ने खुलासा किया कि सुहासिनी ने जिस तरह का गहरा आघात सहा, उसके कारण उसका किरदार बेहद गंभीर था।अभिनेत्री ने आगे कहा, उसने अपने परिवार को मरते हुए देखा, जिससे वह गहरे सदमे में चली गई और सामान्य जीवन जीने में असमर्थ हो गई। पूरी फिल्म में कई गंभीर दृश्य थे और भूमिका के साथ न्याय करने के लिए मैं संगीत सुनती रही, जिससे मुझे किरदार में बने रहने और दृश्यों के लिए आवश्यक भावनाओं को बढ़ाने में मदद मिली।यह फिल्म 30 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सीरत कपूर ने ऑफ-शोल्डर मिनी ब्लैक ड्रेस में मचाया धमाल

ग्लैमरस अभिनेत्री सीरत कपूर जो अपने बेहतरीन फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं, ने एक बार फिर इंस्टाग्राम पर तापमान बढ़ा दिया है। अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर अभिनेत्री ने एक ब्लैक मिनी ड्रेस में अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिसने उनके फैंस को दीवाना बना दिया है। इस लेटेस्ट लुक ने उनके फैशनिस्ता के दर्जे को और भी मजबूत कर दिया है, और उनकी इंस्टाग्राम फीड उनके स्टाइल कौशल का प्रमाण है। सीरत को निस्संदेह लोगों का ध्यान आकर्षित करना बखूबी आता है और उनका यह नया लुक भी इसका प्रूफ है- यह निश्चित रूप से आपके दिल को चुरा लेगा।अपने लेटेस्ट पोस्ट में, अभिनेत्री ने मिश्र इंडिया का एक शानदार आउटफिट पहना है जो उनके शरीर को पूरी तरह से कॉम्प्लिमेंट करता है। इस ड्रेस में एक-शोल्डर रफल डिजाइन है और दूसरी ओर एक ऑफ स्लीव है, जो इस आउटफिट को ओवरआल एक शानदार रूप देता है। बॉडीकॉन फिट उनके कर्व्स को निखारता है, जबकि मिनी हेमलाइन उनके लंबे पैरों को हाइलाइट करती है, जिससे यह आउटफिट किसी भी मौके के लिए एक परफेक्ट स्टेटमेंट लुक दे सकता है। एक्सेसरीज़ की बात करें तो उन्होंने इस आउटफिट के साथ लंबे सिल्वर स्टेटमेंट स्टोन इयररिंग्स और एक बड़ा डायमंड फूल के आकार की अंगूठी पहनी है। अपने लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने सिल्वर-स्टैंड की बटरफ्लाई से सजी हाई हील्स पहनी, जिसने उनके पूरे लुक को एक ग्लैम टच दिया।मेकअप की बात करें तो सीरत कपूर ने बोल्ड अप्रोच चुनी। उन्होंने अपनी आँखों को स्मज्ड आईलाइनर, मस्कारा और डिफाइन्ड ब्रो से उभारा, जिससे उनकी निगाहें बेहद आकर्षक लग रही थीं। ब्लश्ड चीक्स और ग्लोइंग हाइलाइटर ने उनके चेहरे को एक अलग चमक दी। उन्होंने लुक को ग्लॉसी लिपस्टिक के शेड से पूरा किया, जो उनके ओवरऑल वाइब को कॉम्प्लिमेंट करता था। उनकी व्हाइट नेल्स ने ऑल-ब्लैक आउटफिट को एक परफेक्ट कॉन्ट्रास्ट लुक दिया। अभिनेत्री ने अपने लंबे कर्ल को साइड पार्टिशन में खुला छोड़ा, जिससे वे खूबसूरती से उनके कंधे पर लहराते दिखे। यह हेयरस्टाइल उनके ग्लैम लुक के साथ पूरी तरह मेल खाता है। ऑल-व्हाइट बैकड्रॉप के सामने पोज करते हुए सीरत कपूर ने उन चेकमेट वाइब्स को बखूबी दर्शाया, जिसमें उन्होंने हर शॉट में आत्मविश्वास से चारों ओर छा गईं। एक ही लुक में बोल्डनेस और एलिगेंस का बैलेंस बनाना सच में प्रेरणादायक है।सीरत कपूर एक सच्ची फैशन आइकन हैं और उनका यह लेटेस्ट लुक स्टाइल में एक मास्टरक्लास देता है उन सभी लड़कियों को जो ऐसे ओउत्फिट्स कभी डेट, बर्थडे या किसी भी खास मौके के लिए यह आउटफिट प्लान कर रही हों, अभिनेत्री सीरत कपूर का यह नया पहनावा परफेक्ट इंस्पिरेशन का स्रोत है। यह बहुत सच है की ब्लैक ड्रेस कभी गलत नहीं हो सकती, खासकर तब जब इसे सीरत कपूर जैसी अभिनेत्री हमे इंस्पिरेशन दे।

मलाइका अरोड़ा ने येलो ड्रेस में दिखाईं कमसिन अदाएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा पिछले लंबे समय से अर्जुन कपूर संग अपने ब्रेकअप को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। हालांकि ब्रेकअप को लेकर ना तो मलाइका अरोड़ा और ना ही अर्जुन कपूर ने अभी तक अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी है। अब इन्हीं चर्चाओं के बीच मलाइका अरोड़ा हाल ही में मुंबई में स्पॉट हुईं, जहां से उनकी तस्वीरें सामने आई हैं। इन फोटोज में एक्ट्रेस बेहद ही खूबसूरत लग रही हैं।

मलाइका अरोड़ा ने येलो कलर का आउटफिट पहना है, जिसमें वह बेहद ही खूबसूरत लग रही हैं।मलाइका अरोड़ा अपनी खूबसूरत स्माइल से फैंस को घायल कर रही हैं। 'छैंया छैंया' गर्ल की ये तस्वीरें आते ही इंटरनेट पर छा गई हैं।मलाइका अरोड़ा अपनी ड्रेस उठाकर चलती नजर आ रही हैं। फोटोज में मलाइका किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही हैं।मलाइका अरोड़ा के नेकपीस पर फैंस की निगाहें टिक गई हैं। फोटोज में मलाइका ने व्हाइट पर्ल का खूबसूरत नेकलेस पहना है।लाइका अरोड़ा किसी प्रिंसेसे से कम नहीं लग रही हैं। फोटोज में मलाइका पैपराजी को अलग-अलग अंदाज में पोज दे रही हैं। मलाइका अरोड़ा डॉगी से प्यार करती नजर आ रही हैं। फोटो में देखा जा सकता है कि एक डॉगी मलाइका को देखते ही उनकी तरफ आने लगता है।मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर के रिश्ते की शुरुआत साल 2019 में हुई थी, दोनों ने 2019 में सोशल मीडिया पर अपना रिश्ता ऑफिशियल किया था।फैंस भी मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर की शादी देखने के लिए बेताब थे। लेकिन बीते दिनों जब दोनों के ब्रेकअप की खबरें आईं तो हर कोई हैरान रह गया था।हालांकि इन ब्रेकअप की खबरों पर अभी तक मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर की तरफ से कोई रिएक्शन नहीं आया है। लेकिन दोनों के पोस्ट्स को देखकर लगता है कि यह कपल अब अलग हो चुका है।

समाजवादी पार्टी की टोपी लाल, कारनामे काले: सीएम योगी

कानपुर में साढ़े सात सौ करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

मुख्यमंत्री योगी ने एक हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया

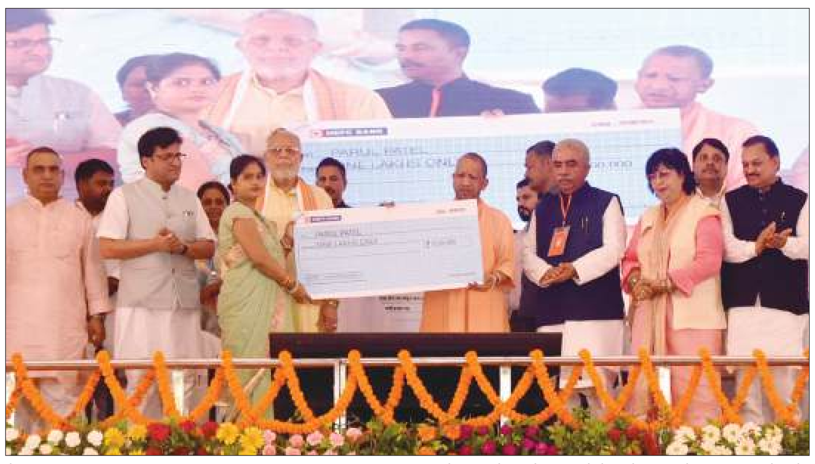

लखनऊ/कानपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के कारनामों से हर कोई परिचित है। पन्नों को उलटेंगे तो काले कारनामों से इनका इतिहास भरा है। समाजवादी पार्टी की टोपी लाल, लेकिन कारनामे काले हैं। यह लोग इतिहास की पुनरावृत्ति कर रहे हैं। गुंडागर्दी, अराजकता, बेटी-व्यापारी की सुरक्षा पर खतरा पैदा करना इनकी पहचान थी। इनका दिखाने वाला और असली चेहरा अलग है। इनकी वजह से सीसामऊ की जनता को उप-चुनाव का सामना करना पड़ रहा है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने गुरुवार को राजकीय इंटर कॉलेज, लाल इमली, चुन्नीगंज में कानपुर वासियों से संवाद किया। इसके पहले सीएम ने साढ़े सात सौ करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने एक हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र, 5027 लाभार्थियों को 191 करोड़ का ऋण और 8087 युवाओं को टैबलेट व स्मार्टफोन वितरित किया। सीएम ने लोकसभा चुनाव में कानपुर से रमेश अवस्थी व अकबरपुर से देवेंद्र सिंह 'भोले' की जीत के लिए आभार जताया।

सीएम योगी ने कहा कि सपा वाले गरीबों की संपत्ति पर कब्जा व दंगे भड़काते हैं। यहां उस दिन दंगे भड़काने की साजिश हो रही थी, जब इसी माटी के सपूत राष्ट्रपति कानपुर आए थे, तब सीसामऊ का सपा विधायक सीसामऊ व कानपुर को दंगे की आग में झोंकने की साजिश कर रहा था। अब वह अपने कृत्यों की सजा भुगत रहा है। जनता-जनार्दन ने जनादेश पांच वर्ष के लिए दिया, लेकिन अब उपचुनाव झेलना पड़ रहा है। जब भी मौका मिलता है तो सपा अराजकता की मंशा को जाया नहीं होने देती।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में सपा नेता निषाद बेटी की इज्जत से खिलवाड़ करता है, लेकिन सपा मुखिया बेशर्म के खिलाफ कार्रवाई की बजाय बेशर्मी से उसका समर्थन कर रहे थे। लखनऊ में एक बेटी पिता के साथ बाइक से जा रही थी, लेकिन बरसात में पानी भरने पर सपा के गुंडे बेटी को गिराने का कार्य करते थे। तब इनके एक नेता ने सदन में कहा था कि सद्भावना ट्रेन चलनी चाहिए, तब मैंने कहा कि माफिया-गुंडों के लिए सद्भावना नहीं, बुलेट ट्रेन चलेगी। सीएम ने कहा कि सपा का तीसरा मॉडल कन्नौज में दिखा। नवाब ब्रांड ही इनकी असली पहचान है। यह अनैतिक तरीके से अर्जित की गई संपत्ति के माध्यम से बेटियों के इज्जत के साथ खिलवाड़ करते हैं। यह आरोपी भी सपा से जुड़ा है। इनके पन्नों को उलटेंगे तो काले कारनामों से इनका इतिहास भरा है। समाजवादी पार्टी की टोपी लाल, लेकिन कारनामे काले हैं।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार सुरक्षा, सुशासन व विकास का मॉडल दिया है। आपका वर्तमान उज्ज्वल और भविष्य की नई आकांक्षा के साथ आगे बढ़े। इस विश्वास के साथ डबल इंजन सरकार प्रदेश में कार्य कर रही है। 2017 के पहले के उत्तर प्रदेश पहचान के लिए मोहताज था। अराजकता-गुंडागर्दी यूपी की पहचान बन चुकी है। त्योहारों के पहले दंगे होते थे। बेटी-व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। प्रदेश में कोई आना नहीं चाहता था, नौजवान यूपी के बाहर जाता था, उसके सामने पहचान का संकट था। पीएम मोदी के आह्वान पर जनता ने 2017 में प्रदेश में भाजपा को जनादेश दिया। साढ़े सात वर्ष में प्रदेश ने लंबी दूरी तय की। विकास, सुशासन, कानून व्यवस्था का मॉडल अब उत्तर प्रदेश तय करता है।

सीएम ने कहा कि लाल इमली कानपुर की पहचान बन चुकी थी, लेकिन यह बंद हो गई है। यह कांग्रेस के बेईमानी व भ्रष्टाचार का स्मारक बन चुका है। नौजवानों को यहां नौकरी व रोजगार मिलना चाहिए था। हजारों लोगों के परिवार का पेट भरा जाना चाहिए था, लेकिन आज वह लाल इमली इनके भ्रष्टाचार का स्मारक बनकर चिढ़ा रही है। हमारी सरकार लाल इमली के पुनरोद्धार के बड़े पैकेज के साथ बढ़ने जा रही है। हमारी सरकार ने सिक यूनिट को पूरी लैंड व पुनरोद्धार के पैकेज का कार्य बढ़ाया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बिना सिफारिश और घूस दिए साढे सात वर्ष में साढ़े छह लाख नौजवानों ने सरकारी नौकरी प्राप्त की। युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को सरकार सीधे जेल में डालती है। उनके बाप-दादा, पुरखों की जमीन जब्त करके गरीबों में बंटवा रहे हैं। युवाओं के नौजवानों के हाथ को काम चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि कानपुर की माटी के लाल सतीश महाना उप्र विधानसभा के अध्यक्ष हैं। 2017 से 2022 तक औद्योगिक विकास मंत्री के रूप में उन्होंने शानदार कार्य किया। पीएम मोदी के विजन के अनुसार उन्होंने कानपुर को डिफेंस मैन्युफेक्चरिंग के नोड के रूप में विकसित करने के कार्यक्रम को बढ़ाने में योगदान दिया। नवंबर 2017 में मैंने कहा कि औद्योगिक निवेश होना चाहिए। उस समय 20 हजार करोड़ का लक्ष्य था, लेकिन कानून व्यवस्था की सुदृढ़ स्थिति की बदौलत इस बार यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

सीएम योगी ने कहा कि दो वर्ष के अंदर दो लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने जा रहे हैं। 60,200 से अधिक नौजवानों के लिए पुलिस भर्ती की प्रक्रिया जारी है। पांच दिन में लिखित परीक्षा हो रही है। परिंदा पर भी नहीं मार सकता। दुस्साहस करने वालों को आजीवन कारावास, एक करोड़ जुर्माना व संपत्ति जब्ती कराएंगे। दो वर्ष के अंदर यूपी पुलिस में एक लाख नौजवानों की भर्ती होने जा रही है। 20 फीसदी केवल बेटियों को भर्ती करेंगे, जिससे सपा से जुड़े उदंड शोहदों की गुंडागर्दी का उपचार बेटियां सड़कों पर करेंगी।

सीएम योगी ने कहा कि निवेश के प्रस्तावों से एक करोड़ से अधिक नौजवानों को नौकरी देने जा रहे हैं। 50 लाख नौजवानों को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, ओडीओपी, पीएम स्वनिधि, पीएम विश्वकर्मा, मुख्यमंत्री विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से स्वतः रोजगार की योजना से जोड़ रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि कानपुर जाम की समस्या से मुक्ति की तरफ बढ़ रहा है। कानपुर मेट्रो सिटी बन चुकी है। पहले सीसामऊ में सीवर का नाला गंगा में उड़ेला जाता था। सीसामऊ हो या जाजमऊ, गंगा की अविरलता का आधार कानपुर बन रहा है। य़ह कभी गंगा की गंदगी का दोषी माना जाता था। सीएम ने कहा कि कानपुर के विकास के लिए सरकार के सबसे वरिष्ठ मंत्री को लगाया है।

सीएम योगी ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश में नए उद्यम लगाकर रोजगार सृजन की कार्रवाई को बढ़ाया है। लखनऊ-कानपुर के मध्य ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस विकास की रफ्तार को तेज करने जा रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ को कानपुर व लखनऊ के बीच से होते हुए प्रयागराज तक जोड़ने जा रहा है। डिफेंस मैन्युफेक्चरिंग कॉरिडोर विकास का आधार बनने जा रहा है।

एक तरफ भाजपा विकास, सुशासन व सुरक्षा का मॉडल दे रही है तो दूसरी तरफ गुंडागर्दी, अराजकता, व्यापारी के सम्मान व बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले सपा व कांग्रेस को रोकना होगा।

कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना, राकेश सचान, नितिन अग्रवाल, अजीत सिंह पाल, प्रतिभा शुक्ला, सांसद रमेश अवस्थी, देवेंद्र सिंह 'भोले', महापौर प्रमिला पांडेय, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, विधायक सुरेंद्र मैथानी, सरोज कुरील, महेश त्रिवेदी, नीलिमा कटियार, अभिजीत सिंह सांगा, राहुल बच्चा सोनकर, विधान परिषद सदस्य सलिल विश्नोई, अरुण पाठक, मानवेंद्र सिंह चौहान, अविनाश सिंह चौहान, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, जिलाध्यक्ष दीपू पांडेय आदि मौजूद रहे।

सपा नेता के कन्नौज कांड में एक और खुलासा

सपा नेता के भाई ने पीड़िता की बुआ को दिए थे 4 लाख

कन्नौज, 29 अगस्त (एजेंसियां)। किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद पूर्व ब्लॉक प्रमुख सपा नेता नवाब सिंह यादव के छोटे भाई नीलू यादव को भी पुलिस ने आपराधिक षड़यंत्र में शामिल होने के आरोप में मुजरिम बनाया है। नवाब सिंह और पीड़िता की बुआ की गिरफ्तारी के बाद वह फरार हो गया था।

एसपी ने नीलू यादव के ऊपर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। उसने पीड़िता की बुआ के खाते में चार लाख रुपए ट्रांसफर किए थे और किशोरी का मेडिकल परीक्षण न कराये जाने तथा कोर्ट में बयान बदलने के लिए 10 लाख रुपए का प्रलोभन दिया था। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने यह जानकारी दी। किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव को 12 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था।

इसके बाद 21 अगस्त को षड़यंत्र में शामिल किशोरी की बुआ को भी पुलिस ने तिर्वा इलाके से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। 12 अगस्त को ही बुआ ने जिला अस्पताल में पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराए जाने के दौरान व्यवधान उत्पन्न किया था और कई अन्य लोगों के नाम लिए थे। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में आरोपी बुआ ने पुलिस को बताया था कि नवाब सिंह यादव के छोटे भाई नीलू यादव ने उसे 10 लाख रुपए का लालच दिया था। उसने इस मामले में कई अन्य लोगों के नाम लेने, पीड़िता का मेडिकल परीक्षण न कराए जाने तथा कोर्ट में उसका बयान बदलने के लिए कहा था। इसके एवज में नीलू यादव ने बुआ के एक परिचित के खाते में चार लाख रुपए भी भेजे थे। पुलिस ने जब इसकी जांच कराई तो रुपए भेजे जाने की बात सही निकली।

प्रयागराज के मदरसे में छापे जा रहे थे जाली नोट

मौलवी और आलिम समेत चार गिरफ्तार

प्रयागराज, 29 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में पुलिस ने नकली नोट बनाने वाले के गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह एक मदरसे में नकली नोट छाप रहा था। वहां 100-100 रुपए के जाली नोट छापे जा रहे थे। पुलिस ने मदरसे में छापा मार कर 1 लाख 30 हजार रुपए के नकली नोट बरामद किए हैं। इस केस में ओड़ीशा के जाहिर खान सहित कुल 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में मदरसे का मौलवी तफसीरुल भी शामिल है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

प्रयागराज जिले के अतरसुइया इलाके में स्थित जामिया हबीबिया मस्जिद-ए-आज़म नामक मदरसे में नकली नोचटों का धंधा चल रहा था। पुलिस को पिछले कई दिनों से यहां पर संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। यहां पर कई बाहरी लोगों का आना-जाना लगा रहता था। पुलिस ने इस मदरसे पर बारीक नजर रखनी शुरू कर दी। जब पुलिस को पुष्टि हो गई कि मदरसे में कुछ गलत धंधा चल रहा है, तब मदरसे पर दबिश दी गई।

पुलिस जब मदरसे के अंदर घुसी तब वहां एक प्रिंटिंग मशीन पर तीन लोग कुछ छापते नजर आए। जांच के बाद पता चला कि तीनों नकली नोटों की छपाई कर रहे थे। इन तीनों से पूछताछ हुई तो इन्होंने इस गैरकानूनी काम में मदरसे के प्रिंसिपल की भी मिलीभगत बताई। 25 वर्षीय प्रिंसिपल का नाम मोहम्मद तफसीरुल है जो पेशे से मौलवी है। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अन्य आरोपियों में 18 वर्षीय मोहम्मद अफ़ज़ल, 18 वर्षीय मोहम्मद शाहिद और 23 वर्षीय जाहिर खान का नाम है।

ज़ाहिर खान उर्फ़ अब्दुल ज़ाहिर मूल रूप से ओड़ीशा का रहने वाला है। वह मदरसे में आलिम है। पढ़ाई के बाद जाहिर मदरसे में ही पढ़ाने लगा था। वहीं हाईस्कूल पास मोहम्मद अफ़ज़ल के अब्बा मोईद अहमद कपड़े की दुकान पर काम करते हैं। कक्षा 8 पास मोहम्मद शाहिद मदरसे में मौलवी बनने आया था लेकिन बाद में वह नकली नोट छापने वाले रैकेट से जुड़ गया। हाईस्कूल पास मौलवी तफसीरुल के अब्बा भी मदरसे में पढ़ाते थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वो पिछले 3 महीनों से नकली नोटों के इस काले कारोबार को संचालित कर रहे थे।

मदरसे की तलाशी ली गई तो वहां से 1 लाख 30 हजार रुपए के नकली नोट बरामद हुए। नकली नोट बनाने के लिए प्रिंटर और अन्य मशीनें ओड़ीशा के भद्रक निवासी अब्दुल ज़ाहिर ने अपने भाई से मंगवाई। ज़ाहिर का भाई भी पहले प्रयागराज में आधार कार्ड बनवाने का काम कर चुका है।

100 रुपए के नोट में लोग ज्यादा जांच पड़ताल नहीं करते, यही सोच कर आरोपियों ने इसे छापना शुरू किया था। अधिकतर नोटों को प्रयागराज के अलग-अलग हिस्सों में दुकानरों को धोखे से दिया जाता था। आरोपियों ने बाजार में कितनी नकली नोट चलाए हैं इसकी जांच पुलिस कर रही है। अनुमानित राशि लगभग 5 लाख रुपए बताई जा रही है। पकड़े गए आरोपी अपने काले कारोबार को चलाने के लिए युवाओं को अपने साथ जोड़ रहे थे। उनको 100 रुपए असली देने पर 300 रुपए नकली दिए जाते थे। अब पुलिस टीमें इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पड़ताल कर रही है। नकली नोट छापने वाले प्रिंटर व अन्य मशीनों को जब्त कर लिया गया है। पुलिस मामले में जांच व अन्य जरूरी कानूनी कार्रवाई कर रही है।

इन सभी आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा सिविल लाइंस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 178, 179, 180, 181 और 182 (1) के तहत कार्रवाई की गई है। इस मामले की जांच के लिए इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की टीम भी पहुंच गई है।

नकली नोट छपाने के लिए गिरोह के बदमाश हाई क्वालिटी स्कैनर और प्रिंटर का इस्तेमाल कर बड़ी पेपर शीट पर प्रिंट निकालते थे। पुलिस पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि प्रिंट निकालने के बाद कटर से कटिंग कर एक-एक नोट को अलग करते थे। असली दिखाने के लिए सिक्योरिटी थ्रेड की जगह हरा टेप चिपकाते थे। आरोपी जाहिर ने बताया कि उसका भाई ओड़ीशा में आधार कार्ड बनाने का सेंटर चलाता है। वह हाई क्वालिटी प्रिंटर और स्कैनर का उपयोग करता है। प्रयागराज आकर उसने भी हाई क्वालिटी प्रिंटर व स्कैनर से नकली नोट बनाना शुरू किया।

पहले असली नोट को स्कैन किया जाता था, फिर फोटो एडटिंग टूल के जरिए इनके नंबर बदलकर बड़ी पेपर शीट पर बल्क में नोट प्रिंट किए जाते थे। इन नोटों को रात में चारों लोग मिलकर कटर से काटकर अलग-अलग करते थे। नोटों को कटर से काटने से पहले धातु के बने एक खांचे को प्रिंटेड शीट पर रखा जाता था।

बहराइच में पकड़ा गया एक और भेड़िया

दो नरभक्षी भेड़ियों की तलाश जारी

बहराइच, 29 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के बहराइच जिले में भेड़ियों का आतंक जारी है। वन विभाग तीन भेड़ियों को पहले ही पकड़ चुका था। चौथा भेड़िया गुरुवार की सुबह पकड़ा गया। वन विभाग ने उसे पकड़ने के लिए प्लानिंग के साथ पिंजड़ा लगाया था। सुबह 11 बजे करीब वह उसमें कैद हो गया। अब तक चार भेड़िए पकड़े जा चुके हैं। जिनमें से दो की मौत गई है। वन विभाग के अनुसार अभी भी दो भेड़िए खुले घूम रहे हैं।

इसके पहले वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना के साथ बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जिन घरों में दरवाजे नहीं हैं, वहां दरवाजे लगवाए जा रहे हैं। इसके लिए सीएसआर समेत अन्य फंड से पैसा दिया जा रहा है। गांवों में रात्रि गश्त किया जा रहा है। आमजन व महिलाओं को भी जागरूक किया जा रहा है। वन मंत्री ने कहा कि भेड़िया प्रभावित गांवों में जिन घरों में शौचालय नहीं है, वहां शौचालय की व्यवस्था कराई जा रही है। गांवों में प्रकाश व्यवस्था के लिए सोलर लाइट लगाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

मंत्री ने बताया कि गांवों में पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात है। गांव में पीएसी भी लगाई जा रही है। उम्मीद है कि जल्द बचे भेड़ियों को पकड़ लिया जाएगा। बैठक में विधायक महसी सुरेश्वर सिंह, बलहा विधायक सरोज सोनकर, डीएम मोनिका रानी, एसपी वृंदा शुक्ला, डीएफओ आकाशदीप बधावन, डीएफओ बहराइच अजीत प्रताप सिंह, कतर्नियाघाट बी. शिवशंकर भी मौजूद रहे। मुख्य वन संरक्षक लखनऊ रेणु सिंह ने कहा कि भेड़िए लगातार हमले कर रहे हैं और कई लोगों की मौत भी हुई है। हमले में पांच मौतें तो पुष्ट हैं, लेकिन दो मौतें संदिग्ध हैं, जिनकी जांच की जा रही है। तीन भेड़िए परेशानी का सबब बने हैं। हमारी टीमें लगी हैं। हम यहां से तब तक नहीं जाएंगे, जब तक सभी भेड़िए पकड़ नहीं लिए जाते।

हरदी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सिसैया चूड़ामणि के मजरा कोलैला निवासी अग्नू की पत्नी मंगलवार नित्यक्रिया के लिए उठी थी। इस दौरान घर का दरवाजा खुला पाकर भेड़िया घर में घुस गया। आहट पाकर घर में सो रहे शंकर की आंख खुल गई और उसने शोर मचाया।

परिवार के अन्य लोग भी उठ गए, जिसके बाद भेड़िया खेतों की ओर भाग गया। सूचना पर उपनिरीक्षक अंजनी राय टीम के साथ मौके पर पहुंचे और भेड़िए की तलाश की, लेकिन वह हाथ नहीं आया। लेखपाल प्रभात अवस्थी ने बताया कि मंगलवार रात ग्राम पंचायत बरूही, ग्राम पंचायत मकरंदा रायपुर के मजरा चौहानपुरवा, दिवानपुरवा व रायपुर नहर के किनारे इब्राहिम की आरा मशीन पर भेड़िया देखे जाने की सूचना मिली। भेड़िया प्रभावित गांवों के ग्रामीणों से बातचीत के दौरान वन मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटना को लेकर बेहद संवेदनशील हैं। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए संदेश दिया है कि सरकार, शासन व प्रशासन पीड़ितों के साथ है। पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। वन मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर मैं स्वयं जिला भ्रमण पर आया हूं।

अयोध्या में जल्द ही राम की पैड़ी पर बनेगी मुंबई के जुहू जैसी चौपाटी

अयोध्या, 29 अगस्त (एजेंसियां)। राम नगरी में रामलला की स्थापना के बाद से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास के विजन को मानों पंख लग गये हैं। अयोध्या में अवस्थापना, पर्यटन समेत विभिन्न प्रकार की सुविधाओं का विकास किया जा रहा है और सभी निर्माण कार्यों की गति में तेजी लायी जा रही है। इसी क्रम में, अब जल्द ही मुंबई के जुहू चौपाटी की तर्ज पर चौपाटी तैयार की कार्ययोजना पर भी कार्य हो रहा है। यह चौपाटी सरयू नदी के किनारे राम की पैड़ी पर बनने जा रही है। उत्तर प्रदेश आवास विभाग ने अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) के प्रस्ताव को मंजूरी देने के साथ ही अब 4.65 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। अयोध्या विकास प्राधिकरण सरयू नदी के किनार राम की पैड़ी के एक सेक्शन को शानदार चौपाटी में परिवर्तित करता चाहता हैं जहां देश व दुनिया से आने वाले सैलानियों के साथ स्थानीय लोग भी स्वच्छता के साथ निर्मित विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का आनंद उठा सकेंगे।

आवास विभाग ने एडीए की इस परियोजना के लिए 04.65 करोड़ रुपए की धनराशि को मंजूरी दे दी है। उल्लेखनीय है कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ गयी है। वर्तमान समय में हर दिन लाखों लोग अयोध्या पहुंच रहे हैं। ऐसे में, योगी सरकार ने कम खर्च में श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक सुविधाओं का लाभ देने की कोशिश कर रही है। इसी क्रम में को चौपाटी के तर्ज पर फूडिंग एरिया को विकसित करने की योजना बनायी गयी है। यहां छोटी-छोटी स्थायी व अस्थायी दुकानें बनायी जाएंगी। इन दुकानों पर अयोध्या के लोकल व्यंजनों के साथ-साथ अन्य विविध प्रकार के व्यंजन भी मिलेंगे। चौपाटी के लिए चिह्नित क्षेत्र का सौन्दर्यीकरण तो किया ही जाएगा, साथ ही स्वच्छता के विभिन्न पहल-ओं का भी खास ख्याल रखा जाएगा, ताकि इधर-उधर गंदगी न फैल सकें। यहां 84 दुकानें व रेस्टोरेंट बनाए जाएंगे।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

भारतीय-अमेरिकी रेसर युवेन सुंदरमूर्ति ने वर्ल्ड वाइड टेक्नोलॉजी रेस-वे में जीता तीसरा स्थान

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय मूल के युवा अमेरिकी रेसिंग स्टार युवेन सुंदरमूर्ति ने 2024 फायरस्टोन इंडी एनएक्सटी सीरीज़ सीज़न में अपना पहला पोडियम फिनिश कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। युवेन ने वर्ल्ड वाइड टेक्नोलॉजी रेस-वे की 11वीं रेस में तीसरा स्थान हासिल किया।

आठवें स्थान से शुरुआत करते हुए सुंदरमूर्ति ने असाधारण दौड़ कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया, और धीरे-धीरे मैदान में आगे बढ़ते गए। 75 लैप्स के दौरान उन्होंने एक मजबूत गति बनाए रखी और प्रभावशाली प्रदर्शन ने उन्हें तीसरा स्थान दिलाया। इस प्रश्न से सुंदरमूर्ति ने सीज़न टैली में 35 मूल्यवान अंक प्राप्त किए।

सीज़न के अपने पहले पोडियम फिनिश पर उत्साहित युवेन सुंदरमूर्ति ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह पोडियम फिनिश मेरी टीम और मुझ पर विश्वास करने वाले सभी लोगों के वर्षों की कड़ी मेहनत, समर्पण और अटूट समर्थन का परिणाम है। 2024 फायरस्टोन इंडी एनएक्सटी सीरीज में पोडियम हासिल करने वाला पहला भारतीय अमेरिकी बनना एक सम्मान की बात है। यह एक ऐसा क्षण है जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। यह परिणाम एबीईएल मोटरस्पोर्ट्स के अथक प्रयासों का प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा कि यह मंच आगे बढ़ने, सुधार जारी रखने और आगामी दौड़ में और भी ऊंचे लक्ष्य रखने की मेरी इच्छा को बढ़ावा देता है।

बारबोरा अमेरिकी ओपन से बाहर हुई

न्यूयॉर्क। चेक गणराज्य की विम्बलडन चैम्पियन रहीं बारबोरा क्रेसिकोवा अमेरिकी ओपन टेनिस के दूसरे दौर में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। बारबोरा को महिला एकल के कड़े मुकाबले में एलेना गैब्रियेला रूसे ने 4-6, 5-7 से हरा दिया। एलेना का मुकबाला अब पाउला बाडोसा से होगा। बाडोसा ने एक अन्य मैच में अमेरिका की टेलर टाउनसेंड को 6-3, 7-5 से हराया। । वहीं महिला वर्ग में गत चैम्पियन कोको गाफ ने टी मारिया को 6-4, 6-0 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया है। अब उनका सामना एलिना स्वितोलिना से होगा।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी के हौंसला बढ़ाने से सर्वश्रेष्ठ पदर्शन की मिलती है प्रेरणा : मनु

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर रिकार्ड बनाने वाली महिला निशानेबाज मनु भाकर ने कहा है कि 2018 राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण जीतने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि उसका भविष्य उज्जवल है और ये बात सही निकली। मनु ने कहा कि प्रधानमंत्री पदक विजेताओं को सम्मान करने के दौरान उनका हौसला भी बढ़ते रहते हैं जिससे खिलाड़ियों को और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। मनु ने खेल दिवस पर पुरानी बातों को याद कर कहा, तब प्रधानमंत्री मोदी ने मुझसे कहा, तुम बहुत युवा हो। तुम इससे भी बड़ी सफलता हासिल करोगी और जब भी तुम्हें किसी चीज की जरूरत हो, तुम मुझसे संपर्क करना। उनके यह शब्द मेरे लिए प्रेरणा बन गये। न केवल सफलता के अवसरों पर बल्कि असफलता के दौर में भी प्रधानमंत्री साथ दिया। जब टोक्यो ओलंपिक में कुछ तकनीकी खराबी के कारण मनु पदक नहीं जीत पायीं थीं जब प्रधानमंत्री ने उन्हें प्रोत्साहित किया और उनकी भविष्य की योजनाओं पर बात की। मनु ने कहा, प्रधानमंत्री ने मुझे आत्मविश्वास से भरे रहने और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने को कहा था। उनकी यह खासियत है कि वह प्रत्येक खिलाड़ी के बारे में हर बात पर नजरें बनाये रखते हैं। प्रधानमंत्री परिणाम की परवाह किए बिना हर एथलीट को प्रोत्साहित करने और उसका समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

न्यूजीलैंड किकेट टीम के गेंदबाजी कोच बने ओराम , भारत दौरे में संभालेंगे जिम्मेदारी

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड किकेट बोर्ड ने अक्टूबर में होने वाले भारत दौरे को देखते हुए पूर्व ऑलराउंडर जैकब ओरम को क्रिकेट टीम का नया गेंदबाजी कोच बनाया है। ओराम सात अक्टूबर को गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। ओरम ने कोच बनाये जाने पर खुश व्यक्त करते हुए कहा, 'मैं टीम के साथ फिर से जुड़ने को लेकर उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, 'एक ऐसी टीम के साथ फिर से जुड़ना जिससे मैंने खेला है और वह मेरे जीवन का एक बड़ा हिस्सा रही है, वास्तव में सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, 'हाल ही में मुझे जो अवसर मिले हैं, उनसे मुझे इस बात का अंदाजा है कि यह टीम किसी ओर जा रही है और मैं आने वाले सत्रों में उस पर काम जारी रखने के लिए तैयार हूं। टीम की गेंदबाजी में नई प्रतिभाएं आ रही हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना करने के लिए तैयार कर सकूंगा।

केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने मेजर ध्यानचंद को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर डॉ. मंडाविया ने पत्रकारों से कहा कि देश के नागरिकों को फिट और स्वस्थ रहना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक स्वस्थ नागरिक एक स्वस्थ समाज का निर्माण करता है और एक स्वस्थ समाज एक समृद्ध देश का निर्माण करता है। मंत्री ने कहा कि सभी नागरिकों को अपने व्यस्त कार्यक्रम से एक घंटा निकालकर अपनी रुचि का कोई एक खेल खेलना चाहिए और फिट रहना चाहिए। उन्होंने कहा, मेजर ध्यानचंद जी की जन्म जयंती को हम राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मना रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सही कहा है कि जो खेलेंगे, वो खिलेंगे। देश के नागरिक स्वस्थ रहें, स्वस्थ नागरिक स्वस्थ समाज का निर्माण करते हैं और स्वस्थ समाज समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है। इससे पहले डॉ. मंडाविया ने सभी नागरिकों से राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में कम से कम एक घंटे के लिए आउटडोर खेलों में भाग लेने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना भारत को एक फिट राष्ट्र बनाना है और उन्होंने नारा दिया है- खेलेगा इंडिया, खिलेगा इंडिया।

यूएस ओपन 2024

युकी भांबरी, श्रीराम बालाजी ने शुरुआती दौर के युगल मैच जीते

न्यूयार्क, 29 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी ने यूएस ओपन 2024 टेनिस टूर्नामेंट में अपने-अपने पुरुष युगल मैचों में जीत दर्ज की है।

युकी भांबरी ने अपने फ्रांसीसी जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी के साथ सीधे सेटों में जीत हासिल की, जबकि एन श्रीराम बालाजी और अर्जेंटीना के गुइडो आंद्रेओज़ी ने बुधवार को कड़े मुकाबले में जीत हासिल कर राउंड ऑफ 32 में प्रवेश किया।

युकी भांबरी और अल्बानो ओलिवेटी ने 77 मिनट में अमेरिका के वाइल्डकार्ड पैट्रिक ट्रहाक और रयान सेगरमैन पर 6-3, 6-4 से जीत हासिल कर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

भांबरी और ओलिवेटी ने शानदार शुरुआत की। इंडो-फ्रेंच जोड़ी ने चौथे गेम में ब्रेक जीता और अपने सभी सर्विस गेम जीतकर पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया। इसके बाद भांबरी-ओलिवेटी की जोड़ी ने दूसरे सेट में अपनी सर्विस पर अपना दबदबा बनाए रखते हुए सेट और मैच अपने नाम किया।

इस बीच, एन श्रीराम बालाजी और गुइडो आंद्रेओज़ी ने न्यूजीलैंड के मार्कस डेनियल और मैक्सिको के मिगुएल एंजेल रेयेस-वेरेला को दो घंटे और 36 मिनट में 5-7, 6-1, 7(12)-6(10) से हराया।

पहला सेट बहुत ही करीबी रहा, जिसमें दोनों जोड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। छठे गेम में, मार्कस और मिगुएल के पास दो ब्रेक पॉइंट थे, लेकिन उन्होंने यह मौका गंवा दिया, क्योंकि सेट 3-3 पर ही रहा। टाई-ब्रेक से ठीक पहले, मार्कस और मिगुएल ने 12वें गेम में ब्रेक जीतकर सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया।

हालांकि, बालाजी और आंद्रेओज़ी ने दूसरे सेट में जोरदार वापसी की। उन्होंने शुरुआती तीन गेम में अपने विरोधियों की सर्विस दो बार तोड़ी और 3-0 से आगे हो गए। आखिरकार उन्होंने सेट 6-1 से जीत लिया और निर्णायक सेट में प्रवेश किया। अंतिम सेट में, बालाजी और आंद्रेओज़ी के पास नौवें गेम में ब्रेक जीतकर मैच को सील करने का शानदार मौका था। हालांकि, जब दोनों मैच के लिए सर्विस कर रहे थे, तो मार्कस और मिगुएल तुरंत ब्रेक करके मैच को टाई-ब्रेकर में ले गए। कड़े मुकाबले वाले टाई-ब्रेक में, बालाजी और आंद्रेओज़ी ने अंततः 12-10 से जीत हासिल की और अगले दौर में प्रवेश किया।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप- शारूक खान 3000 मीटर स्टीपलचेज के फाइनल में

लीमा। भारत के शारूक खान ने यहां विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप की हीट रेस में छठे स्थान पर रहकर 3000 मीटर स्टीपलचेज में राष्ट्रीय अंडर 20 रिकॉर्ड तोड़कर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। 18 वर्षीय खान ने बुधवार देर रात हीट वन में 8 मिनट 45.12 सेकंड का समय लेकर छठा स्थान प्राप्त किया और 31 अगस्त को होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। दोनों हीट रेस में से प्रत्येक में पहले आठ फिनिशर फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। इस स्पर्धा में पहले राष्ट्रीय अंडर-20 रिकॉर्ड राजस्थान के 19 वर्षीय राजेश के नाम था, जिन्होंने मई में भुवनेश्वर में फेडरेशन कप नेशनल सीनियर चैंपियनशिप में 8:50.12 सेकंड का समय लेकर चौथा स्थान हासिल किया था। खान का इससे पहले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 8:51.75 था, जो उन्होंने पिछले साल जून में कोरिया में एशियाई अंडर-20 चैंपियनशिप में रजत पदक जीतते हुए बनाया था। यह उस समय का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी था, लेकिन राजेश ने इसे बेहतर बनाया। एक अन्य भारतीय जय कुमार ने 46.96 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ सेमीफाइनल हीट रेस में तीसरा स्थान हासिल कर पुरुषों की 400 मीटर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। नवनियुक्त आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने गुरुवार को राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर ध्यानचंद की जयंती) के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं।

द विजार्ड के नाम से विख्यात ध्यानचंद ने 1925 से 1949 तक भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व किया और अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान सेंटर फॉरवर्ड के रूप में खेले गए 185 मैचों में 1500 से अधिक गोल किए, जिसमें 1928, 1932 और 1936 में जीते गए तीन ओलंपिक स्वर्ण पदक शामिल हैं। उन्हें 1956 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया और 29 अगस्त को उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

नव निर्वाचित आईसीसी अध्यक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस राष्ट्रीय खेल दिवस पर, मैं हमारे एथलीटों, कोचों और उन सभी लोगों की हार्दिक सराहना करता हूं जिन्होंने अपना जीवन खेलों के लिए समर्पित कर दिया है। जैसा कि हम मेजर ध्यानचंद जी की जयंती पर उनकी विरासत का सम्मान करते हैं, आइए हम भारत को वैश्विक खेल मंच पर एक महाशक्ति बनाने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करें।

इससे पहले मंगलवार को जय शाह को निर्विरोध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का अगला अध्यक्ष चुना गया। शाह, जिन्होंने अक्टूबर 2019 से बीसीसीआई सचिव और जनवरी 2021 से एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है, 1 दिसंबर 2024 को यह प्रतिष्ठित भूमिका ग्रहण करेंगे। आईसीसी की मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, मौजूदा अध्यक्ष ग्रेग बार्कले द्वारा तीसरा कार्यकाल न लेने का निर्णय लेने के बाद शाह अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र नामांकित व्यक्ति थे।

गुजरात बाढ़ के दौरान एनडीआरएफ ने क्रिकेटर राधा यादव को बचाया

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव ने वडोदरा में बाढ़ के कारण खतरनाक स्थिति में फंसने के बाद बचाए जाने पर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के प्रति आभार व्यक्त किया है।

यादव ने इंस्टाग्राम पर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) को उनकी मदद के लिए धन्यवाद दिया। एक वीडियो में, यादव ने अपने आस-पास की बाढ़ के दृश्य साझा किए, जिसमें बचाव कर्मियों को एक बेड़ा पर सवार होकर जलमग्न सड़कों पर चलते हुए दिखाया गया। वीडियो में लोगों को पानी से गुज़रते हुए भी दिखाया गया, जो उनके सामने आने वाली विकट परिस्थितियों को दर्शाता है।

स्थिति की गंभीरता और बचाव दल द्वारा समय पर हस्तक्षेप को उजागर करते हुए यादव ने लिखा, हम बहुत बुरी स्थिति में फंस गए थे। हमें बचाने के लिए एनडीआरएफ का बहुत-बहुत धन्यवाद। गुजरात में हाल ही में आई बाढ़ ने व्यापक तबाही मचाई है, जिसमें 28 लोगों की जान जाने की पुष्टि हुई है और लगभग 18,000 अन्य लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित किया गया है। लगातार हो रही बारिश ने पूरे समुदाय को जलमग्न कर दिया है, जिससे बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण लेकिन महत्वपूर्ण हो गया है। आगामी 2024 महिला टी20 विश्व कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम का अहम हिस्सा रहीं यादव जल्द ही अपना ध्यान क्रिकेट पर केंद्रित करेंगी। टूर्नामेंट 3 अक्टूबर से शुरू होने वाला है, जिसमें भारत को गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, श्रीलंका और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगा। उन्हें आखिरी बार महिला एशिया कप के दौरान खेलते हुए देखा गया था, जहां उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में तीन विकेट लेकर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला था।

जूडो प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दिखाया हुनर

मुरादाबाद , 29 अगस्त (एजेंसियां)। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी प्रेम कुमार ने बताया कि खेल निदेशालय उप्र लखनऊ के निर्देशानुसार स्व. मेजर ध्यान चन्द के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार को बालक/बालिका वर्ग की जूडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

बालिका वर्ग 25 किलोभार में प्रथम तनविका, द्वितीय मायरा, तृतीय मानवी रहीं। प्लस 30 किलो में प्रथम मान्या, द्वितीय स्थान हिमांशी, प्लस 35 किलो में प्रथम स्थान लगन, द्वितीय स्थान कविता व तृतीय स्थान परी और रोनक का रहा। प्लस 40 किलो में प्रथम सुहानी द्वितीय कर्निका तृतीय राधिका व तनवी रही। प्लस 50 किलो में प्रथम स्थान पर लकी, प्लस 55 किलो में प्रथम मुन्नी चौधरी, द्वितीय ख्याति, बालक वर्ग प्लस प्रथम स्थान कार्तिक, द्वितीय रुद्राक्ष हिमांशु द्वितीय आदित्य तृतीय रूद्राक्ष प्लस 30 किलो प्रथम स्थानआयुषमान तृतीय यश प्लस 35 किल प्रथम स्थान अभिनव द्वितीय स्थान अर्थव तृतीय स्थान विराट प्लस 40 प्रथम यश तृतीय, हर्षित अभिनव प्लस 50 किलो प्रथम आयुष द्वितीय अर्पित तृतीय, आशु प्लस 55किलो में प्रथम आदित्य द्वितीय सत्यम तृतीय शुभ दुष्यन्त रहे।

निर्णायक मंडल में रुचि अग्रवाल, प्रिया दिवाकर, निशान्त, पिन्टू सैनी, अंजलि, श्रद्धा रही। प्रतियोगिता का उद्घाटन सुहेल अहमद, सचिव जूडो ब्लाइन्ड पेरानार्मल जूडो संस्था ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। पुरस्कार वितरण क्षेत्रीय क्रीडाधिकारी प्रेम कुमार ने किया। इस अवसर पर सचिन विश्नोई फुटबाल प्रशिक्षक, ललिता चौहान एथलेटिक्स प्रशिक्षक, नेहा हॉकी प्रशिक्षक, मौ आसिफ सिद्दीकी बैडमिन्टन प्रशिक्षक, निशा वालीबाल प्रशिक्षक, सीएल वर्मा, प्रदीप सक्सैना, नरेश पाल आदि उपस्थित रहे।

आतिशी पारी खेलने के बाद मयंक गुसाईं ने कहा- अभ्यास से किया मुमकिन

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में अपने पिछले मैच में शानदार जीत दर्ज करने वाली पुरानी दिल्ली 6 के बल्लेबाज मयंक गुसाईं के अनुसार डेथ ओवरों में छक्के लगाना काफी आसान था। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ ताबड़तोड़ पारी खेलते हुए उन्होंने सिर्फ 12 गेंदों में 40 रन बनाए।

पुरानी दिल्ली 6 ने मंगलवार को नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को 20 रन से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग में अपनी तीसरी जीत दर्ज की थी। पुरानी दिल्ली 6 को 190 रन के आंकड़े तक पहुंचाने में मयंक की पारी ने अहम भूमिका निभाई।

डेथ ओवरों में अपनी बल्लेबाजी को लेकर मयंक ने एक बयान में कहा, छक्के जड़ना मुश्किल नहीं था, मैंने इसके लिए बहुत अभ्यास किया है और मुझे खुशी है कि कल का दिन अच्छा रहा। मैं खुद को एक अच्छा फिनिशर मानता हूं और टीम में भी मुझे यही भूमिका दी गई है। मैं चीजों को सरल रखता हूं और बस गेंद को अच्छे से देखकर उसे मारता हूं।

उन्होंने आगे कहा, हां टीम को वह गति मिल गई है जिसकी हमें सबसे ज्यादा जरूरत थी। सभी लड़के अच्छे फॉर्म में दिख रहे हैं। देखा जाए तो सब कुछ वास्तव में अच्छा चल रहा है, अब हमें बस अगले गेम का इंतजार है।

मैच की बात करें तो अर्पित राणा, 42 (26 गेंद) और सनथ सांगवान ने 47 (28 गेंद) रनों की धुएंधार पारी खेली तो मयंक गुसाईं ने 5 छक्के लगाकर पुरानी दिल्ली 6 को 20 ओवरों में 192 तक पहुंचने में मदद की। वहीं आयुष सिंह ने टीम के लिए पांच विकेट झटके। पुरानी दिल्ली 6 के लिए यह जीत बेहद जरूरी थी। फिलहाल टीम 6 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। उनका अगला मुकाबला आज शाम ईस्ट दिल्ली राइडर्स से होगा।

विराट और रोहित को आराम दिया जाना सही नहीं : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व किकेटर संजय मांजरेकर अपने बयानों के कारण विवादों में रहते हैं। अब मांजरेकर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर ही सवाल उठा दिया। मांजरेकर ने कहा कि जिस प्रकार बोर्ड ने विराट कोहली, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह को दलीप ट्रॉफी से आराम दिया है। वह सही नहीं है। दलीप ट्रॉफी अगले माह 5 सितंबर से शुरु हो रही है और इसमें कई खिलाड़ी खेल रहे है पर विराट , रोहित और बुमराह को इससे बाहर रहने की अनुमति मिली है। मांजरेकर ने सोशल मीडिया में कहा कि देश के अनुभवी खिलाड़ी तकरीबन 60 फीसदी मैच ही खेलते हैं। इसलिए उन्हें घरेलू क्रिकेट में उतरना चाहिए था। उन्होंने कहा , 'भारत ने पिछले 5 साल में 249 मैच खेले हैं। रोहित ने इनमें से 59 फीसदी और विराट ने 61 फीसदी मैच ही खेले हैं। वहीं बुमराह ने तो 34 फीसदी मैच ही खेले हैं। मुझे लगता है कि इन तीनों को ही पर्याप्त आराम मिलता रहा है। इसलिए इन्हें दलीप ट्रॉफी की टीम में चुना जा सकता था।' मांजरेकर के इस पोस्ट के बाद प्रशंसक भी रोहित और विराट के खेलने या नहीं खेलने को दो खेमों में बंट गये। कुछ प्रशंसक ने लिखा कि विराट-रोहित को खेलना चाहिए था तो कुछ ने उनके आराम को सही बताया।

संपादकीय

बेल, फिर भी जेल

देश में लंबे समय से यह मुद्दा चर्चा में रहा है कि आखिर क्यों जमानत मिलने के बावजूद हजारों विचाराधीन कैदी जेलों में अमानवीय जीवन जीने को अभिशप्त हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश की जेलें जरूरत से ज्यादा कैदियों से भरी हुई हैं। जिसमें गरीब व वंचित समाज के लोगों की संख्या ही अधिक है। ऐसे गरीब लोगों की संख्या काफी है, जिनकी कोई जमानत लेने वाला तक नहीं होता। हम न भूलें कि जेलों का मकसद परिस्थितिवश अपराध की गलियों में फिसले लोगों के जीवन में सुधार लाना होता है, सिर्फ दंडित करना ही नहीं। खूंखार व पेशेवर अपराधियों को छोड़ दें, तो विशम हालातों में अपराधों की दुनिया में उतरे लोगों का हृदय परिवर्तन करके एक जिम्मेदार नागरिक बनाना भी जेलों में रखने का मकसद होता है। यही वजह है कि जमानत मिलने के बावजूद जेल के सीखचों के पीछे बंदी जीवन जीने वाले विचाराधीन कैदियों की रिहाई के प्रश्न पर गाहे-बगाहे चिंता व्यक्त की जाती रही है। निस्संदेह, हमारी जेलें कैदियों से खचाखच भरी हैं। उनमें कैदियों की संख्या निर्धारित संख्या से बहुत ज्यादा ही है। एक अनुमान के अनुसार करीब पांच हजार विचाराधीन कैदी जमानत मिलने के बावजूद रिहाई की प्रतीक्शा में हैं। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्देश जारी किए थे। जिसमें अदालतों से बांड और जमानत देने की शर्तों को संशोधित करने पर विचार करने को कहा गया था। शीर्श अदालत ने इस दिशा में संकेत दिया था कि ऐसे कैदियों की सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों पर एक रिपोर्ट तैयार की जाए। जिससे विचाराधीन कैदियों की रिहाई की शर्तों में ढील दी जा सके। निस्संदेह, बदलते वक्त के साथ एक लोकतांत्रिक देश में न्यायिक व्यवस्था का चेहरा मानवीय बनाने की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। वैसे भी न्याय की अवधारणा रही है कि निर्दोश व्यक्ति को किसी भी हालात में अन्याय से बचाया जाना प्राथमिक दायित्व होना चाहिए। इसी आलोक में शीर्श अदालत ने एक बार फिर न्यायाधीशों से कहा है कि वे जीवन की कड़वी हकीकत से आंख नहीं मूंद सकते। इसका अवलोकन स्थिति को अधिक स्पश्ट कर सकता है। अदालत का मानना रहा है कि जमानत देना और उसके बाद अत्यधिक शर्तें लगा देना, कुछ ऐसा ही है कि दाहिने हाथ से किसी को कुछ दिया गया, बाएं हाथ से छीन लिया गया। अदालत ने मानवीय दृश्टिकोण को संस्थागत बनाने की जरूरत पर बल दिया है। दरअसल, जमानत एक नियम है और जमानत से इनकार एक अपवाद है। इस बात को शीर्श अदालत ने हाल के फैसलों में जोरदार तरीके से दोहराया है। यह माना गया कि यदि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिये कोई मामला बनता है तो जमानत दी जानी चाहिए। अब चाहे भले ही किसी व्यक्ति का अपराध गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत ही क्यों न हो। दरअसल, आतंकी कृत्यों को दंडित करने वाले कानूनों को अकसर कठोर कर दिया जाता है। यही वजह कि त्वरित सुनवाई और स्वतंत्रता के हक को पवित्र अधिकार बताते हुए शीर्श अदालत ने यह कहने से कोई परहेज नहीं किया कि निचली अदालतें और उच्च न्यायालय जमानत देने के मामलों में सुरक्शित दृश्टिकोण अपनाने का प्रयास करते नजर आते हैं। शीर्श अदालत ने इस बात को लेकर गंभीर चिंता जताई कि देश की न्याय प्रणाली हर स्तर पर देरी से जूझ रही है। यदि 'तारीख पे तारीख' एक पुरानी खामी है तो जमानत मिलने के बाद विचाराधीन कैदियों के जेलों में बंद रहने का पहलू भी यही है। अदालत का मानना रहा है कि देश में जागरूकता और कानूनी साक्शरता की कमी भी इस संकट को बढ़ाने का ही काम कर रही है। निस्संदेह, शीर्श अदालत का दृश्टिकोण न केवल प्रगतिशील व न्यायपूर्ण है बल्कि देश में व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्शा और नागरिकों को जागरूक करने के गंभीर मुद्दे की ओर भी ध्यान दिलाता है। शीर्श अदालत की हालिया संवेदनशील पहल से देश में करोड़ों लंबित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण और पीढ़ी-दर-पीढ़ी न्याय की आस में बैठे लोगों को न्याय दिलाने की दिशा में गंभीर पहल की उम्मीद भी जगती है।

जमानत मिलने के बावजूद हजारों विचाराधीन कैदी जेलों में अमानवीय जीवन जीने को अभिशप्त हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश की जेलें जरूरत से ज्यादा कैदियों से भरी हुई हैं। जिसमें गरीब व वंचित समाज के लोगों की संख्या ही अधिक है। ऐसे गरीब लोगों की संख्या काफी है, जिनकी कोई जमानत लेने वाला तक नहीं होता। हम न भूलें कि जेलों का मकसद परिस्थितिवश अपराध की गलियों में फिसले लोगों के जीवन में सुधार लाना होता है, सिर्फ दंडित करना ही नहीं। खूंखार व पेशेवर अपराधियों को छोड़ दें, तो विशम हालातों में अपराधों की दुनिया में उतरे लोगों का हृदय परिवर्तन करके एक जिम्मेदार नागरिक बनाना भी जेलों में रखने का मकसद होता है। यही वजह है कि जमानत मिलने के बावजूद जेल के सीखचों के पीछे बंदी जीवन जीने वाले विचाराधीन कैदियों की रिहाई के प्रश्न पर गाहे-बगाहे चिंता व्यक्त की जाती रही है। निस्संदेह, हमारी जेलें कैदियों से खचाखच भरी हैं।

भारत इस पूरे इलाके में नदी के जलस्तर की लगातार निगरानी करता है

बाढ़ को लेकर बांग्लादेश की शरारत

प्रमोद भार्गव

भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने में कुछ ताकतें पूरा जोर लगा रही हैं। पहले पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में मिली शरण को लेकर तो अब बांग्लादेश में आई बाढ़ के पीछे भारत की भूमिका इतनी उग्रता के साथ बताई गई कि सीमा पर भारतीय सैन्य बलों की तरफ से गोलीबारी की अफवाहें तक सोशल मीडिया पर फैला दी गई। इसे लेकर वहां रह रहे हिंदुओं में तनाव इतना बढ़ गया कि ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने जब अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की तो यह अफवाह भी उड़ा दी गई कि उच्चायुक्त को तलब किया गया है।

मुस्लिम देश पाकिस्तान हो या बांग्लादेश सांप्रदायिक सोच की गिरफ्त में इतने हैं कि भारत पर कैसे आक्शेप लगाए जाएं, इसका अवसर तलाशने में लगे रहते है। भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने में कुछ ताकतें पूरा जोर लगा रही हैं। पहले पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में मिली शरण को लेकर तो अब बांग्लादेश में आई बाढ़ के पीछे भारत की भूमिका इतनी उग्रता के साथ बताई गई कि सीमा पर भारतीय सैन्य बलों की तरफ से गोलीबारी की अफवाहें तक सोशल मीडिया पर फैला दी गई। इसे लेकर वहां रह रहे हिंदुओं में तनाव इतना बढ़ गया कि ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने जब अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की तो यह अफवाह भी उड़ा दी गई कि उच्चायुक्त को तलब किया गया है। आखिरकार भारतीय विदेश मंत्रालय को दो बार आगे आकर अफवाहों का खंडन करना पड़ गया।

विदेश मंत्रालय ने स्पश्ट किया है कि भारत के इलाके में स्थित बांध के द्वार खोलने की वजह से बांग्लादेश में बाढ़ के हालात बद्तर नहीं हुए है। दरअसल वहां के मीडिया ने यह सूचना दे दी की भारत में त्रिपुरी के गुमती नदी पर बने दुम्बुर बांध के द्वार खोल दिए गए है, जिससे बांग्लादेश के पूर्वी इलाके में बाढ़ आ गई। जबकि तथ्यात्मक सच्चाई यह है कि बांग्लादेश के जिस क्शेत्र में बाढ़ आई हुई हैं, वहां से दुम्बुर बांध की दूरी 120 किमी से भी ज्यादा है। यही नहीं यहां जो बिजली बनाई जाती है, उसमें से 40 मेगावाट बिजली बांग्लादेश को दी जाती है। भारत इस पूरे इलाके में नदी के जलस्तर की लगातार निगरानी करता है। 21 अगस्त के बाद जो मूसलाधार बारिश त्रिपुरा और इस नदी के जल संग्रह क्शेत्र में हुई है, उसकी सूचना निरंतर बांग्लादेश को दी जाती रही है। 21 अगस्त 2024 को श्याम तीन बजे भी सूचना दे दी गई थी। इस क्शेत्र में विडंबना यह भी है कि भारत व बांग्लादेश के आर-पार जाने वाली 54 नदियां हैं। इन पर द्विपक्शीय संबंधों में नदियों के जल बंटवारें की भी बड़ी अहमियत है। तीस्ता नदी के जल बंटवारें को लेकर भी कई बार शेख हसीना से द्विपक्शीय वार्ताएं हुई हैं, लेकिन परिणाम तक नहीं पहुंच पाए। इन

सब कारणों के संदर्भ में विदेश मंत्रालय का कहना है कि 'यह बिल्कुल गलत है कि बाढ़ नदी के द्वार खोलने की वजह से आई है। बाढ़ दोनों देशों के बीच एक साझा समस्या है, इससे दोनों देशों की जनता को परेशानी झेलनी पड़ती है। अतएव हर साल पैदा होने वाली इस समस्या से छुटकारे के लिए आपसी सहयोग से काम लेना होगा।'

भारी बारिश के चलते पूर्वोत्तर के राज्य त्रिपुरा में भीशण बारिश से ज्यादातर नदियां बाढ़ के पानी से लबालब है। 1900 जगह भूस्खलन हुआ है, जिसके चलते 17 लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और करीब एक दर्जन लोग मारे गए हैं। हजारों लोगों को 330 राहत शिविरों में शरण दी गई है। भूस्खलन से अनेक जगह सड़क संपर्क बाधित हो गया है। पश्चिमी त्रिपुरा और सिपाहीजला जिला सर्वाधिक बाढ़ की चपेट में है। त्रिपुरा के पड़ोसी राज्य मिजोरम की राजधानी आइजोल और कोलासिब का भी बुरा हाल है। सेना और एनडीआरएफ लगातार पानी में फंसे लोगों को निकाल रहे हैं। असम रायफल्स की चार टुकड़ियां इस काम में लगी हुई हैं। अतएव भारत खुद बाढ़ की चपेट में हैं। इस बाढ़ का प्रमुख कारण बांध के नीचे की ओर बढ़े जलग्रहण क्शेत्रों में पानी भर जाने के कारण आई है। वैसे भी दुम्बुर बांध 30 मीटर से भी कम ऊंचाई का बांध है। अतएव बांध की जलग्रहण क्शमता बहुत अधिक नहीं है। बांग्लादेश में बाढ़ से हालात खराब होने का एक बड़ा कारण वहां की सेना और राहत दलों द्वारा व्यापक पैमाने पर कोई कदम नहीं उठाना भी रहा है। दरअसल बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से ही कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब है। अंतरिम सरकार की तरफ से बार-बार निर्देश जारी किए जाने के बाबजूद ढाका व कुछ शहरों के ग्रामीण इलाकों के ज्यादातर पुलिस थाने अभी भी खाली पड़े हुए हैं। भीड़ का निशाना बनने के डर से पुलिसकर्मी ड्यूटी पर नहीं आ रहे हैं। ऐसी विशम स्थिति में भारतीय उच्चायुक्त भी अपने कार्यालय और परिसंपत्तियों को बचाने की चिंता में है। जबकि यह मुद्दा प्रणय वर्मा महोम्मद यूनुस के समक्श उठा चुके है। साफ है, यूनुस ने भारत को महत्वपूर्ण पड़ोसी देश बताकर स्थानीय कट्टरपंथियों को नसीहत जरूर दी है, लेकिन भारत विरोधी अराजक तत्वों पर लगाम लगाने में अंतरिम सरकार सफल होते नहीं दिख रही है। इससे यह भी आशंका होती है कि जब भारतीय उच्चायुक्त ही संकट में है। तो इस बात पर कैसे संतोश कर लिया जाए कि वहां रहने वाले हिंदू अल्पसंख्यक सुरक्शित और भयमुक्त हैं ?

भारत एवं बांग्लादेश के बीच बहने वाली नदियों के जल बंटवारे को लेकर समझौते की बातचीत 25 वर्श से चल रही है। शेख हसीना और नरेंद्र मोदी की 2022 में परस्पर हुई बातचीत के बाद कुशियारा नदी के संदर्भ में अंतरिम जल बंटवारा समझौते पर हस्ताक्शर भी हो गए हैं। 1996 में गंगा नदी जल-संधि के बाद इस तरह का यह पहला समझौता है। इसे अत्यंत महत्वपूर्ण समझौता माना गया है। यह भारत के असम और बांग्लादेश के सिलहट क्शेत्र को लाभान्वित करेगा। 54 नदियां भारत और बांग्लादेश की सीमाओं के आरपार जाती हैं और सदियों से दोनों देशों के करोड़ों लोगों की आजीविका का मुख्य साधन बनी हुई हैं। इन नदियों के किनारों पर मानव सभ्यता के विकास के साथ सृजित हुए लोक गीत और लोक कथाएं, धर्म एवं संस्कृति की ऐसी धरोहर हैं, जो मानव समुदायों को लोक कल्याण का पाठ पढ़ाने के साथ नैतिक बल मजबूत बनायें रखने का काम करती हैं। बावजूद दोनों देशों के बीच बहने वाली तीस्ता नदी के जल बंटवारे को अंतिम रूप अब तक नहीं दिया जा सका है।

दृश्टि कोण

गांवों की खुशहाली का पैमाना अलग है

जो दिखावापन कभी शहरी जिंदगी का हिस्सा माना जाता था, वह अब गांवों में भी दिखने लगा है। गांव समाज में जैसे-जैसे दिखावा करने की आदत बढ़ रही है, वैसे-वैसे असली जीवन की मासूमियत भी गायब होती जा रही है। जीवन-शैली में आया यह बदलाव जहां बाजारवाद को बढ़ावा दे रहा है, वहीं पर कृशि आधारित भारतीय जीवन-शैली, जो स्वदेशी, शाकाहार, स्वावलंबन, स्वसंस्कृति पर आधारित रही है, को विकृत करता जा रहा है। गांवों की जीवन-शैली पर इस बाजारू व्यवस्था ने ऐसा असर डाला है कि अब लगता ही नहीं कि ये वही भारतीय गांव हैं, जहां इंसानियत का एक अलग रूप दिखाई पड़ता था। शहरीकरण की वजह से भाईचारा, खुशमिजाजी और हंसी के फुहारों में सराबोर चौपालों की शामें अब शायद ही किसी गांव में दिखाई पड़ें। वैश्वीकरण के बाद पिछले 40 वर्शों से शहरों और गांवों में बाजारीकरण के कारण जो गैर-बराबरी बढ़ रही है, उसने गांवों के असली विकास पर सवाल पैदा कर दिया है। आज गांवों में जो विकास दिखता है, वह विकास नहीं, बल्कि बाजारीकरण की मजबूत होती पैठ है। यही उपभोक्तावाद है। एक सर्वेक्शण के मुताबिक, ग्रामीण इलाकों में पिछले 1993-94 से 2012 के दौरान उन ऐशो-आराम की वस्तुओं का उपभोग तेजी से बढ़ा, जो अमूमन शहरी अमीरों के पास हुआ करती थीं। मसलन, जिन गांवों में साइकिल या अपवाद स्वरूप मोटर साइकिल हुआ करती थी, वहां कारें दौड़ने लगी हैं। आंकड़ों के मुताबिक, 1993-94 से 2012 के बीच कार रखने वालों का प्रतिशत 12 से बढ़कर 40 हो गया। दोपहिया वाहनों की संख्या में पांच गुना से अधिक की बढ़ोतरी हुई। यानी गांवों में भी ऐशो-आराम की जिंदगी जीने वालों की संख्या पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ी है। इससे यह धारणा बननी शुरू हो गई है कि उपभोग के मामले में गांव शहरों को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। लेकिन यह विकास गांवों में बाजार की घुसपैठ का नतीजा है। आंकड़ों की जादूगरी में मन को उलझा देने से असलियत दब जाएगी। इसलिए देखना यह है कि सर्वे रिपोर्ट किस मूल बात को प्रकट करने में चूक

गई है। दरअसल, गांवों के असली हालात का सर्वे रिपोर्ट में खुलासा ही नहीं किया गया है। आज भी भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृशि ही है। गांवों में रहने वालों में 95 प्रतिशत लोग खेती से ही जीविकोपार्जन करते हैं। और इन खेती करने वालों में 85 फीसदी लोग सीमांत या छोटे किसान हैं। इन 85 प्रतिशत लोगों के पास दोपहिया वाहन नहीं हैं और कार खरीदने का तो सवाल ही नहीं उठता है। गांवों में जिनके पास चार पहिया या दोपहिया वाहन हैं, वे बड़े किसान कहे जाते हैं। यानी गांवों में जो उपभोग की वस्तुएं खरीदते हैं, उनकी तादाद 20 प्रतिशत से भी कम ही है। इसलिए पंद्रह प्रतिशत लोगों द्वारा उपभोग की जा रही वस्तुओं के आंकड़ों से गांवों की खुशहाली का अनुमान लगाना उचित नहीं है। निश्चित रूप से गांव का गरीब अब आधुनिक विकास की दौड़ में शामिल होना चाहता है, लेकिन पैसे की कमी के चलते वह इस दौड़ में शामिल नहीं हो पा रहा है। बाजारीकरण के बाद निश्चित रूप से गांव की तस्वीर बदली है, लेकिन यदि विकास से इसे जोड़ा जाए, तो महज 20 प्रतिशत यानी बड़ी जोत वाले किसानों का विकास हुआ। गांव में बड़ी जोत वाले किसानों के पास ही संपत्ति, जायदाद और व्यापार की मोटी कमाई है। यानी मलाई वही वर्ग छान रहा है, जिसकी जमीन पर बिना जोत वाले किसान काम करते हैं। एक आंकड़े के मुताबिक, देश के 11 करोड़ से ज्यादा किसानों के पास अपनी जमीन नहीं है। पंजाब को सबसे संपन्न प्रांत माना जाता रहा है, लेकिन कर्ज में डूबकर आत्महत्या करने वाले किसानों की तादाद वहां सबसे ज्यादा है। एनएसएसओ की सर्वे रिपोर्ट बताती है कि गांवों में आजादी के लंबे अंतराल के बाद भी दस प्रतिशत ऐसे लोग हैं, जिनके पास खर्च करने के लिए बमुश्किल से दस रुपये भी नहीं होते हैं। इस लिहाज से देखा जाए, तो उपभोग और विकास के अंतर्संबंधों में कोई तालमेल नहीं दिखाई पड़ता है।

कुछ अलग

पश्चिमी देशों की चमक-दमक का स्याह सच

आज सबसे धनी, विशेशकर पश्चिमी देशों के प्रति युवाओं में जबरदस्त आकर्शण है। अनेक युवाओं को लगता है कि किसी भी तरह यदि वहां पहुंच जाएं तो जिंदगी संवर जाएगी। यहां तक कि कभी-कभी वे और उनके परिवार इसके लिए जमीन-जायदाद तक बेचने को तैयार हो जाते हैं। इतना ही नहीं, अवैध रास्तों से और गैर-कानूनी तौर-तरीकों के साथ तरह-तरह के जोखिम उठाते हैं। उनकी इस आकांक्शा को निरंतर हवा देने के लिए एजेंटों और दलालों की एक पूरी फौज खड़ी कर दी गई है, जो करोड़ों कमा रही है। इस स्थिति में यह आवश्यक हो जाता है कि अति धनी, विशेशकर पश्चिमी देशों के विशय में संतुलित जानकारी प्राप्त की जाए। इसमें कोई संदेह नहीं कि संयुक्त राज्य अमेरिका (संक्शेप में अमेरिका), कनाडा, जर्मनी, ब्रिटेन जैसे देशों की प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है और वहां शहरों की चकाचौंध भी बहुत अधिक है। पर इस चकाचौंध का एक दूसरा पक्श भी है, जिसे जानना चाहिए। सबसे धनी देश अमेरिका की ही बात करें तो वहां के नीचे के 50 प्रतिशत लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का 2 प्रतिशत से भी कम हिस्सा है। राश्ट्रीय बजट का बड़ा हिस्सा सैन्य खर्च पर जाता है। एक वर्श में 880 अरब डॉलर सैन्य खर्च का सरकारी आंकड़ा है, जबकि इससे कई सैन्य खर्च छूट जाते हैं। अरबन इंस्टीट्यूट के अनुसार, 40 प्रतिशत लोगों के लिए किसी न किसी जरूरत के खर्च को जुटाने में कठिनाई है। किराए पर रहने वाले अधिकांश परिवारों के लिए भी कठिनाई है। लगभग साढ़े छह लाख बेघर लोग हैं। एक वर्श में 37 लाख लोगों को किराए के घर से जबरन हटाया जाता है। अमेरिका में 50 प्रतिशत विवाहों का अंत तलाक से होता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार (यूथ रिस्क बिहेवियर सर्वे) के अनुसार हाई स्कूल के 42 प्रतिशत छात्र प्रायः दुखी और निराश स्थिति में पाए गए, जबकि एक वर्श में इनमें से 10 प्रतिशत ने आत्महत्या का प्रयास किया। यदि केवल छात्राओं के आंकड़े देखें तो 57 प्रतिशत दुखी और निराश पाई गईं, जबकि 13 प्रतिशत ने एक वर्श में आत्महत्या का प्रयास किया। 18 प्रतिशत छात्राओं ने यह भी कहा कि उनसे यौन हिंसा या जबरदस्ती का कोई न कोई प्रयास एक वर्श में किया गया। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े डॉक्टरों के संगठन बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में आपात स्थिति घोशित करने के बारे में कह चुके हैं। यूथ रिस्क बिहेवियर सर्वे के जो चौंकाने वाले आंकड़े ऊपर दिए गए हैं, वे हर कुछ वर्श बाद के सर्वेक्शण के बाद एकत्र किए जाते हैं और पिछले लगभग एक दशक से बढ़ते ही जा रहे हैं, जबकि हर सर्वेक्शण के वक्त स्थिति सुधारने के प्रयास करने के बारे में कहा जाता है। चाहे घरेलू हिंसा को देखें या यौन अपराधों को या अन्य तरह की हिंसा को, संयुक्त राज्य अमेरिका के आंकड़े डराने वाले हैं। यदि जनसंख्या में कैदियों के प्रतिशत को देखें तो विश्व के प्रमुख देशों में यहां का प्रतिशत सबसे अधिक है। सामाजिक स्तर पर भेदभाव को देखें तो अश्वेतों और प्रवासियों को कई तरह का अन्याय सहना पड़ता है। बारबारा एहरनरिच नामक विख्यात महिला पत्रकार ने इस स्थिति को राश्ट्रीय स्तर पर दर्शाने के लिए स्वयं कम मजदूरी वाले तीन रोजगार कुछ सप्ताहों के लिए किए और अपने अनुभवों के आधार पर 'निकेल एंड डाइम्ड' नामक पुस्तक लिखी जिससे पता चलता है कि निचले स्तर जैसे सफाईकर्मी या वेटर के स्तर पर किसी महिला मजदूर को कितनी कठिन जिंदगी गुजारनी पड़ती है। अतः बेहतर होगा कि किसी बाहरी चकाचौंध के चक्कर में रहने के स्थान पर हमारे युवा धनी पश्चिमी देशों के बारे में संतुलित दृश्टिकोण प्राप्त करें। कहीं ऐसा न हो कि वहां जाकर नीचे की श्रेणी में उन्हें अन्याय सहना पड़े।

देश दुनिया से

राजनेताओं से मुक्त पुलिस ही दिलाएगी इंसाफ

आरोप-प्रत्यारोपों का राजनीतिक खेल चला हुआ है, जिसमें पुलिस फुटबॉल की तरह बनी हुई है। अब जबकि जनता के भारी दबाव के बाद, जांच सीबीआई को सौंपी जा चुकी है, तो सूबा सरकार पड़ताल कुछ ही दिनों में पूरी करने की मांग करने लगी है। खुद को राजनीतिक नुकसान से बचाने के लिए, इसके सदस्य आरोपियों के लिए मौत की सज़ा की मांग करने के लिए सड़कों पर उतर आए। कोलकाता बलात्कार-हत्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए तीखी टिप्पणियां की हैं। इसने राज्य सरकार को एक नोटिस भेजा है और एक कार्य बल का गठन किया है जो अस्पतालों में सुरक्शा की समीक्शा करने के बाद सुधार के उपाय बताएगा, और कुछ अन्य सुझाव अपनी तरफ से भी दिए हैं।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक युवा प्रशिक्शु डॉक्टर की बलात्कार एवं हत्या ने न केवल पश्चिम बंगाल में बल्कि समूचे देश में रोश एवं उद्वेलन पैदा किया। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल और पुलिस पर इस जघन्य अपराध की जांच में तेजी न लाने का आरोप लगा है। केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार और राज्य सरकार एक-दूसरे पर आरोप लगाने में लगे हैं। आरोप-प्रत्यारोपों का राजनीतिक खेल चला हुआ है, जिसमें पुलिस फुटबॉल की तरह बनी हुई है। अब जबकि जनता के भारी दबाव के बाद, जांच सीबीआई को सौंपी जा चुकी है, तो सूबा सरकार पड़ताल कुछ ही दिनों में पूरी करने की मांग करने लगी है। खुद को राजनीतिक नुकसान से बचाने के लिए, इसके सदस्य आरोपियों के लिए मौत की सज़ा की मांग करने के लिए सड़कों पर उतर आए। कोलकाता बलात्कार-हत्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए तीखी टिप्पणियां की हैं। इसने राज्य सरकार को एक नोटिस भेजा है और एक कार्य बल का गठन किया है जो अस्पतालों में सुरक्शा की समीक्शा करने के बाद सुधार के उपाय बताएगा, और कुछ अन्य सुझाव अपनी तरफ से भी दिए हैं। कोलकाता में कुछ दिन पहले एक और समस्या उत्पन्न हुई, जब शहर के विभिन्न इलाकों में कानून-व्यवस्था की नाजुक स्थिति को संभालने के लिए अधिकांश पुलिस बल की तैनाती के कारण साल्ट लेक स्टेडियम में मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच डूरंड कप फुटबॉल मैच रद्द करना पड़ा। इससे भड़के युवाओं की भीड़ ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। लाठीचार्ज किया गया और कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उधर, महाराश्ट्र के बदलापुर में दो स्कूली छात्राओं से छेड़छाड़ की घटना ने देशभर में व्याप्त आक्रोश को और बढ़ा दिया। हमारे देश में भयावह अपराध और राजनीतिक कीचड़ उछालना कोई नई बात नहीं है। वर्शों से यही होता आया है और होता रहेगा, क्योंकि मूल बीमारी का इलाज कोई नहीं करना चाहता, केवल लक्शणों का उपचार करने में लगे रहते हैं। व्याधि यह है कि सूबों में पुलिस सत्तारूढ़ दल की निजी सेना बनकर रह गई है क्योंकि पुलिस अधिनियम, 1861 के अंतर्गत वह कार्यपालिका के प्रति जवाबदेह है – इसका मतलब है सत्तारूढ़ दल के नेताओं के आदेश से बंधना। कहने की जरूरत नहीं है कि तमाम राजनीतिक दल पुलिस पर इस किस्म के नियंत्रण से बहुत खुश हैं। यह बात भारत के सभी सूबों और पार्टियों के लिए सच है। इसीलिए आम नागरिक के लिए कोई न्याय नहीं है, क्योंकि पुलिस ज्यादातर सत्ताधारी पार्टी के निर्देशों के अनुसार काम करती है, खासकर जब मामला हाई-प्रोफाइल अपराध का हो। कार्रवाई भी सत्तारूढ़ दल के हितों को ध्यान में रखकर की जाती है। बेशक, अपना काम कुशलतापूर्वक नहीं करने के लिए दोश पुलिस नेतृत्व पर भी आता है, दुर्भाग्यवश इसके पीछे काफी हद तक वजह है भ्रश्टाचार और करिअर हितों के कारण फर्ज से समझौता करना, लिहाजा कई पुलिसकर्मी राजनेताओं से हाथ मिला लेते हैं, मुख्यतः इसलिए भी क्योंकि यह राजनेता ही हैं, जो उन्हें तरक्की-इनाम दिलवा सकता है या फिर कई तरीकों से तंग कर सकता है। हम अभी भी 1861 के कानून पर अटके पड़े हैं। एक बार पुलिस को संविधान और संसद के प्रति जवाबदेह बना दिया जाए तो स्थिति में काफी सुधार होगा। तब हमारी पुलिस भी कई अन्य देशों की भांति बिना किसी डर के, कानून के अनुसार स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकेगी। हालांकि, सोली सोराबजी समिति द्वारा मॉडल पुलिस अधिनियम बनाए कई साल गुजर गए। लेकिन कोई भी इस पर अमल नहीं करना चाहता, यहां तक कि केंद्र सरकार भी नहीं। हैरत यह है कि सुप्रीम कोर्ट, जिसने खुद 2006 में पुलिस सुधारों पर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया था, वह भी अपने निर्देशों पर अक्शरशः कार्रवाई नहीं करने के लिए राज्य सरकारों को अवमानना नोटिस जारी करने को उत्सुक नहीं है। सूबा सरकारों ने उन निर्देशों पर महज लीपापोती की है। अंग्रेजों ने हमें पुलिस के लिए जो कानून और प्रक्रियाएं दीं, वे समय की जरूरत के अनुसार बदलती थीं और तेजी से अद्यतित होती थीं। राजनीतिक दलों द्वारा मामलों का राजनीतिकरण न किए जाने से न्याय त्वरित होता है। ब्रिटेन में हाल ही में हुए दंगों में, बिना किसी राजनीतिक हस्तक्शेप के, कुछ दंगइयों को अपराध किए जाने के कुछ ही दिनों के अंदर 20 महीने के लिए जेल भेज दिया गया है।

आप का नजरिया

सुरक्षा की पेंशन

आखिरकार केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के पेंशन के मुद्दे को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए इस उलझन को दूर करने का प्रयास किया है। उसने पुरानी पेंशन और एनपीएस के बीच का रास्ता निकाल जहां कर्मचारियों के हितों को तरजीह दी है, वहीं राजकोशीय दबाव को भी कम किया है। निस्संदेह, हाल में घोशित एकीकृत पेंशन स्कीम से कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्शा को संबल मिलेगा। जिसमें एक निश्चित पेंशन, फैमिली पेंशन का आश्वासन तथा मुद्रास्फीति के दबाव से राहत का प्रयास सम्मिलित है। इस योजना में सेवानिवृत्ति से पहले वर्श में बारह माह के औसत मूल वेतन का पचास फीसदी पेंशन के रूप में मिलेगा। जिसमें कर्मचारी का योगदान तो दस फीसदी ही रहेगा, लेकिन सरकार का योगदान 14 फीसदी से बढ़कर 18.5 फीसदी हो जाएगा। यह लाभ 25 साल की सेवा के बाद मिलेगा, लेकिन दस साल की सेवा वाले व्यक्ति को भी दस हजार पेंशन का लाभ मिलेगा। निस्संदेह, इस निर्णय के राजनीतिक निहितार्थों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घोशणा ऐसे वक्त में की गई है जब हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में चुनाव कार्यक्रम घोशित है और साल के अंत तक महाराश्ट्र व झारखंड में चुनाव होने हैं। दरअसल, पिछले कुछ वर्शों में विपक्शी दलों ने कर्मचारियों की पुरानी पेंशन की मांग को हवा देते हुए इसे राजनीतिक मुद्दा बनाया था। कहा गया कि हिमाचल प्रदेश में आये जनादेश का एक बड़ा कारण पुरानी पेंशन का मुद्दा था। हालांकि, राजस्थान व पंजाब आदि राज्यों में यह मुद्दा वैसा प्रभावी नजर नहीं आया। निस्संदेह, मुद्दा लोकलुभावन तो था लेकिन पुरानी पेंशन को लागू करने से भारी वित्तीय दबाव बढ़ने की चिंता जतायी गई। तभी बीते साल आरबीआई ने ओपीएस के विकल्प का चयन करने वाले राज्यों पर बढ़ने वाले आर्थिक दबाव पर चिंता जतायी थी। निस्संदेह, इससे सरकारों का राजकोशीय घाटा निरंतर बढ़ने का भी खतरा था। जिसके चलते इस योजना को वर्श 2004 में समाप्त किया गया था। फिर उसी राह पर लौटना व्यावहारिक भी नहीं था। दरअसल, राजग सरकार का कहना है कि एकीकृत पेंशन योजना वित्तीय अनुशासन के अनुरूप है, जो कि सरकार द्वारा वित्तीय सहायता के साथ कर्मियों के अंशदान से मूर्त रूप लेती है। जिससे जहां एक ओर सेवानिवृत्ति के बाद कर्मियों को वित्तीय सुरक्शा मिल सकेगी, वहीं राजकोशीय विवेक में भी संतुलन बन सकेगा। दरअसल, विपक्शी दलों द्वारा पुरानी पेंशन को मुद्दा बनाने के बाद केंद्र सरकार ने इसके विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। फिर अप्रैल 2023 में तत्कालीन वित्त सचिव टीवी सोमनाथ की प्रधानी में बनी कमेटी ने चिंतन-मनन के उपरांत जो सिफारिश सरकार को सौंपी, बीते शनिवार मोदी सरकार के मंत्रिमंडल ने उसे हरी झंडी दिखा दी। बहरहाल, यह लोकतंत्र की खूबसूरती कही जा सकती है कि जन दबाव में सरकार को बड़ा फैसला लेना पड़ा है। निस्संदेह, पूरा जीवन राजकीय सेवा में लगाने वाला कर्मचारी रिटायर होने के बाद आर्थिक असुरक्शा में घिर जाता है।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिंदी दैनिक समाचार पत्र

मुकेश अंबानी ने की एआई क्लाउड की घोषणा अब 100 जीबी तक फ्री मिलेगा क्लाउड स्टोरेज

नई दिल्ली/मुंबई,29 अगस्त (एजेंसियां)। देश के जाने-माने उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने गुरुवार को 47वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में जियो एआई क्लाउड वेलकम ऑफर का ऐलान किया। उन्होंने एजीएम को संबोधित करते हुए कहा कि इसमें जियो यूजर्स को 100 जीबी तक का फ्री क्लाउड स्टोरेज मिलेगा। आरआईएल-डिज्नी विलय पर कहा कि यह भारत के मनोरंजन उद्योग में एक नए युग की शुरुआत है।

मुकेश अंबानी ने 47वीं एजीएम के दौरान शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा, मैं जियो एआई क्लाउड वेलकम ऑफर की घोषणा करते हुए रोमांचित हूं। आज, मैं घोषणा कर रहा हूं कि जियो उपयोगकर्ताओं को अपने सभी फोटो, वीडियो, दस्तावेज, डेटा और अन्य सभी डिजिटल सामग्री को सुरक्षित रूप से स्टोर करने और एक्सेस करने के लिए 100 जीबी तक मुफ्त क्लाउड स्टोरेज मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारे पास अधिक स्टोरेज की आवश्यकता वाले लोगों के लिए बाजार में सबसे किफायती कीमतें भी होंगी। हम इस साल दिवाली से जियो एआई क्लाउड वेलकम ऑफर लॉन्च

कहा-आरआईएल-डिज्नी विलय भारत के मनोरंजन उद्योग में एक नए युग की शुरुआत

करने की योजना बना रहे हैं। इसके साथ ही मुकेश अंबानी ने कहा कि रिलायंस 5 सितंबर, 2024 को 1:1 रेश्यो में बोनस इश्यू देने पर विचार करेगी। मुकेश अंबानी ने कहा कि उनका तेल से लेकर दूरसंचार तक का कारोबार करने वाला समूह अल्पकालिक लाभ कमाने और संपत्ति जमा करने के कारोबार में नहीं है, बल्कि उसका ध्यान देश के लिए धन सृजन पर है। आरआईएल के शेयरधारकों की 47वीं सालाना आम बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जियो 8 सालों में दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल डेटा कंपनी बन गई है। प्रत्येक जियो यूजर्स प्रति माह 30 जीबी डेटा का उपभोग करता है। इसकी कीमत विश्व एवरेज की एक चौथाई है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी।

अंबानी ने बताया कि दुकानों की संख्या के मामले में शीर्ष 5 वैश्विक खुदरा विक्रेताओं में रिलायंस रिटेल शामिल है। बाजार पूंजीकरण के मामले में यह शीर्ष 10 खुदरा विक्रेताओं में शामिल है। कर्मचारियों की संख्या के मामले में भी शीर्ष 20 खुदरा विक्रेताओं की सूची में रिलायंस रिटेल का नाम शामिल है। आरआईएल-डिज्नी विलय पर मुकेश अंबानी ने कहा कि यह भारत के मनोरंजन उद्योग में एक नए युग की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि हम कंटेंट निर्माण को डिजिटल स्ट्रीमिंग के साथ जोड़ रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से गुरुवार को मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार होता रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। अमेरिका में दूसरी तिमाही के जीडीपी अनुमान आने के पहले निवेशक सतर्क होकर कारोबार करते नजर आए। इसके साथ ही कुछ दिग्गज कंपनियों के निराशाजनक तिमाही परिणामों की वजह से बाजार पर दबाव भी बना रहा। इस दबाव की वजह से एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.60 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,592.18 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 198.79 अंक यानी 1.12 प्रतिशत टूट कर 17,556.03 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 41,184.85 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 8,343.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,577.67 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 100.48 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,782.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सरकारी टेलिकॉम कंपनी ने नहीं चुकाया लोन, बैंक ने किए खाते बंद

नई दिल्ली। सरकारी टेलिकॉम कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) बुरे दौर से गुजर रही है वह कर्ज में डूब गई है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने बकाया भुगतान नहीं करने पर एमटीएनएल के सभी खातों पर रोक लगा दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने कंपनी को लोन नहीं चुकाने पर सभी खाते बंद कर दिए हैं यह जानकारी 21 अगस्त को दी गई थी। कंपनी ने कहा कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 21 अगस्त के पत्र के जरिये एमटीएनएल को बताया कि उसका खाता एनपीए में डाल दिया गया है। इस वजह से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ हमारे सभी खाते अपने-आप ही फ्रीज हो गए। इससे पहले जुलाई में एमटीएनएल के शेयरों ने जबरदस्त तेजी आई थी। महज 42 रुपए से चढ़कर इसका भाव 101 रुपए पर पहुंच गया यानी एक महीने में पैसा दोगुना से ज्यादा हो गया था लेकिन 29 जुलाई के बाद एमटीएनएल के शेयरों में लगातार गिरावट आती गई और अब यह 60 रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। एमटीएनएल ने इन बैंकों से कुल 5,573.52 करोड़ रुपए का लोन ले रखा था। घाटे में चल रही दूरसंचार कंपनी ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कुल 7,873.52 करोड़ रुपए उधार लिए हैं और कंपनी का कुल ऋण 31,944.51 करोड़ रुपए है। अगस्त की शुरुआत में एमटीएनएल ने शेयर बाजार को बताया था कि उसने 422.05 करोड़ रुपए के बैंक कर्ज भुगतान में चूक की है।

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 8 पैसे की बढ़त के साथ ही 83.89 रुपये पर बंद हुआ जबकि गत दिवस ये 83.97 पर बंद हुआ था। इससे पहले गुरुवार को सुबह वैश्विक बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में नौ पैसे बढ़कर 83.88 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.92 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.88 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो उसके पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.97 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ ही 100.92 पर पहुंच गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अलगाववादियों की...

सोपोर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। हालांकि इन लोगों ने तहरीक-ए-आवाम नाम की पार्टी बनाई है, लेकिन अभी तक चुनाव आयोग से पार्टी के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है, ऐसे में सभी निर्दलीय ही मैदान में हैं।

1987 तक जमात-ए-इस्लामी ने जम्मू-कश्मीर में हुए लगभग हर विधानसभा चुनाव में भाग लिया है। जम्मू कश्मीर में 1972 में हुए विधानसभा चुनाव में जमात-ए-इस्लामी के 22 में से 5, 1977 के विधानसभा चुनाव में 19 में एक प्रत्याशी ने जीत दर्ज की जबकि 1983 के चुनाव में इसने 26 उम्मीदवार मैदान में उतारे और सभी हार गए। इसके बाद 1987 में मुस्लिम यूनाइटेड फ्रंट के बैनर तले कश्मीर में चुनाव लड़ने वाले जमात के 4 सदस्यों ने जीत हासिल की थी। तब से जमात ए इस्लामी ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया।

यहां ये बात फिर से ध्यान दिलाना जरूरी है कि भारत में वही व्यक्ति राजनीतिक गतिविधियों में भाग ले सकता है, जिसने भारत की एकता और अखंडता की शपथ ली हो। खासकर राजनीतिक पार्टियों से जुड़े मामलों में ऐसा ही है। भारत के 16वें संविधान संसोधन के मुताबिक, वही राजनीतिक दल भारत के लोकतंत्र का हिस्सा बन सकेंगे, जिन्होंने भारत की संप्रभुता और अखंडता के प्रति शपथ लिया हो। भारत के 16वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1963 के तहत, भारत की संप्रभुता और अखंडता के हित में भाषण और अभिव्यक्ति, शांतिपूर्ण सभा, और संघ की आज़ादी पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके अलावा, विधायकों, मंत्रियों, न्यायाधीशों, और सीएजी को जो शपथ और घोषणाएं लेनी होती हैं, उनमें भी संप्रभुता और अखंडता की अवधारणाएं जोड़ी गईं हैं।

भारत ने बिजली...

अब सितंबर आने वाला है, स्वाभाविक है कि बकाये का ग्राफ ऊपर ही भाग रहा है। यह कंपनियां बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन और बड़ी राशि उधार होने के बावजूद अभी तक बिजली आपूर्ति कर रही हैं। ऐसा वह भारत-बांग्लादेश के पुराने रिश्तों को देखते हुए कर रही हैं। यदि बांग्लादेश का उधार बढ़ता है, तो इन कंपनियों को अपने फैसले पर दोबारा विचार करना पड़ सकता है। भारतीय कंपनियां लम्बे समय से बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति करती आई हैं। अडाणी पावर झारखंड के गोड्डा में एक प्लांट के जरिए बांग्लादेश को बिजली देता है।

अडाणी पावर का यह प्लांट 1.6 गीगावाट क्षमता का है। इसकी पूरी बिजली बांग्लादेश को जाती है। इसने जनवरी 2023 में अपना उत्पादन चालू किया था और यह एक अलग ग्रिड से बांग्लादेश को बिजली देता है। वहीं, पीटीसी जैसी कंपनियां बांग्लादेश को 2013 से ही बिजली बेच रही हैं। इसके अलावा एनटीपीसी भी बांग्लादेश को बिजली बेचती है। एनटीपीसी ने बांग्लादेश में ही एक प्लांट लगा रखा है जो कि 1300 मेगावाट से अधिक बिजली पैदा करता है। भारत द्वारा दी गई बिजली बांग्लादेश के लिए जरूरी है क्योंकि उसका कपड़ा उद्योग बिजली पर ही आधारित है।

बढ़ते बकाए के कारण अब आगे इसमें चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इससे पहले केंद्र सरकार ने बांग्लादेश को आपूर्ति की जाने वाली बिजली को लेकर नियम बदले थे। इनके तहत अडाणी पावर यह बिजली भारत में भी बेच सकता है। पहले यह इसे केवल बांग्लादेश को ही दे सकता था। बिजली आपूर्ति का पैसा बकाया होने की समस्या गंभीर होने के पीछे बांग्लादेश का वर्तमान आर्थिक संकट भी है। सत्ता बदलने के अलावा बांग्लादेश आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा है। बांग्लादेश की नई सरकार देश में ब्याज दरें बढ़ाने जा रही है ताकि महंगाई से निजात पाई जा सके। बांग्लादेश के विदेशी मुद्रा भंडार पर भीषण संकट है। इसके लिए बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भी पहुंचा है। आईएमएफ से भी बांग्लादेश मदद ले रहा है। इन सबके बीच बांग्लादेश में लगातार हो रही हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा और सड़कों पर अशांति के कारण देश की अर्थव्यवस्था पर फर्क पड़ा है।

अमेरिकी कंपनी...

सेना इन पुरानी राइफलों में आने वाली दिक्कत के चलते इन्हें बदल रही है। इसी क्रम में इन विदेशी राइफलों की खरीद का ऑर्डर दिया गया है। सिग सॉर के अलावा रूसी एके-203 राइफलों का उत्पादन भारत में ही हो रहा है और इस तरह की 35,000 राइफलें सेना को इसी वर्ष मिल गई हैं।

अमेरिकी फर्म से होने वाले इस सौदे को दिसंबर 2023 में रक्षा मंत्री की अध्यक्षता वाली डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (डीएसी) ने मंजूरी दी थी। अब इस सौदे को अंतिम रूप दे दिया गया है। इस सौदे के बाद भारत के रक्षा विशेषज्ञों ने अलग-अलग राय दी है। विशेषज्ञों ने इसे सेना का विदेशी उत्पादों को तरजीह देने का मामला बताया है। वहीं ऐसी ही राइफल बनाने वाली एक फर्म एसएसएस डिफेंस के सीईओ विवेक कृष्णन ने इसे लेकर अपनी अलग राय दी है। उन्होंने अपनी राइफल और विदेशी राइफलों का खुले तौर पर टेस्ट करने को कहा है। विवेक ने कहा, हम लंबे समय से अपने खरीददार (सेना) से सुनते आ रहे हैं कि हमारे मेटल उतने अच्छे नहीं हैं या हमारे डिजाइन समय से पीछे हैं। मेरा इतना ही कहना है कि हमारे स्वदेशी हथियार को हर कैलिबर में वैश्विक हथियार के सामने रखें और उसका टेस्ट करें। इसके परिणाम खुले तौर पर बताए जाएं जैसे बाकी सेनाएं करती हैं। यह दोनों पक्षों के लिए बढ़िया होगा। विवेक कृष्णन की बातों से स्पष्ट है कि अमेरिकी कंपनी से हथियार खरीदने का करार राइफलों की गुणवत्ता नहीं, बल्कि कुछ और है।

गौरतलब है कि एसएसएस डिफेंस पी-72 नाम से सिग सॉर वाली श्रेणी में ही राइफलें बनाती है। वह इसके अलावा कई अन्य प्रकार की भी स्नाइपर राइफलें बनाती है। एसएसएस डिफेंस बीते कुछ समय से लगातार सेना से नए ऑर्डर लेने की कोशिश कर रही है लेकिन सरकारी सौदों की धीमी चाल और अन्य कई वजहों से यह संभव नहीं हो सका है।

कुपवाड़ा में ...

उधर, उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के तंगधार सेक्टर में बुधवार देर रात घुसपैठ की कोशिश को सेना ने नाकाम किया।विधानसभा चुनाव में गड़बड़ी फैलाने की साजिश के तहत सीमा पार से आतंकियों को धकेलने की कोशिश की गई थी। पूरे इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है। ऐसा इनपुट था कि आतंकियों का ग्रुप एलओसी से तंगधार सेक्टर में घुसपैठ कर सकता है। इस सूचना पर एलओसी पर सतर्क सेना के जवानों ने मोर्चा लगाया था। देर रात खुशहाल पोस्ट के पास संदिग्ध गतिविधियां देखने के बाद जवानों ने ललकारा तो दूसरी ओर से आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई से मुठभेड़ शुरू हो गई। जवानों की ओर से पूरे इलाके की घेराबंदी कर रखी गई है ताकि अंधेरे का लाभ उठाकर आतंकी घुसपैठ करने में सफल न हो जाएं।

छत्तीसगढ़ में...

मुठभेड़ जारी है। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर एवं कांकेर जिले की सीमा पर माड़ के क्षेत्र में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना मिली। सूचना मिलने के बाद डीआरजी, एसटीएफ और बीएसएफ की टीम सर्चिंग अभियान पर गई थी। सर्चिंग के दौरान पुलिस पार्टी और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई। आईजी बस्तर पी सुंदरराज ने बताया कि सुबह से मुठभेड़ जारी है। रुक-रुककर फायरिंग हो रही है। सभी जवान सुरक्षित हैं।

टीडीपी में शामिल...

वेंकटरमण को फिर से राज्यसभा सांसद के रूप में नामित किया जाएगा, जबकि मस्तान बिना किसी शर्त के टीडीपी में शामिल होने के लिए सहमत हो गए हैं। वाईएसआरसीपी के कम से कम छह और राज्यसभा सांसद बाहर हो सकते हैं। उनमें से कुछ टीडीपी में शामिल होंगे जबकि कुछ के भाजपा में शामिल होने की संभावना है।

दलबदल के साथ, टीडीपी फिर से उच्च सदन में प्रवेश करने के लिए तैयार है। 2019 से आंध्र से सभी 11 राज्यसभा सीटें वाईएसआरसीपी के पास हैं। वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी के विभिन्न मुद्दों पर रुख के बारे में भी कोई स्पष्टता नहीं है। उन्होंने एनडीए के स्पीकर के चयन का समर्थन किया था, लेकिन बाद में उन्हें इंडी ब्लॉक के साथ घुलते-मिलते देखा गया। सांसदों को लगता है कि सत्ता से बाहर रहना उन्हें उच्च सदन में अप्रासंगिक बना रहा है।

कई बार विधायक रह चुके एन किरण कुमार रेड्डी और वाईएस राजशेखर रेड्डी एवं मंत्रिमंडल में मंत्री रह चुके वेंकटरमण को जगन का वफादार माना जाता था, लेकिन हाल ही में हुए चुनावों में रेपल्ले विधानसभा सीट से टिकट न मिलने के बाद से वे वाईएसआरसीपी से नाराज हैं। चुनावों में टीडीपी-जनसेना पार्टी (जेएसपी)-भाजपा गठबंधन ने वाईएसआरसीपी को करारी शिकस्त दी, जो राज्य में 11 सीटों पर सिमट कर रह गई। जब किरण कुमार रेड्डी मंत्रिमंडल में थे, तब वेंकटरमण को पूर्व मंत्री धर्मना प्रसाद राव के साथ सीबीआई ने कथित वडारेवु और निजामपट्टनम औद्योगिक गलियारा (वीएएनपीआईसी) घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। गुरुवार को पार्टी से इस्तीफा देने वाले वाईएसआरसीपी के दूसरे सांसद मस्तान, जिन्हें आंध्र के राजनीतिक हलकों में नायडू का करीबी माना जाता है। वो हाल ही में तब चर्चा में आए थे, जब उनकी बेटी ने चेन्नई में अपनी लग्जरी कार से एक व्यक्ति को टक्कर मार दी थी। वे एक उद्योगपति हैं और बीएमआर ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन हैं, जो देश में झींगा के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक है।

91 लाख सरकारी...

कर्मचारी हैरान रह गए। नए पेंशन ढांचे में जो बदलाव किए गए, वे नाकाफी थे। नतीजा, हताश और निराश कर्मचारी, दोबारा से आंदोलन की राह पर खड़े हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री के समक्ष कर्मचारी संगठनों ने पांच मांगें रखी हैं। 1) अंतिम वेतन के 50 प्रतिशत एश्योर्ड पेंशन की गारंटी के लिए न्यूनतम सेवा 25 वर्ष के स्थान पर 20 वर्ष की जाए, ताकि केंद्रीय सशस्त्र बलों के कर्मचारियों को भी न्याय मिल सके। 25 वर्ष के कारण उनके साथ भी असंगति पैदा हो गई है। 2) रिटायरमेंट/वीआरएस पर अनिवार्य रूप से कर्मचारी अंशदान की ब्याज सहित वापसी की जाए, ताकि बुढ़ापे में कर्मचारी अपने पैसे से बेटी के हाथ पीले कर सके। घर बनवा सके, तीर्थ यात्रा कर सके और स्वाभिमान पूर्वक जीवन जी सके। 3) वीआरएस के लिए भी 25 वर्ष की अनिवार्य सेवा की जगह 20 वर्ष की जाए। यह नियम, केंद्र सरकार के ओपीएस में शामिल कर्मचारियों के लिए लागू है। इससे दोनों कर्मचारियों के बीच समानता के अधिकार के कानून का पालन हो सकेगा। ऐसा न होने से एक विसंगति पैदा हो गई है। इसके चलते कोर्ट केस बढ़ेंगे। 4) वीआरएस लेने वाले कर्मचारी को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की तिथि से ही 50 प्रतिशत एश्योर्ड पेंशन देने की व्यवस्था की जाए न कि रिटायरमेंट डेट से। यहां पर सोचने वाली बात है कि यूपीएस में कैबिनेट का निर्णय है कि वीआरएस लेने वाले व्यक्ति को पेंशन, रिटायरमेंट तिथि यानी 60 साल की उम्र के बाद ही दी जाएगी। इसका मतलब यह हुआ कि सरकार उस व्यक्ति को वीआरएस के बाद दस साल तक कोई पेंशन नहीं देगी। अगर इस बीच रिटायरमेंट की आयु 65 वर्ष तक बढ़ा दी गई तो उसे 15 साल तक कोई पेंशन नहीं मिलेगी। आखिर सरकार यह कैसे निर्धारित कर पाएगी कि वीआरएस लेने वाला व्यक्ति, हर हाल में पेंशन लेने के लिए 60 या 65 वर्ष तक जीवित ही रहेगा। 5) एनपीएस रिव्यू कमेटी की रिपोर्ट जल्द से जल्द सार्वजनिक की जाए।

अफसरों के पद...

कैडर अधिकारी बताते हैं, हमारा क्या कसूर है। बल में ऐसी कौन सी ड्यूटी है, जिसमें उनकी भूमिका नहीं होती। अगर पहली पदोन्नति मिलने में ही 15 साल लग रहे हैं तो बाकी के सेवाकाल का अंदाजा लगाया जा सकता है। मतलब, आधी सर्विस में एक भी पदोन्नति नहीं मिल रही। अगर पदोन्नति, इसी रफ्तार से मिलती रही तो इन अधिकारियों को कब बटालियन कमांड करने का मौका मिलेगा। जब वे रिटायरमेंट के करीब होंगे, तब वे कमांडेंट बनेंगे। उनके लिए डीआईजी, आईजी या एडीजी के पदों तक पहुंचना तो एक सपना ही बना रहेगा। ग्राउंड कमांडर व दूसरे अधिकारियों को अपने हकों के लिए अदालत में जाना पड़ रहा है। नियमों की गलत व्याख्या के कारण कैडर अधिकारियों को लाभ से वंचित रखा गया है। जब उन्होंने मजबूरी में कोर्ट का रुख किया तो विभाग ने उनका साथ नहीं दिया। इन अफसरों को नियमों के अनुसार, वित्तीय लाभ, मकान भत्ता, राशन मनी, डिटैचमेंट एलाउंस व ओल्ड पेंशन आदि न मिलने के कारण कोर्ट में जाना पड़ रहा है। अदालत से केस जीतने के बाद भी इन्हें पूरे फायदे नहीं मिल रहे। विभाग अपने ही अधिकारियों के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में रिव्यू पिटीशन एवं सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल कर रहा है। कुछ मामलों में सुप्रीम कोर्ट से जीतने के बाद भी उसका लाभ लेने के लिए याचिकाकर्ताओं को अवमानना याचिका दाखिल करनी पड़ती है।

पदोन्नति का मुद्दा उठाने वाले कैडर अधिकारियों को दो टूक जवाब मिलता है कि मामला तो अभी कोर्ट में है। डीपीसी पर स्टे है। अगर ऐसे ही डीपीसी पर स्टे लिया जाता रहा और विभाग, निष्क्रियता दिखाता रहा तो ये एक खतरनाक ट्रेंड बन जाएगा। वरिष्ठता सहित कई मुद्दे अदालत में चलते रहते हैं।

ऐसा नहीं है कि इस प्रक्रिया के दौरान योग्य अधिकारियों को पदोन्नति नहीं मिलती। सब्जेक्ट टू कोर्ट जजमेंट के हिसाब से पदोन्नति दी जा सकती है। सूत्रों ने बताया कि कोर्ट केसों में विभाग का रवैया लचर रहता है। अधिकारियों को समय पर नोटिस तक सर्व नहीं किया जाता। जब भी ग्राउंड कमांडर इस मुद्दे को बल मुख्यालय के शीर्ष अफसरों के समक्ष उठाते हैं तो यह दिलासा दी जाती है कि लॉ इकाई, इस मामले में सक्रिय है। वरिष्ठता के मामले में सुप्रीम कोर्ट का स्टे है, इसे जल्द खत्म कराने का प्रयास हो रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत अर्धसैनिक बल, बीएसएफ और सीआरपीएफ की कैडर समीक्षा फाइल, अभी तक कहीं पर अटकी है। गत वर्ष की अंतिम कैडर समीक्षा रिपोर्ट में इन दोनों बलों का नाम नहीं था। डीओपीटी के नियमानुसार, हर 5 साल में कैडर समीक्षा पूरी होना जरूरी है। सीआरपीएफ का पिछला कैडर रिव्यू 2016 में हुआ था। बल के लिए कैडर रिव्यू कमेटी सीआरसी की बैठक 15 दिसंबर 2015 को हुई थी, जबकि उसे 29 जून 2016 को कैबिनेट की मंजूरी मिली थी। इसी तरह बीएसएफ के कैडर रिव्यू को 12 सितंबर 2016 को कैबिनेट की स्वीकृति प्रदान की गई थी। गत वर्ष डीओपीटी की 6 दिसंबर को जारी कैडर समीक्षा रिपोर्ट में सीआरपीएफ और बीएसएफ का नाम ही नहीं है। अब इनके रिव्यू की क्या स्थिति है, फाइल किसकी टेबल पर है, इसकी जानकारी तक नहीं दी गई है। नियमानुसार, दोनों बलों की कैडर रिव्यू प्रक्रिया तीन साल पहले ही पूरी हो जानी चाहिए थी।

केंद्रीय अर्धसैनिक बल, बीएसएफ और सीआरपीएफ में खासतौर पर सिपाही से लेकर सहायक कमांडेंट तक के रैंक वाले परेशान हैं। वजह, इन्हें समय पर पदोन्नति नहीं मिल रही। नियमानुसार, हर पांच साल में कैडर समीक्षा की प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए। सीआरपीएफ और बीएसएफ में सिपाही को पहली पदोन्नति, 18 से 20 साल में मिल रही है। सीधी भर्ती के जरिए सेवा में आने वाले सहायक कमांडेंट को मौजूदा समय में डिप्टी कमांडेंट बनने में लगभग 15 साल लग रहे हैं। अगर कोई निरीक्षक है तो उसे सहायक कमांडेंट के पद पर पहुंचने में लगभग 15 वर्ष लग जाते हैं। दो साल से कैडर अधिकारियों की समीक्षा फाइल एक टेबल से दूसरी टेबल पर घूम रही है। कभी तो मामला अदालत में होने की बात कह दी जाती है तो कभी विचार विमर्श या जरूरी कमेंट्स मांगने के लिए फाइल विशेषज्ञों की मेज पर पहुंच जाती है। नतीजा, पिछले पांच वर्ष में सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, सीआईएसएफ और असम राइफल्स में 50 हजार से अधिक कर्मियों ने नौकरी छोड़ दी है।

पांच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल/सीएपीएफ, जिसमें बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी, सीआईएसएफ और आईटीबीपी शामिल हैं। इन बलों में समूह ए अधिकारियों की सेवाएं 1986 से संगठित हैं, मगर अधिकारियों को उसका लाभ नहीं मिल सका। 2006 के दौरान जब छठे केंद्रीय वेतन आयोग ने आईएएस, आईपीएस व आईआरएस सहित अन्य सभी संगठित समूह ए सेवाओं ओजीएएस के लिए गैर कार्यात्मक वित्तीय उन्नयन एनएफएफयू योजना शुरु की तो कैडर अधिकारियों ने भी इसका लाभ देने की मांग की। हालांकि तब सीएपीएफ को संगठित समूह ए सेवा के रूप में मान्यता देने से इनकार कर दिया गया। इसके बाद कैडर अफसरों ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। लंबी कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद 3 सितंबर 2015 के दिन अदालत ने अपने फैसले में सीएपीएफ को 1986 से संगठित समूह ए सेवा घोषित कर दिया। दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। सर्वोच्च न्यायालय ने 5 फरवरी 2019 को दिए अपने फैसले में दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 3 जुलाई 2019 को अपनी एक घोषणा के जरिए सीएपीएफ संगठित सेवा ए को मंजूरी प्रदान कर दी। तक कैडर अफसरों में भी यह उम्मीद जगी थी कि उन्हें एनएफएफयू के परिणामी लाभ मिल जाएंगे। बाद में कुछ नहीं हो सका। दोबारा से मामले अदालतों में पहुंच गए।

लीक हो रही थी...

भारत विरोधी साजिश के तहत भारतीय नौसेना से संबंधित संवेदनशील महत्वपूर्ण जानकारी लीक करने से जुड़ा है। उल्लेखनीय है कि एनआईए ने 19 जुलाई 2023 को दो आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था, जिसमें एक फरार पाकिस्तानी नागरिक मीर बलज खान भी शामिल था। एनआईए ने बताया कि जांच से पता चला कि मीर बलज खान गिरफ्तार आरोपी आकाश सोलंकी के साथ जासूसी गिरोह में शामिल था। एनआईए ने छह नवंबर 2023 को दो अन्य आरोपियों मनमोहन सुरेंद्र पांडा और अल्वेन के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया। बयान में कहा गया कि पांडा को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि पाकिस्तानी जासूसी गिरोह का सदस्य अल्वेन फरार है।

एनआईए ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंट के साथ साजिश रचने के आरोप में एक आरोपी अमन सलीम शेख के खिलाफ मई 2024 में दूसरा पूरक आरोप पत्र दायर किया था। एनआईए की छापामारी उन्हीं सुरागों के आधार पर की गई। इस कार्रवाई का ब्यौरा अभी एनआईए ने जारी नहीं किया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 30 अगस्त, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मुख्य सचिव ने हाइड्रा को अधिक शक्तियां और कर्मी सौंपने के उपायों पर अफसरों से की चर्चा

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्य सचिव शांति कुमारी ने राज्य में तालाबों पर अतिक्रमण हटाने और सरकारी संपत्ति के संरक्षण पर पिछले कुछ दिनों के दौरान तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेशों पर एक व्यापक कार्य योजना तैयार करने के लिए गुरुवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने कहा कि ओआरआर के तहत सभी झीलों, पार्कों, नहरों और सभी सरकारी स्थानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी तरह से हाइड्रा को सौंपने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं। बैठक में सरकारी स्थलों, झीलों और सरकारी संपत्ति की सुरक्षा के लिए हाइड्रा को अधिक शक्तियां और कर्मी सौंपने के उपायों पर चर्चा हुई।

इस बैठक में डीजी इंटेलिजेंस शिवधर रेड्डी, अतिरिक्त डीजी कानून व्यवस्था महेश भागवत, नगर प्रशासन विभाग के प्रधान सचिव दाना किशोर, सिंचाई विभाग के सचिव राहुल बोज्जा, एचएमडीए आयुक्त सरफराज अहमद, अतिरिक्त महाधिवक्ता रजनीकांत रेड्डी, एसीबी निदेशक तरूण जोशी, हैदराबाद कलेक्टर अनुदीप, रंगारेड्डी कलेक्टर शशांक, मेडचल मल्काजीगिरी कलेक्टर गौतम पोटरू और संगारेड्डी कलेक्टर वल्लुरु क्रांति ने भाग लिया।

मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि वर्तमान में सिंचाई विभाग, जीएचएमसी, नगरपालिका प्रशासन विभाग, पंचायत राज, वाल्टा और अन्य विभाग तालाबों, झीलों, पार्कों और सरकारी स्थानों पर अतिक्रमण हटाने के संबंध में अलग-अलग नोटिस जारी कर रहे हैं और इससे किसी तरह की परेशानी हो रही है अथवा भ्रम उत्पन्न हो रहा है। इससे बचने के लिए, नगरपालिका विभाग के प्रधान सचिव को ओआरआर सीमा के भीतर हाइड्रा द्वारा जारी किए जाने वाले सभी बेदखली नोटिसों के लिए प्रक्रियाओं को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया गया है। जीएचएमसी द्वारा जारी किए गए सभी नोटिस और बेदखली, भूमि अतिक्रमण अधिनियम, भूमि कब्जा अधिनियम, वाल्टा अधिनियम, सिंचाई विभाग अधिनियम पूरी तरह से हाइड्रा के अधिकार क्षेत्र में लाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हाइड्रा के लिए आवश्यक अतिरिक्त अधिकारियों और कर्मचारियों को जल्द ही आवंटित किया जाएगा और एफटीएल, नाला अतिक्रमण, सरकारी रिक्त स्थान और पार्कों के संरक्षण को भी हाइड्रा के दायरे में लाया जाएगा।

गांधीपेट और हिमायत सागर झीलों के संरक्षण को भी जल बोर्ड से हाइड्रा के दायरे में लाया जाएगा। मुख्य सचिव ने कहा कि हाइड्रा के तहत 72 टीमों का गठन किया गया है और उन्हें मजबूत करने के लिए पुलिस, सर्वेक्षण और सिंचाई विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को शीघ्र नियुक्त किया जाएगा।

तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो ने ऋण धोखाधड़ी के आरोप में आठ को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने वानापर्थी पुलिस के साथ मिलकर एक आठ सदस्यीय गिरोह को पकड़ा, जो पीएम विश्वकर्मा सामुदायिक ऋण और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत ऋण प्रदान करने के बहाने लोगों को धोखा दे रहे थे। गिरफ्तार किए गए कथित धोखेबाजों में वाथियावथ नरसिंह, रथलावथ रमेश, पी कुरुमूर्ति, एस्लावाथ रामुलु, कोथापल्ली उमेश, बोया वीरेश, एस्लावाथ सूरज और वर्थियावथ प्रवीण शामिल हैं।

टीजीसीएसबी की निदेशक शिखा गोयल ने कहा कि गिरोह ने ऋण के लिए आवेदन करने वाले लोगों से संपर्क किया और ऋण वितरण के बहाने उनसे प्रोसेसिंग शुल्क के रूप में पैसे एकत्र किए। एक शिकायत पर, टीजीसीएसबी और वानापर्थी पुलिस ने संयुक्त जांच शुरू की और कई छापे मारे। पुलिस उनके पास से 26 मोबाइल फोन, चार मोटरसाइकिल जब्त करने में सफल रही। संदिग्ध कथित तौर पर 55 मामलों में शामिल हैं और एनसीआरपी पोर्टल पर उनके खिलाफ 373 याचिकाएं प्राप्त हुईं। पुलिस ने आम जनता को सलाह दी है कि वे ऐसे गिरोहों के झांसे में न आएं जो मुद्रा या धानी ऋण प्रदान करने या चुकाने के बहाने ग्रामीणों को धोखा दे रहे हैं।

महिला मित्र की चाकू मारकर हत्या

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में बुधवार देर रात एक व्यक्ति ने अपनी महिला मित्र की चाकू मारकर हत्या कर दी और तीन लोगों को घायल कर दिया।पुलिस सूत्रों ने बताया कि दीपाना थामोंग (25) पश्चिम बंगाल की रहने वाली थी। वह नल्लागंदला में ब्यूटीशियन का काम करती थी और अपने दोस्तों के साथ गोपनपल्ली थांडा में रहती थी। बीदर का रहने वाला आरोपी राकेश माधापुर के एक छात्रावास में रह रहा था। उसने दीपाना के सामने शादी का प्रस्ताव रखा था, लेकिन उसने इनकार कर दिया। जिसके बाद, वह नाराज होकर दीपाना के कमरे में गया और सब्जी वाले चाकू से उस पर हमला किया, जिसमें महिला की मौके पर ही मौत हो गयी।इसी बीच, दीपाना को बचाने की कोशिश में उसके तीन दोस्त भी घायल हो गए। उन्हें पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद, राकेश ने एक बिजली के तार को छूकर आत्महत्या करने का प्रयास किया जिससे वह घायल हो गया। उसे भी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना से संबंधित मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गयी है।

सांसदों, विधायक और अध्यक्ष टीजीआरडीसी ने दमरे महाप्रबंधक से मुलाकात की

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पोरिका बलराम नाइक, सांसद महबूबाबाद, चमाला किरण कुमार रेड्डी, सांसद भोंगिर के साथ चौधरी विजय रमण राव, विधायक पेद्दापल्ली और मालरेड्डी राम रेड्डी, अध्यक्ष, तेलंगाना राज्य सड़क विकास निगम ने गुरुवार 29 अगस्त को अरुण कुमार जैन महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) से रेल निलयम, सिकंदराबाद में मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने हाल के दिनों में दक्षिण मध्य रेलवे के प्रदर्शन के बारे में गणमान्य व्यक्तियों को जानकारी दी। महाप्रबंधक ने गणमान्य व्यक्तियों को तेलंगाना राज्य में चल रही रेलवे परियोजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। गणमान्य व्यक्तियों ने अपने अधिकार क्षेत्र से संबंधित विभिन्न रेल विकासात्मक मुद्दों के संबंध में महाप्रबंधक को अभ्यावेदन प्रस्तुत किया। महाप्रबंधक ने कहा कि नए कार्यों/सेवाओं के प्रस्ताव तैयार करते समय संसद सदस्यों एवं विधानसभा सदस्यों से प्राप्त बहुमूल्य इनपुट और फीडबैक पर उचित विचार किया जाएगा।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू, पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री सीताक्का, रामागुंडम विधायक राज ठाकुर, देवराकाद्र विधायक मधुसूदन, पूर्व मंत्री वेणुगोपाल चारी और खेल सलाहादरी शामिल हुए। गुरुवार 29 अगस्त को हैदराबाद के गच्चीबावली स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व मेयर बोंटू राम मोहनरू ने भाग लिया।

एनआईआईएमएच में दी दिवसीय पारंपरिक चिकित्सा में औषधि विकास पर संगोष्ठी तीन सितंबर से

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान हैदराबाद में 3 और 4 सितंबर को पारंपरिक चिकित्सा में औषधि विकास विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्रो. वैद्य रबिनारायण आचार्य, महानिदेशक, केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के नेतृत्व में तथा डॉ. मधु दिक्षित, जे. सी. बोस नेशनल फेलो, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक अध्यक्ष (आयुष मंत्रालय), सीएसआईआर केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान लखनऊ के विशेष मार्गदर्शन से किया जा रहा है। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जीवन शैली विकारों और नए संक्रामक रोगों से दृढ़ता पूर्वक मुकाबला करने में पारंपरिक चिकित्सा में शामिल औषधियों की क्षमता के आधार पर औषधियों के निर्माण और उपयुक्तता के बारे में वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ चर्चा और मंथन करना है ताकि यह आम जनता के लिए उपयोगी हो सके। इस सम्मेलन का उद्घाटन 3 सितंबर को सुबह 9 बजे राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद में होगा जिसमें अतिथि के रूप में डॉ. श्रीनिवास रेड्डी, निदेशक, सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद एवं डॉ. चंद्रकांत कटियार, सलाहकार, आरएंडडी हेल्थकेयर, इमामी लिमिटेड, कोलकाता आदि उपस्थित होंगे। इसके अलावा देश भर से इस पारंपरिक चिकित्सा में दवाओं के उन्नयन के क्षेत्र में कार्य करने वाले जाने माने वरिष्ठ वैज्ञानिक अतिथि वक्ताओं के रूप में सम्मलित हो रहे हैं। साथ ही हैदराबाद संस्थान के साथ साथ केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, आयुष मंत्रालय के अधीनस्थ अन्य संस्थानों से फार्माकोलॉजी, वनस्पति विज्ञान, और आयुर्वेद से जुड़े 50 अनुसंधान अधिकारी प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होकर इस संगोष्ठी में भाग लेंगे और 100 से अधिक वैज्ञानिक ऑनलाइन जुड़ेंगे। डॉ. एन. श्रीकांत, उप-महानिदेशक, सीसीआरएएस, नई दिल्ली एवं डॉ. जी.पी.प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद के अगुआई में इस संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारी गण इस संगोष्ठी को सम्पन्न करने में परिश्रमरत हैं।

स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा से गुरुवार को सचिवालय में गोशामहल के पूर्व पार्षद एम वैकुंठ, भाजपा नेता गोविंद राठी और भाजपा नेता राम व्यास ने मुलाकात की।

प्रेम कुटीर माथुर वैश्य महिला संगठन हैदराबाद द्वारा 31 अगस्त को 2 बजे से माथुर वैश्य भवन आगापुरा में प्रथम मनोरंजन से भरपूर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी संयोजिका नीलम गुप्ता, श्वेता गुप्ता, भावना गुप्ता, शालिनी गुप्ता, अंजलि गुप्ता है। नीलम गुप्ता एंव श्वेता गुप्ता माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब की अध्यक्षा अरुणा गुप्ता एंव चेयरपर्सन डा.मालती को निमंत्रण पत्र देते हुए।

भाजपा राजस्थानी प्रकोष्ठ हैदराबाद सिकंदराबाद की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा तेलंगाना के संगठन मंत्री चंद्रशेखर के आदेशानुसार गुरुवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता सोहनलाल कडेल के बशीरबाग स्थित कार्यालय मे भाजपा राजस्थानी प्रकोष्ठ हैदराबाद सिकंदराबाद की बैठक आयोजित की गई।

इस बाबत प्रेस को जारी विज्ञप्ति में प्रचार प्रसार संयोजक मुकेश चौहान ने बताया की भाजपा के वरिष्ठ नेता सोहनलाल कडेल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक मे भाजपा तेलंगाना के सह कोषाध्यक्ष विजय सुराणा, भाजपा गोलकोंडा जिला कोषाध्यक्ष अविनाश देवड़ा, भाजपा कार्यकर्ता भबुतसिंह राजपुरोहित, भाजपा राजस्थानी सेल जामबाग डिवीजन के पूर्व संयोजक प्रवीण वाणीगोता, भाजपा महिला कार्यकर्ता नीरज सुराणा, भाजपा अल्पसंख्यक महिला मोर्चा पूर्व सोशल मीडिया संयोजक सविता रायसोनी, भाजपा कार्यकर्ता चंदना जैन एडवोकेट, प्राची जैन एवं राजस्थानी प्रकोष्ठ प्रचार प्रसार संयोजक मुकेश चौहान उपस्थित रहे। मीटिंग मे मुख्य रुप से आगामी 2 सितम्बर से प्रारम्भ हो रहे भाजपा सदस्यता अभियान हेतु विस्तार से चर्चा हुई। सदस्य बनाने के साथ-साथ केन्द्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी सभी को देने का तय किया गया। सभी ने अधिक से अधिक सदस्यों को बनाने की भावना को जताया। हैदराबाद-सिकंदराबाद के सभी प्रवासी बंधुओ को भाजपा के सदस्यता अभियान मे जुड़ने की विनती की गई।

श्री साईबाबा दीक्षा और पालकी उत्सव धूमधाम से सम्पन्न

किनवट, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री साईबाबा मंदिर संस्थान श्री नर्मदेश्वर महादेव किनवट द्वारा श्रावण पावन पर्व माह के उपलक्ष्य में श्री साईबाबा दीक्षा ग्रहण भक्तों को करवाई गई। विभिन्न धार्मिक विधी, जन्माष्टमी दही हंडी, पालकी उत्सव, दीपोत्सव, महाप्रसाद वितरण के साथ श्रावण माह हर्षोल्लास से मनाया गया। श्री साईबाबा मंदिर संस्थान श्री नर्मदेश्वर महादेव किनवट द्वारा हर वर्ष भक्तो को साईबाबा दिक्षा दिलाई जाती है। इसे श्री सच्चिदानंद पवार गुरु स्वामी के हाथो एवं मार्गदर्शन में दीक्षा ग्रहण व माला धारण लगभग 180 लोगो को विधीवत डाले थे। इस बीच नित्य धार्मिक विधी भक्तो को समझाए और बताया की धर्म जीवन का आधार है। हमे विनय भाव से ज्ञानी बानकर अपनी आत्मा को धनवान बनाना चाहिए। इस अवसर पर कमलताई पवार मौजूद थी। श्रावण पावन पर्व माह

को लेकर विभिन्न धार्मिक विधी के आरंभ मे 22 अगस्त को साईबाबा दीक्षा ग्रहण समारोह, 22 अगस्त को साईबाबा मंदिर के साथ परिसर मे 5 हजार दीपो के साथ दीपोत्सव भक्तों द्वारा हुआ। 28 अगस्त को जन्माष्टमी को लेकर दही हंडी उत्सव, पालकी उत्सव मे अश्व से भव्य शोभायात्रा निकाली। पालकी उत्सव मार्ग पर जगह जगह खडे श्रद्धालुओं ने साईबाबा की जय, जय श्रीराम, हर हर महादेव, जय हनुमान की जय घोष के साथ पुष्प वर्षा की गई। पालकी उत्सव का प्रारंभ श्री साईबाबा मंदिर मे विधीवत पूजन के बाद शोभायात्रा शहर के बिरसा मुंडाचौक, जिजामाता चौक, छत्रपती शिवाजी महाराज चौक, विठ्ठल मंदिर, श्री राम मंदिर,पोचममा मंदिर, हनुमान मंदिर से होती हुई पुनः श्री साईबाबा मंदिर पहुची वहा पर आरती हुआ और सभी श्रद्धांलु ओ ने प्रसाद ग्रहण किया शोभायात्रा के दौरान धार्मिक धुनो ने भाव्यता को और बढा भक्ती भाव से महिलाए पालकी दर्शन के साथ आरती की इस समय श्रद्धांलुओ का मन मोह लिया। इस समय भक्त गण भी पुजन की दिक्षा ग्रहण भक्तो ने नृत्य आकर्षण भी बढाए महिला, पुरुष, बच्चे इस दौरान पुरा क्षेत्र भक्ती मय बना रहा। इस अवसरपर श्री साईबाबा मंदिर संस्थान के दिनकर चाडावार,के मूर्ती, सुनील वटमवार समेत साईबाबा भक्त बडी संख्या से शामिल हुए थे।

आदर्श नगर हैदराबाद में खन्ना परिवार में श्रीमद् भागवतकथा सानंद सम्पन्न हुई। इस अवसर पर पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली के साथ परिवारजन आरती एवं प्रार्थना करते हुए।

सरकारी डिग्री कॉलेज के विकास की मांग को लेकर उटनूर सरकारी डिग्री कॉलेज के अध्यापकों ने खानपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक वेदम बज्जू पटेल से की मुलाकात की और उनका सम्मान किया। है अवसर पर प्रधानाध्यापक प्रताप सिंह, अध्यपक एवं अन्य उपस्थित थे।

अवैध निर्माण तत्काल हटाया जाए

कागजनगर, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुमरमभीम जिला काग़ज़नगर के पास वनजीरी ग्राम पंचायत में नागुनुरी ने जिला कलेक्टर श्रीनिवास को एक शिकायत दर्ज की गई है, जिसमें वनजीरी के रास्ते पर कागजनगर ग्रामीण पुलिस स्टेशन के पास एक भूखंड (69/1/1) पर हाल ही में बनाई गई अवैध दुकान को हटाने की मांग की गई है। उक्त कलेक्टर के आदेश के अनुसार ग्राम पंचायत ने दुकान के मालिक को कई नोटिस जारी किए, लेकिन उक्त मालिक ने दुकान नहीं हटाई और ग्राम पंचायत वालों के साथ दुर्व्यवहार किया और भय पैदा किया। इस संबंध में आज पूर्व सैनिकों/मानवाधिकार संरक्षण सदस्य शिवकुमार ने अवैध निर्माण पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि अगर कल तक दुकान नहीं हटायी गयी तो वे खुद दुकान हटा लेंगे।

उक्त दुकान में एक बेल्ट की दुकान भी संचालित की जा रही है, लेकिन बेल्ट की दुकान ग्रामीण थाने के पास संचालित की जा रही है, लेकिन अधिकारियों ने पूछा कि इसे अनदेखा करने के पीछे क्या कारण है। उन्होंने कहा कि सीआई की खुद की जांच में शराब की बोतलें मिलीं, लेकिन अफसोस है कि उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी। उन्होंने अवैध निर्माण को तत्काल हटाने की मांग की।

रेत की अनुपलब्धता के कारण निर्माण श्रमिक बदहाल

श्रमिक संघों ने की श्रमिकों की समस्याओं का समाधान करने की मांग

बेल्लमपल्ली, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भवन निर्माण संयुक्त मजदूर संघ के नेता चिंता व्यक्त कर रहे हैं कि बेल्लमपल्ली शहर में भवन निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण सामग्री रेत की अनुपलब्धता के कारण निर्माण श्रमिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

ऐसा कहा जाता है कि सरकारी अधिकारियों ने उन स्थानीय लोगों को रेत की आपूर्ति करने के लिए पर्याप्त उपाय नहीं किए हैं जिन्होंने स्लॉट बुक किया है और सरकार को बकाया पैसे का भुगतान किया है, और

परिणामस्वरूप सेंट्रिंग, बढ़ई, प्लंबर, वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन के श्रमिकों को नुकसान हो रहा है। मजदूर, पेंटर, मार्बल, ट्रैक्टर मालिक, पीओपी मजदूर जो घर निर्माण में काम आते हैं, उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, उन्होंने उपरोक्त 9 क्षेत्रों के श्रमिकों के साथ अपील की है कि अगर सरकारी अधिकारी तत्काल रेत उपलब्ध कराने की व्यवस्था करे। एसोसिएशन के मानद अध्यक्ष गेल्ली रॉयलिंग, अध्यक्ष आदिशेट्टी राम कुमार, महासचिव इलागम श्रीनिवास, कोषाध्यक्ष संकरी कृष्णा, चिलका रमेश सेंटरिंग एसोसिएशन, सीएच नरसैय्या,जॉनी मेस्त्री वेल्डर एसोसिएशन, तिरूपति पेंटिंग एसोसिएशन, श्रीनिवास कारपेंटर एसोसिएशन,मल्लेश मार्बल, एसोसिएशन,बी.मुरली ट्रैक्टर यूनियन,सुधाकर, लेबर एसोसिएशन, ओम, पीओपी एसोसिएशन ने भाग लिया।

लायंस क्लब ऑफ बेल्लमपल्ली के तत्वावधान में पीटीआई शिक्षकों का सम्मान

बेल्लमपल्ली, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

29 अगस्त गुरुवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रातः 7.00 बजे स्थानीय तिलक स्टेडियम परिसर में रविकुमार पीडी, जेडपीएचएस गर्ल्स हाई स्कूल, एस.के.राज मोहम्मद पीडी, आकेनापेल्ली जेडपीएचएस हाई स्कूल, एमडी.चंद पाशा पीडी, जेडपीएचएस नंबर 2 इनक्लाइन हाई स्कूल, एस.संतोष पीईटी,कृष्णावेनी टैलेंट स्कूल में कार्यरत चार पीईटी शिक्षकों को सम्मान किया। इस कार्यक्रम के लिए मंडल विद्याधिकारी पी. महेश्वर रेड्डी ने कार्यक्रम अध्यक्ष की भूमिका निभाई। लायंस क्लब के उपाध्यक्ष कज्जम रमेश, सचिव पेडकुला राजन्ना, कोषाध्यक्ष आदर्श वर्धन राजू, लायन नुन्नी प्रभाकर, लायन के. नरसैया, तिलक वॉकर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रत्नम राजम, सचिव नागेश, सिंगिरेड्डी सत्यनारायण, तिलक वॉकर्स एसोसिएशन के सदस्यों और छात्र एथलीटों ने भाग लिया।

आदिवासियों के विकास के लिए पूर्व मंत्री कोटनाक भीमराव की सेवाएं स्मरणीय हैं : बोज्जू पटेल

उटनूर, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

खानापुर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक वेदमा बोज्जू पटेल ने कहा कि पूर्व मंत्री कोटनक भीमराव ने आदिवासियों के विकास के लिए बहुत कार्य किया है, उनकी सेवाएं स्मरणीय रहेंगी।

गुरुवार को उटनूर मंडल केंद्र में पूर्व मंत्री कोटनाक भीमराव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि एवं उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए श्री पटेल ने कहा कि कोटनक भीमराव को पहले आदिवासी मंत्री के रूप में चुना गया था। उन्होंने कहा कि वह एक महान नेता थे, जिन्होंने आंध्र प्रदेश में शिक्षा के विकास के लिए बहुत काम किया। उन्होंने कहा कि राज्य के लिए उनकी सेवाएं अविस्मरणीय हैं। इस क्षेत्र में आईटीडीए के साथ गोदाम स्थापित करना कठिन है। उन्होंने याद दिलाया कि 33 वर्षों के बाद, उन्होंने उनकी प्रेरणा से विधानसभा चुनाव में प्रचार किया और इस क्षेत्र के निवासियों के आशीर्वाद से विधायक के रूप में जीत हासिल की।

उक्त कार्यक्रम में आईटीडीए पीओ खुशबू गुप्ता, राज्य जनजातीय निगम के अध्यक्ष कोटनक तिरूपति, राज्य महिला आयोग की सदस्य कुमरा ईश्वरीबाई, राज्य एससी-एसटी आयोग की सदस्य नीलाबाई, जिला सरमेदी दुर्गु. कोटनाक भीमराव के बेटे रमेश, अधिकारी, राज गोंड सेवा समिति के सदस्य, आदिवासी समुदायों के नेता और अन्य लोगों ने भाग लिया।

जिले में पांव पसार रहा डेंगू व मलेरिया न सफाई हो रही है और न ही फॉगिंग

मंचेरियाल, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल और आसपास के क्षेत्रों में मौसमी बुखार के साथ-साथ डेंगू और मलेरिया ने भी पांव पसारना शुरू कर दिया है। ऐसे में मंचेरियाल शहर में जगह- जगह जल जमाव, कचरे का अम्बार और सड़क पर बहता नालियों का पानी कई तरह की बीमारियों को आमंत्रण दे रहा है। जल जमाव और कचरा का नियमित उठाव नहीं होने से सभी को परेशानी हो रही है। जल जमाव व कचरा मच्छरों को पनपने में सहायक बने हुए हैं। आज भी शहरी क्षेत्र में कई ऐसे मिल जगह जाएंगे जहां पर कचरा फैला हुआ है। नगर परिषद द्वारा सफाई ठीक ढंग से नहीं की जा रही है। साथ ही डीडीटी का छिड़काव नहीं किया जा रहा है। शहर में में फॉगिंग का भी काम नहीं हो रहा है।

मौसमी बीमारियों से प्रभावितों की स्थिति यह है कि सदर अस्पताल और शहर के निजी क्लीनिक में मरीज भरे हुए हैं। अस्पताल में बेड खाली नहीं है, जमीन पर इलाज किया जा रहा है। भले ही नगर परिषद के द्वारा शहर के साफ सफाई के लिए ढोल पीटा जाता हो स्थिति यह है कि कई स्थलों कचरा जमा है सफाई होती भी है तो नाम मात्र की। सफाई के साथ-साथ नालियों की सफाई भी जरूरी है, जहां पर मच्छर के पनपने का अनुकूल माहौल रहता है। नालियों की सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शहर की अधिकांश नालियों को ढक दिया गया है। इसके कारण उसमें बड़ी संख्या में मच्छर पनपते हैं और इधर-उधर भटकते रहते हैं और यह मच्छर जिसे भी काटते हैं उसका संक्रमित होना स्वाभाविक है। सरकारी अस्पताल के गेट पर हमेशा जल जमाव रहता है, पोस्टमार्टम हॉउस के पास कचरे का ढेर लगा है। बड़ी बाजार में कई जगह नालियों का पानी सड़क पर भहा है। शहर में जगह-जगह कचरे का अम्बार लगा हुआ है।

रेलवे ट्रैक के पास कचरा या कचरे में रेलवे ट्रैक

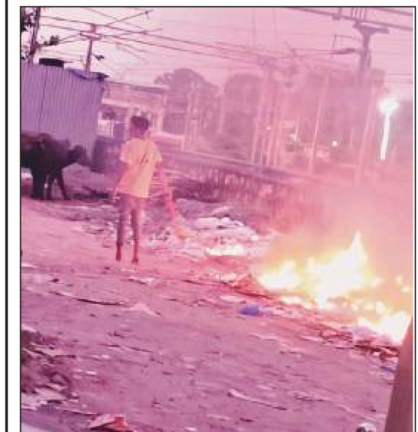

मंचेरियाल, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले मे रेलवे ट्रैक के पास सीमेंट रोड पर पड़े कचरे को निकालने के लिए नगर पालिका के ट्रैक्टर और कर्मचारी 5 दिनों से कचरा उठाने नहीं आए। इस बीच उसके आसपास बनी दुकान के लोगों ने कचरा एक जगह जमा करके जला दिया। वहां पर स्थित दुकानदारों को कई बार कचरा फेंकने से मना किया गया फिर भी उन्होंने वहां कचरा फेंकना बंद नहीं किया। नगरपालिका के कर्मचारी गलियों एवं सड़कों पर सेनिटेशन नहीं कर रहे हैं। दुकानदारों को कचरा फेंकने से मना करने पर भी वो लोग इस बात पर अम नहीं कर रहे हैं। नगर पालिका को इस पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

कार और लॉरी की टक्कर में चार लोगों की मौत, चार घायल

महबूबनगर, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में महबूबनगर-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार को एक कार की सड़क किनारे खड़ी लॉरी में टक्कर लगने से चार लोगों की मौत हो गयी और अन्य चार घायल हो गये। जिसमें से कुछ की हालत गंभीर है।पुलिस ने बताया कि यह घटना जेले के बूथपुर मंडल् के ताताकोंडा में हुई। उन्होंने बताया

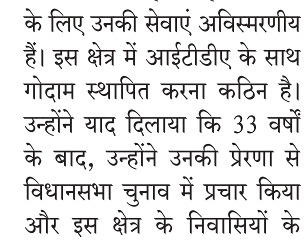

कि दुर्घटना उस समय हुई जब कार में सवार यात्री तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की पूजा करने के बाद हैदराबाद लौट रहे थे। घायलों को इलाज के लिए यहां के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि तीन लोगों की दुर्घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल एक अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान उरुसुला वेंकट रामा राव (43), उरुसुला केम्पू राव (75), अवुला अशोक यादव (48) और वेंकटरमण (43) के रूप में की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव

तीन पूर्व मुख्यमंत्री चुनाव मैदान से दूर

पहली बार कोई बड़ा महिला चेहरा मैदान में नहीं

जम्मू, 29 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के तीन पूर्व मुख्यमंत्री इस बार विधानसभा चुनाव से दूर हैं। पहली बार कोई बड़ा महिला चेहरा भी नहीं है। महबूबा मुफ्ती, गुलाम नबी आजाद और डॉ. फारूक अब्दुल्ला इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। ऐसा पहली बार है कि तीन बड़े नेता विधानसभा चुनाव का हिस्सा नहीं हैं।

तीन बार के मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला के साथ गुलाम नबी आजाद और महबूबा मुफ्ती ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला लिया है। जम्मू-कश्मीर के तीन बार के मुख्यमंत्री लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनाव भी नहीं लड़ने का फैसला ले चुके हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन को अमली जामा पहनाने में डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने सक्रिय भूमिका निभाई, लेकिन खुद चुनाव लड़ने से दूरी बनाई। दक्षिण कश्मीर की अनंतनाग सीट से विधायक रहीं पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने भी चुनाव नहीं लड़ने का फैसला लिया है। महबूबा मुफ्ती 2016 में प्रदेश की पहली महिला मुख्यमंत्री बनी थीं। उन्होंने बिजबिहाड़ा से 1996 में विधायक के रूप में अपने राजनीति करियर की शुरुआत की थी। इस सीट से इस बार उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती चुनाव मैदान में हैं।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। अगर वह मुख्यमंत्री बन भी गईं तो केंद्र शासित प्रदेश में अपनी पार्टी के एजेंडे को पूरा नहीं कर पाएंगी। 2016 में मुख्यमंत्री रहते मैंने 12000 लोगों के खिलाफ एफआईआर रद्द कर दी थीं। अलगाववादियों को बातचीत के लिए आमंत्रित करने को पत्र लिखा था। महबूबा मुफ्ती ने कहा, नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने भी जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश बने रहने तक चुनाव नहीं लड़ने की बात कही थी, लेकिन अब उनका मन बदल गया है। उमर ने खुद कहा था कि एक चपरासी के तबादले के लिए उन्हें उप राज्यपाल के दरवाजे पर जाना होगा।

नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच गठबंधन पर पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि दोनों पार्टियां हमेशा सत्ता के लिए एक साथ आई हैं। जब हमने 2002 में कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था, तो हमारा एक एजेंडा था। हमने सैयद अली गिलानी को जेल से रिहा किया। जब 2014 में भाजपा के साथ गठबंधन किया था तो हमारे पास गठबंधन का एजेंडा था, जिसमें हमने लिखित में दिया था कि अनुच्छेद 370 को नहीं छुआ जाएगा। अफस्पा को रद्द कर दिया जाएगा, पाकिस्तान और हुर्रियत के साथ बातचीत, बिजली परियोजनाओं की वापसी आदि, एक एजेंडा था। लेकिन जब कांग्रेस-नेकां गठबंधन बनाते हैं, तो यह सत्ता के लिए होता है।

2008 में भद्रवाह से विधायक रहे और फिर मुख्यमंत्री बने गुलाम नबी आजाद भी इस बार चुनाव मैदान में नहीं हैं। 2008 में भद्रवाह सीट से चुनाव लड़े गुलाम नबी आजाद ने रिकॉर्ड 62.86 फीसदी वोट हासिल किए थे। आजाद की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि चुनाव में 13 उम्मीदवार थे, जिनमें से 12 की जमानत जब्त हो गई थी।

जम्मू कश्मीर में पैराशूट नेताओं पर भाजपा ने दांव लगाया

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 29 अगस्त।

भारतीय जनता पार्टी ने इन विधानसभा चुनावों में कश्मीर फतह करने की खातिर मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतार कर अन्य राजनीतिक दलों को हैरान किया है पर जम्मू संभाग में उसने पैराशूट नेताओं को मैदान में उतार कर पार्टी के भीतर विद्रोह को बढ़ावा दिया है।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में भाजपा ने दूसरे दलों से आए नेताओं पर दांव खेला है। दूसरे दलों से आए ये नेता भाजपा की उस रणनीति का हिस्सा हैं, जिसके तहत वह जम्मू के हिंदू गढ़ माने जाने वाले क्षेत्र में अपनी सियासी जमीन बचाए रखना चाहती है। भाजपा ने आधा दर्जन सीटों पर दूसरे दल से आए नेताओं को टिकट दिया है, जिसमें नेशनल कांफ्रेंस के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष देवेंद्र राणा और पीडीपी के पूर्व नेता चौधरी जुल्फिकार, कांग्रेस के पूर्व नेता शाम लाल शर्मा, नेशनल कांफ्रेंस से आए सुरजीत सिंह सलाथिया जैसे नाम शामिल हैं।

भाजपा ने भले ही दूसरे दलों के दिग्गज नेताओं को अपने साथ लेकर चुनावी मैदान में उतार दिया है, लेकिन इसके चलते अंदरूनी बनाम बाहरी की समस्या पैदा हो गई है। भाजपा के इन सीटों पर अपने नेताओं के साथ-साथ कार्यकर्ताओं को भी साधकर रखने ही नहीं बल्कि चुनाव में उन्हें एक्टिव रखने की भी टेंशन है। इसके अलावा भाजपा ने जिन सीटों पर मुस्लिम कैंडिडेट उतारने का दांव चला है, उन सीटों पर हिंदू वोटों को साधकर रखने की चुनौती खड़ी हो गई है।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अभी तक अपने 45 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। भाजपा ने अपने दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर दूसरे दल से आए नेताओं को खास तवज्जो दी है। भाजपा जम्मू संभाग में पूरा दमखम लगाएगी और कश्मीर घाटी को लेकर इस बार अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव करते हुए मुस्लिमों पर दांव खेला है। ऐसे में कई जगहों पर पार्टी को नेताओं के विरोध भी झेलने पड़ रहे हैं, लेकिन पार्टी डैमेज कन्ट्रोल में जुट गई है। भाजपा की बदली राजनीति मिशन कश्मीर में मददगार साबित होगी या फिर सियासी कन्फ्यूजन का खामियाजा भुगतना पड़ेगा यह आने वाला समय बताएगा।

कश्मीर के भाजपा में हिंदू वोटों का प्रभाव बहुत नहीं है। लिहाजा इस बार भाजपा ने अपनी रणनीति बदली है। कश्मीर घाटी में मुस्लिम उम्मीदवारों पर भी दांव लगाया गया है, क्योंकि इन सीटों पर मुस्लिम वोटर ही निर्णायक भूमिका में है। भाजपा ने कश्मीर पंचायत चुनाव में भी मुस्लिम बहुल इलाकों में मुस्लिमों पर भी दांव खेला था। इसमें पार्टी कुछ हद तक कामयाब रही थी। इसलिए विधानसभा चुनाव में भी इस रणनीति पर काम किया जा रहा है। कश्मीर में भाजपा ने भले ही सियासी पशोपेश की स्थिति हो, लेकिन इसको कश्मीर को फतह करने की रणनीति मानी जा रही है। भाजपा ने मुस्लिम उम्मीदवार उतारकर जरूर कांग्रेस और नेकां के लिए टेंशन बढ़ाई है, लेकिन अपने लिए भी जोखिम भरा कदम उठाया है।परिसीमन के बाद जम्मू कश्मीर की सियासी तस्वीर बदल गई है। जम्मू संभाग में 6 सीटें बढ़ी हैं तो कश्मीर में सिर्फ एक सीट का इजाफा हुआ है। जम्मू संभाग में सीटें अब 37 से बढ़कर 43 हो गई है जबकि कश्मीर संभाग में 46 सीटों से बढ़कर 47 हो गई हैं। भाजपा का सियासी आधार जम्मू संभाग की तुलना में कश्मीर संभाग में बहुत ज्यादा नहीं है। जम्मू में भाजपा 2014 में विपक्ष का सफाया कर दिया था, लेकिन कश्मीर क्षेत्र वाले इलाके में खाता नहीं खोल सकी थी।

गुलाम नबी आजाद बीच मझधार में छोड़ गए अपने उम्मीदवारों को

जम्मू, 29 अगस्त (ब्यूरो)। चार महीने के अंतराल में यह दूसरा अवसर है जब पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने चुनाव मैदान में उतरे बिना ही हार मान ली है। हालांकि हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में तो वे मैदान में भी नहीं उतरे थे और इस बार उन्होंने अपने उम्मीदवारों को मझधार में छोड़ दिया है। उनकी पार्टी की ओर से विधानसभा चुनावों के लिए पर्चे भरने वाले उम्मीदवारों को तो उन्होंने यह सलाह तक दे डाली है कि अगर वे चाहें तो अपने नामांकन पत्र वापस ले सकते हैं।

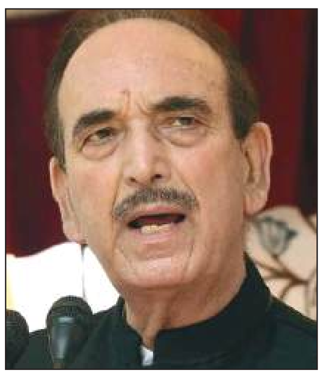

डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने अपने पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने से हाथ पीछे खींच लिए हैं, ऐसे में डीपीएपी उम्मीदवारों के लिए मुश्किल समय आने वाला है। आजाद के जाने से डीपीएपी के सभी उम्मीदवारों को नुकसान होगा, खासकर चिनाब घाटी के उम्मीदवारों को, जो वोट पाने के लिए आजाद के कद पर निर्भर थे। आजाद ने अपने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए प्रचार करने से हाथ पीछे खींच लिए हैं। उन्होंने कहा कि 25 अगस्त को उन्हें सीने में दर्द हुआ और 26 अगस्त को वे नई दिल्ली के लिए रवाना हुए और एम्स नई दिल्ली में भर्ती हो गए।

याद रहे आजाद जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं और कांग्रेस पार्टी में रहते हुए गांधी परिवार के करीबी थे। लेकिन पार्टी में मतभेद होने के बाद उन्होंने 2022 में अपनी अलग पार्टी डीपीएपी बनाई, जो हाल ही में हुए संसदीय चुनावों में बुरी तरह हार गई। इन चुनावों में डीपीएपी को उनके प्रभाव से वोटों में बदलाव की काफी उम्मीद थी, लेकिन अब उनकी अनुपस्थिति उन्हें काफी नुकसान पहुंचाएगी। इसका सीधा असर डोडा और भद्रवाह सीटों पर पड़ेगा, जहां आजाद के पैतृक क्षेत्र गुंडोह और भल्लेसा में काफी अच्छे वोट हैं। डोडा सीट से डीपीएपी के उम्मीदवार अब्दुल मजीद वानी वोट पाने के लिए आजाद के कद का इस्तेमाल करते, लेकिन अब उन्हें खुद ही मतदाताओं तक पहुंचना होगा। इसी तरह भद्रवाह सीट पर डीपीएपी के उम्मीदवार मुहम्मद असलम गोनी को भी पहले से ही कड़े मुकाबले में मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा, जहां कांग्रेस, भाजपा और नेशनल कांफ्रेंस ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। चेनाब घाटी की अन्य सीटों पर जहां डीपीएपी ने उम्मीदवार उतारे हैं, उन्हें बिना किसी जाने-पहचाने चेहरे के वोट हासिल करने होंगे।

मंत्री सीताक्का ने तस्करी के मूल कारणों का समाधान करने की आवश्यकता पर बल दिया

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना पंचायत राज और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डी अनसूया सीताक्का ने गरीबी, प्रवासन और नशीली दवाओं की लत जैसे तस्करी के मूल कारणों को संबोधित करने के महत्व पर जोर दिया।

हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय न्याय मिशन (आईजेएम) के साथ साझेदारी में तेलंगाना पुलिस विभाग की महिला सुरक्षा विंग द्वारा मानव तस्करी में उभरती प्रवृत्तियों और उनसे निपटने की रणनीतियों पर राष्ट्रीय परामर्श विषय पर दो दिवसीय सेमिनार में बोलते हुए सेंटर (एचआईसीसी), नोवोटेल, माधापुर में गुरुवार को उन्होंने स्कूलों में महिलाओं के लिए सम्मान शिक्षा शुरू करने और कार्यस्थलों को संवेदनशील बनाने की वकालत की। उन्होंने तेलंगाना को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए ठोस प्रयास करने का भी आह्वान किया। तेलंगाना के डीजीपी डॉ. जितेंद्र ने अपराध के उभरते रूपों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए वैश्विक तस्करी के पैटर्न को समझने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने तस्करी से निपटने में कानून प्रवर्तन एजेंसियों की भूमिका पर प्रकाश डाला। अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में, तेलंगाना की महिला सुरक्षा विंग की पुलिस महानिदेशक शिखा गोयल ने अंधेरे पर रोशनी डालने और ऐसी रणनीतियों का पता लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया जो तस्करी के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई को सशक्त बनाती हैं। उन्होंने मजबूत कानून, प्रभावी कानून प्रवर्तन, जमीनी स्तर की पहल और बचे लोगों के समर्थन के महत्व पर प्रकाश डाला। सेमिनार में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई, जिसमें सेक्स और श्रम तस्करी के नए पैटर्न, ऑनलाइन बाल यौन शोषण, अंतरराष्ट्रीय तस्करी और तस्करी से निपटने में मीडिया की भूमिका शामिल है। पैनल चर्चाओं में कानून प्रवर्तन, सरकार और मीडिया के विशेषज्ञ वक्ता शामिल थे, जिन्होंने अंतर्दृष्टि और नवीन तस्करी विरोधी रणनीतियों को साझा किया। इस कार्यक्रम में 15 वक्ताओं और मॉडरेटर सहित पूरे भारत से लगभग 225 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों में आईपीएस और आईएएस अधिकारी, पुलिस अधिकारी, सेवानिवृत्त न्यायाधीश, न्यायविद, मीडिया प्रतिनिधि और कानूनी पेशेवर शामिल थे।

सेमिनार में महिला सुरक्षा विंग द्वारा प्रदान किए गए जागरूकता ब्रोशर वाले स्टॉल भी शामिल थे, जो बातचीत और सीखने की सुविधा प्रदान करते थे। कई अन्य राज्यों ने उनकी सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जानने के लिए तेलंगाना पुलिस से संपर्क किया है। परामर्श का उद्देश्य मानव तस्करी को संबोधित करने के लिए प्रभावी रणनीतियों और नवाचारों को प्रस्तुत करना और उन पर चर्चा करना था, जो सरकार के लिए मूल्यवान सिफारिशों में परिणत होंगे। प्रभावी मानव तस्करी विरोधी रणनीतियों को लागू करने में उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए विभिन्न क्षेत्रों के सात अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, तेलंगाना पुलिस की मानव तस्करी विरोधी इकाइयों के पांच अधिकारियों को उनके अनुकरणीय कार्य के लिए मान्यता दी गई।

पुरस्कार समारोह का नेतृत्व यूनिसेफ के मुख्य फील्ड अधिकारी डॉ. ज़ेलालेम टाफ़ेसे ने किया। सेमिनार ने प्रमुख हितधारकों को ज्ञान का आदान-प्रदान करने, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और मानव तस्करी से निपटने के लिए सहयोगी रणनीतियों का पता लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

हिन्दी महाविद्यालय में तेलुगु दिवस आयोजित

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिन्दी महाविद्यालय में तेलुगु भाषा दिवस के उपलक्ष्य में तेलुगु विभाग में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संस्थाध्यक्ष लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, प्राचार्या के. बाला, डी.पी. वसंता, पद्मा आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम के आरंभ में दीप प्रज्वलन हुआ। पश्चात कार्यक्रम में पद्मा (तेलुगु विभाग) ने तेलुगु भाषा के महत्व को रेखांकित किया। प्राचार्या के. बाला ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थाध्यक्ष लक्ष्मीनिवास शर्मा तथा उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा ने भी तेलुगु भाषा दिवस पर अपने विचार व्यक्त किए। अपने वक्तव्य में उन्होंने तेलुगु भाषा के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के पूर्व कुछ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था। इन प्रतियोगिताओं में जीते हुए छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा पारितोषिक का वितरण किया गया तथा उपस्थित सभी प्राध्यापकों ने अवसरोचित विचार व्यक्त किए। इनमें डॉ. वसंता, बी.टी. मधुसूदन, डॉ. पुष्पावली, डॉ. रजनीधारी, डॉ. किरण डाके आदि प्रमुख रहे। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन लहरी ने किया। इस कार्यक्रम से सभी छात्र-छात्राएँ लाभांवित हुए।

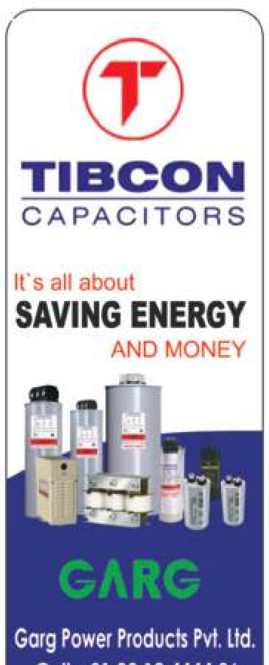

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,040/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 87,390/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 82,134.61
+349.05 +0.43% ↑

एनएसई :25,151.95
99.60 (0.4%) ↑

अमरावती को एआई सिटी के रूप में विकसित किया जाए :चंद्रबाबू

अमरावती, 29 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को अधिकारियों को अमरावती को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शहर के रूप में विकसित करने की योजना बनाने का निर्देश दिया।

उन्होंने अधिकारियों को अमरावती का लोगो अंग्रेजी में डिजाइन करने का निर्देश दिया, जिसमें पहला अक्षर ए और आखिरी अक्षर आई हो, जो तुरंत दिमाग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का संकेत देता है। एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिसमें नगर प्रशासन मंत्री पी. नारायण और राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (सीआरडीए) के अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने कहा राज्य की राजधानी को इस तरह से बनाया जाना चाहिए कि हर कोने में प्रौद्योगिकी उपलब्ध हो। अमरावती को देवताओं की राजधानी बताते हुए उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने इसके साथ बहुत खराब व्यवहार करके इसे पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि राजधानी में कार्यों को तेज गति से पुनर्जीवित करने की हर जरूरत है।

अधिकारियों ने नायडू को बताया कि सीआरडीए कार्यालय भवन जिसे जी+7 प्रणाली पर लिया गया था, पिछले पांच वर्षों में एक इंच भी आगे नहीं बढ़ पाया है क्योंकि पिछली सरकार ने संरचनाओं की पूरी तरह से उपेक्षा की थी, उन्होंने उन्हें भवन का निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया। अगले 90 दिनों में लेकिन निर्माण की गुणवत्ता से समझौता नहीं करेंगे और नवीनतम तकनीक का उपयोग करेंगे। नायडू ने कहा कि पिछली सरकार ने हैप्पी नेक्स्ट परियोजना को भी नजरअंदाज कर दिया था, जिसे राजधानी क्षेत्र में रहने के इच्छुक लोगों के लिए 14 एकड़ की सीमा में शुरू किया गया था। यह याद करते हुए कि टीडीपी शासन के दौरान हैप्पी नेक्स्ट प्रोजेक्ट के प्लॉट केवल एक घंटे में बिक गए थे, अधिकारियों ने नायडू को बताया कि चूंकि पिछली सरकार ने इसकी उपेक्षा की थी, इसलिए खरीदार वापस चले गए थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को परियोजना को पुनर्जीवित करने के लिए तुरंत कदम उठाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी क्षेत्र में अभी भी 3,558 एकड़ जमीन अधिग्रहण की जरूरत है, किसान अपनी जमीन देने के लिए आगे आ रहे हैं। जब अधिकारियों ने किसानों को विकसित भूखंड आवंटित करने में कुछ बाधाओं के बारे में मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाया, तो उन्होंने इन मुद्दों को हल करके आगे बढ़ने के लिए कहा। अधिकारियों ने यह भी बताया कि राजधानी क्षेत्र में जंगल सफाई का 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और मुख्यमंत्री ने उनसे इस प्रक्रिया के आकलन और पर्यवेक्षण के लिए ड्रोन का उपयोग करने को कहा।

सीएम नायडू ने अधिकारियों को विशाखापत्तनम और विजयवाड़ा में मेट्रो रेल कार्यों को तेज गति से शुरू करने का भी आदेश दिया। एपी मेट्रो रेल परियोजना के प्रबंध निदेशक, रामकृष्ण रेड्डी ने नायडू को बताया कि विशाखापत्तनम मेट्रो रेल का काम दो चरणों में पूरा किया जाएगा, पहला चरण 46 किमी का 11,400 करोड़ रुपये के खर्च के साथ और दूसरा चरण 30 किमी का 5,734 करोड़ रुपये के साथ। सीएम ने कहा कि विशाखापत्तनम में काम का पहला चरण अगले चार वर्षों में पूरा किया जाना चाहिए और विजयवाड़ा में 38 किमी की सीमा के लिए 11,009 करोड़ रुपये से शुरू किए जा रहे मेट्रो रेल कार्यों में भी तेजी लाई जानी चाहिए।

शुभ लाभ Classifieds

CHANGE OF DOB
I, M Veluchamy F/o Raja Pandian V, R/o D No.5/55, V Alagapuri, Appanthiruppathi (P), Velliyankundram, Maduria, T.N., 625301, have Changed my **DOB** from **01-07-1955** to **24-06- 1955**, vide affidavit dt.29-8-2024 before Sec-bad court.

CHANGE OF DOB
I, V Bhagavathi M/o Raja Pandian V, R/o D No.5/55, V Alagapuri, Appanthiruppathi (P), Velliyankundram, Maduria, T.N., 625301, have Changed my **DOB** from **01-07-1957 to 01-03- 1960**, vide affidavit dt.29-8-2024 before Sec-bad court.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. 6945618M Hav/Clk (SD) Deevan Singh, R/o.Vill & Post Office: Garshan, Teh:Kheragarh, Dist:Agra,Uttar Pradesh-283124 hereby declare that my father name & DOB is to be changed from **SURESH CHANDRA, DOB:26 Sep,1958** to **SURESH CHAND, DOB:01-01-1959** and my mother name & DOB is to be changed from **SHANTEE DEVI, DOB:13-5-1962** to **SHANTI DEVI, DOB:01-01-1964** in my Service Records vide Affidavit dt.29-8-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

ज्योतिष ASTROLOGY
नाकोड़ा भैरव ज्योतिष
(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद. संपर्क : 9032460847.

CHANGE OF NAME
I, ROSHNA DEVI, Mother of JC 768340N, Sub, CHANDI PRASAD BHADRI – of UNIT/ REGT: 844 FWC (654 EME BN), C/o: 56 APO, Secunderabad, R/o. Bhouniyara, Pachri, Tehri Garhwal, Uttarakhand-249001, have changed my name from ROSHNA DEVI to ROSHANI DEVI, due to correction of spelling in pronounciation in service document and my DOB : 01-01-1953, vide affidavit signed by Advocate and Notary P. Raveendranath, B.Com.,BL on 28-8-2024.

CHANGE OF NAME
I, ANITA DEVI, legally wedded spouse of 14840361Y, Hav Mukesh Kumar – of UNIT/ REGT: 554 ASC BN (MT), C/o: 56 APO, R/o.Balanpur, Pempur, Khair, Aligarh, Utta Pradesh – 202137, have changed my name from ANITA DEVI to ANEETA DEVI, due to correction of spelling in pronounciation in service document and my DOB: 08-07-1986, vide affidavit signed by Advocate and Notary P. Raveendranath, B.Com.,BL on 28-8-2024.

रेवंत के खिलाफ 'कैश फॉर वोट' मुकदमा राज्य से बाहर स्थानांतरित करने की गुहार नामंजूर

विशेष अभियोजक नियुक्त करेगा सुप्रीम कोर्ट

हैदराबाद/नई दिल्ली, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

उच्चतम न्यायालय ने तेलंगाना में 2015 के कथित कैश फॉर वोट घोटाला मामले की जांच राज्य से बाहर स्थानांतरित करने की गुहार ठुकराते हुए गुरुवार को कहा कि वह इस मुकदमे में एक विशेष अभियोजक नियुक्त करेगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी इस मामले में आरोपियों में शामिल हैं।

न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत विशेष अभियोजक के नाम के लिए तेलंगाना के सहयोगी न्यायाधीशों के साथ परामर्श करेगी। पीठ के समक्ष भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक गुंटाकंडला जगदीश रेड्डी और तीन अन्य ने मुकदमे को राज्य से बाहर स्थानांतरित करने की गुहार लगाई थी। इन याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सी आर्यमा सुंदरम ने मुकदमे को स्थानांतरित करने की मांग करते हुए कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री इस मामले पर सार्वजनिक रूप से बयान दे रहे हैं।उन्होंने दलील देते हुए मुख्यमंत्री पर पुलिसकर्मियों की पिटाई करने संबंधी सार्वजनिक बयान देने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि मामले की जांच करने वाला भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यमंत्री के नियंत्रण में आता है, क्योंकि उनके पास गृह मंत्रालय का प्रभार भी है। श्री रेड्डी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और सिद्धार्थ लूथरा ने मुकदमे को राज्य से बाहर स्थानांतरित करने की याचिका का पुरजोर विरोध किया। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के कारण मामले में सुनवाई रोक दी गई थी। मुकदमे को भोपाल स्थानांतरित करने की मांग करने वाली याचिका में स्वतंत्र और निष्पक्ष सुनवाई का मुद्दा उठाते हुए कहा गया है कि रेवंत रेड्डी अब तेलंगाना के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री बन गए हैं।

इसके बाद पीठ ने महसूस किया कि केवल आशंका के आधार पर सुनवाई स्थानांतरित करने की याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा, यदि हम ऐसी याचिकाओं पर विचार करते हैं, तो हम अपने न्यायिक अधिकारियों पर विश्वास नहीं करेंगे। आखिरकार, हमें उनकी रक्षा करनी है। याचिकाकर्ताओं की दलील पेश कर रहे श्री सुंदरम ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री स्वयं गृह मंत्री हैं। उन्होंने कहा, प्राकृतिक न्याय का नियम है कि किसी भी व्यक्ति को अपने मामले में न्यायाधीश नहीं होना चाहिए। इसके बाद पीठ ने कहा कि वह विश्वास जगाने के लिए एक स्वतंत्र सरकारी वकील नियुक्त करने का आदेश पारित करेगी।

तेलुगू देशम पार्टी के तत्कालीन नेता रेवंत रेड्डी को विधान परिषद चुनावों में पार्टी उम्मीदवार वेम नरेंद्र रेड्डी का समर्थन करने के लिए मनोनीत विधायक एल्विस स्टीफेंसन को 50 लाख रुपये की रिश्वत देते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने 31 मई 2015 को गिरफ्तार किया था। एसीबी ने श्री रेड्डी के अलावा कुछ अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया, जिन्हें बाद में जमानत दे दी गई थी।

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Head Office # 15-2-391/392/1, Siddiamber Bazar, Hyderabad - 500012
(T.A. No. 1439)
अग्रसेन बैंक
Estd. 1998

NOTICE

Notice is hereby given that the Twenty Sixth Annual General Body Meeting of the Shareholders of the Bank for the Financial Year 2023-2024 will be held on Sunday,15th September, 2024 at K.L.N Prasad Auditorium, FTCCI House, Red Hills, Hyderabad-500 004, Telangana State at 11:00 A.M. to transact the following items of the Agenda.

1. To consider and adopt the Twenty Sixth Annual Report along with Audited Statements of Accounts of the Bank for the Financial Year 2023-2024.
2. To approve appropriation of Net Profit and to declare dividend for the Financial Year ended 31-03-2024.
3. (i) To ratify the excess expenditure incurred over the budgeted during the Financial Year 2023-2024.
   (ii) To approve the revised Budget of Income & Expenditure of the Bank for the Financial Year 2024-2025 and Annual Budget for the Financial Year 2025-2026.
4. To authorize the Board to appoint Statutory Auditors and to hold office from the conclusion of this Annual General Body Meeting until conclusion of the next Annual General Body Meeting and to fix their remuneration.
5. To review the membership and attendance of the Committee Members for the period from 01-02-2024 to 31-07-2024.
6. To approve admission of members, allotment of additional shares, transfer of shares, withdrawal and refund of Share Capital made during the period from 01-02-2024 to 31-07-2024.
7. To approve investments / withdrawals made during the period from 01-02-2024 to 31-07-2024.
8. To review all overdue loans and loans covered under legal action.
9. To consider any other matter with the permission of the Chair.

All the Shareholders are requested to attend the Annual General Body Meeting, on the date, time and place herein mentioned above.

Place : Hyderabad
Date : 29/08/2024

By order of the Board of Directors
Sd/-
C. V. Rao
General Manager /CEO

NOTE

1. All documents referred to in the Notice are open for inspection at the Registered Office of the Bank on all working days between 11.00 A.M. to 4.00 P.M. from 11-09-2024 to 13-09-2024 with prior notice.
2. In the absence of the requisite Quorum within half an hour of the time specified for holding the General Body Meeting, the meeting shall stand adjourned to 12.00 Noon on the same day and the same agenda of the meeting shall be transacted at the same venue.
3. Members who have not yet submitted their photographs are requested to submit two passport size photographs duly noting their names, folio number etc., on the reverse of the photograph to enable us to issue Identity Cards.
4. Members are requested to furnish their respective Account Numbers maintained with the Bank or open an Account with any branch of the Bank and ensure recording of standing instructions with the Shares Department for credit of dividend. The Members are also requested to update their PAN card, Aadhar number, Mobile numbers and Email Id's for regular updates from Bank.

मुख्यमंत्री रेवंत ने गणेश उत्सव की तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को सचिवालय में आगामी गणेश उत्सव पर समीक्षा बैठक की।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सरकार और गणेश नवरात्रि समारोह के आयोजकों के बीच समन्वय के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बैठक का उद्देश्य सभी हितधारकों से सलाह और सुझाव इकट्ठा करना है।मुख्यमंत्री ने शहर में उन सभी स्थानों पर जहां त्योहार मनाया जाएगा, पुलिस की अनुमति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को गणेश मंडपों को मुफ्त बिजली देने पर कोई आपत्ति नहीं है। अधिकारियों को आ-वेदनों की जांच करने और मंडपों को मुफ्त बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने विसर्जन प्रक्रिया के दौरान उत्सव आयोजकों से सहयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए सभी से उत्सव को ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ आयोजित करने का आग्रह किया। उन्होंने गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए क्षेत्रवार कार्ययोजना बनाने को कहा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी विभागों के अधिकारियों को समन्वय बनाकर काम करना चाहिए और प्रत्येक क्षेत्र में समन्वय समितियों के गठन का सुझाव दिया।

रेवंत ने कर्जमाफी पर भी राहुल गांधी को गुमराह किया : हरीश राव

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर फसल ऋण माफी के कार्यान्वयन के बारे में भ्रामक दावे करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे जनता और किसानों में भ्रम और निराशा पैदा हुई है।

तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से अनौपचारिक बातचीत में उन्होंने गुरुवार को कहा कि रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए ऋण राहत वादे को पूरा करने के अपने दावों से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भी गुमराह किया है। उन्होंने राज्य के दौरे पर राहुल गांधी का स्वागत करने और मुख्यमंत्री के पैतृक गांव कोंडारेड्डीपल्ली में छूट के संबंध में उन्हें जमीनी हकीकत दिखाने की पेशकश की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुख्यमंत्री के बयान वास्तविक संवितरण आंकड़ों से मेल नहीं खाते हैं, जिससे विश्वास की कमी और पारदर्शिता की कमी हुई है। जिस तरह से मुख्यमंत्री ने ऋण माफी के मुद्दे को संभालने की कोशिश की, उससे काफी भ्रम पैदा हुआ और किसानों ने इसे विश्वासघात के मामले के रूप में देखा। हाल ही में मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री के खुलासे का जिक्र करते हुए, हरीश राव ने इसे धोखाधड़ी करार दिया और कहा कि उनकी बातचीत में किसी भी तथ्य की तुलना में अधिक धोखा और झूठ शामिल था। उन्होंने याद दिलाया कि रेवंत रेड्डी ने मीडिया के साथ अनौपचारिक चर्चा के दौरान हैदराबाद के पुराने शहर में बिजली बकाया वसूलने की जिम्मेदारी अडानी समूह को सौंपने के फैसले की घोषणा की थी। हालांकि, जैसे ही इससे विवाद खड़ा हुआ और बीआरएस की ओर से प्रतिक्रिया हुई, उन्होंने राज्य विधानसभा के पटल पर ऐसे किसी भी कदम से इनकार कर दिया।

आय से अधिक संपत्ति के मामले में पूर्व बैंक क्लर्क को 4 साल की कारावास

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में सीबीआई मामलों की विशेष अदालत ने गुरुवार को तेलंगाना ग्रामीण बैंक, अजीज नगर शाखा, मोइनाबाद मंडल, रंगा रेड्डी जिला, तेलंगाना के पूर्व कैशियर-सह-क्लर्क मादी जयपाल रेड्डी को चार साल की सजा सुनाई। आय से अधिक संपत्ति रखने के मामले में कठोर कारावास (आरआई) की सजा और 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।1 अप्रैल, 2011 से 20 फरवरी, 2018 के बीच, उन्होंने अपने नाम पर और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर 1,21,20,887 रुपये की संपत्ति अर्जित की थी, जो उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक थी।

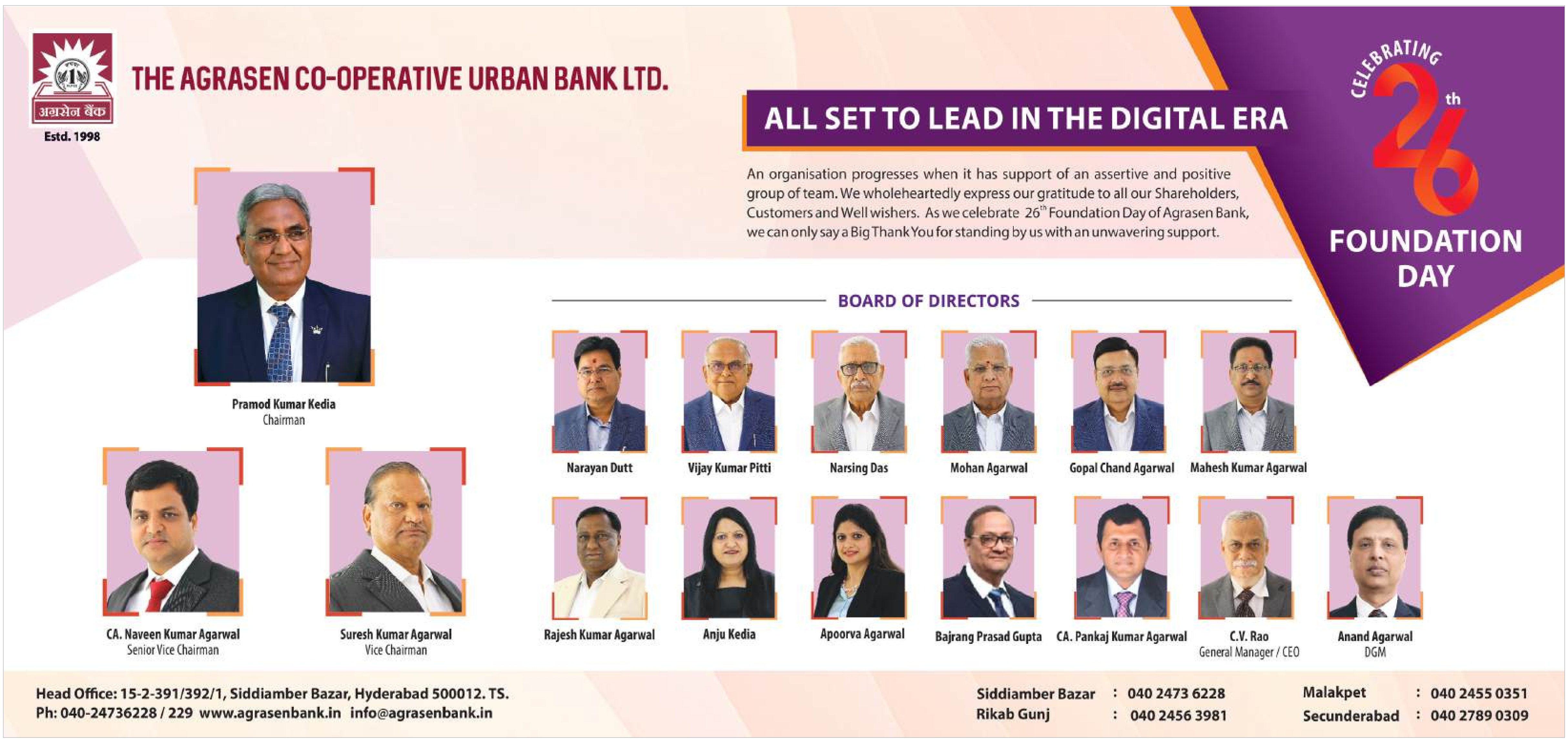

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.